ग्वालियर
मंगलवार
6 अक्टूबर 2020
संवत विक्रम 2077
हिजरी 1441
आश्विन कृष्ण 5

प्रदेश का पहला हिन्दी दैनिक
नव प्रभात
ग्वालियर एवं भोपाल से प्रकाशित

सुविचार
कला का सत्य जीवन की परिधि में सौंदर्य के माध्यम द्वारा व्यक्त अखंड सत्य है।
- महादेवी वर्मा

❑ वर्ष 73 ❑ अंक 252 ❑ पृष्ठ 8 ❑ मूल्य 2 रु. प्रधान संपादक : चन्द्रमोहन नागोरी Email-: navprabhat@yahoo.com/navprabhat2@gmail.com

न्यूज इन ब्रीफ

हाथरस मामले पर सुको में सुनवाई आज

नई दिल्ली। उत्तरप्रदेश के हाथरस में दलित युवती से सामूहिक बलात्कार और मौत के मामले की जाँच सीबीआई या एसआईटी से जांच कराने सम्बन्धी याचिका पर सुप्रीम कोर्ट मंगलवार को सुनवाई करेगा। सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस एसए बोबडे, जस्टिस एएस बोपन्ना और जस्टिस वी रामासुब्रमण्यम की बेंच सुनवाई करेगी। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल की गई है। इसमें मामले की जांच सीबीआई या एसआईटी से कराने की मांग की गई है।

डरपोक हैं यूपी के मुख्यमंत्रीः संजय सिंह

हाथरस। हाथरस में गैंगरेप पीड़िता के गांव के बाहर स्याही फेंके जाने से नाराज आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि योगी आदित्यनाथ क्षत्रिय नहीं, बल्कि डरपोक हैं। दरअसल, संजय सिंह और आम आदमी पार्टी के नेता जब गांव के बाहर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे, तभी दीपक शर्मा नाम का शख्स नारेबाजी करते हुए उनकी ओर बढ़ा और स्याही फेंक दी। संजय सिंह पर यह हमला पीड़िता के परिवार से मुलाकात के बाद हुआ।

चिराग के कदम से हो सकता है महागठबंधन को फायदा

पटना। लंबे समय से मुख्यमंत्री नीतीश से नाराज चल रही लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) ने अकेले चुनाव लड़ने की इच्छा प्रकट की है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक लोजपा राज्य की उन 143 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर सकती है, जो जेडीयू के हिस्से वाली सीटें हैं। हालांकि, लोजपा ने यह भी दावा किया है कि उनके इस कदम से जेडीयू को खासा नुकसान सहना पड़ेगा और फिर चुनाव के बाद भाजपा के साथ मिलकर वह प्रदेश में सरकार बना लेगी।

बंगाल में चुनाव के पहले लगेगा राष्ट्रपति शासन!

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में अगले साल होने जा रहे चुनाव से पहले राष्ट्रपति शासन की खबरें आने लगी हैं। इन खबरों को खुद राज्यपाल ओपी धनखड़ ने बल दिया है। उन्होंने कहा कि बंगाल ऐसा राज्य है जहां सबसे अधिक मानवाधिकारों का हनन हो रहा है। कोलकाता व बंगाल पुलिस विपक्ष के लोगों के मानवाधिकारों का सबसे अधिक हनन करती है। राज्यपाल ने चेतावनी दी कि वह राज्य में मानवाधिकार का पालन सुनिश्चित करने के लिए सभी हालातों की समीक्षा करेंगे और रिपोर्ट लेंगे।

खाद्य मंत्री बिसाहूलाल उपचुनाव से पहले 100-100 के नोट बांटते नजर आए

भोपाल। मध्यप्रदेश के खाद्य मंत्री और उपचुनाव में अनूपपुर विधानसभा से भाजपा के संभावित प्रत्याशी बिसाहूलाल सिंह की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। पहले पद का दुरुपयोग कर भ्रष्टाचार करने के आरोपों को लेकर कांग्रेस ने चुनाव आयोग से शिकायत की, अब एक वीडियो ने मुश्किलें बढ़ा दी हैं। वायरल वीडियो में वे 100-100 के नोट बांटते नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस ने लगातार दूसरे दिन चुनाव आयोग से शिकायत की है। लेकिन, बिसाहूलाल ने सफाई दी है कि वायरल हो रहा वीडियो पुराना है। उधर, गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कांग्रेस झूठी बातें फैला रही है।

महिलाओं और बच्चों ने लाइन में खड़े होकर पैसे लिए

वायरल वीडियो में बिसाहूलाल नोट बांटते दिख रहे हैं। महिलाओं और बच्चों की लंबी लाइनें दिख रही हैं। मंत्री जी एक-एक कर सभी को नोट देते नजर आ रहे हैं। इस दौरान पीछे से मंत्री जी के समर्थन में नारेबाजी हो रही है। हालांकि,

वीडियो कब का और कहां का है, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है।

मंत्री का दावा- बच्चियों को शगुन के तौर पर पैसे दिए थे

बिसाहूलाल का कहना है कि मंत्री बनने पर गांव में लोगों ने हमेशा की तरह कलश रखकर स्वागत किया। इसी दौरान हमेशा की तरह बच्चियों के कलश को 10 रुपए और 100 रुपए शगुन के तौर पर दिए थे। आचार संहिता लगने के बाद ऐसा कुछ नहीं किया। कांग्रेस का काम सिर्फ आरोप लगाना है।

कांग्रेस की मांग- खाद्य मंत्री को पद से हटाया जाए

कांग्रेस ने बिसाहूलाल को पद से हटाने की मांग की है। कांग्रेस ने एक दिन पहले ही चुनाव आयोग से शिकायत में कहा कि खाद्य मंत्री पद का गलत इस्तेमाल कर रहे हैं। सरकारी गेहूं की ब्लैकमार्केटिंग कर व्यापारियों को फायदा पहुंचा रहे हैं। यहां तक कि उन्होंने जानवरों को खिलाए जाने वाले चावल गरीबों में बंटवा दिए।

कांग्रेस नेता शिवकुमार के 14 ठिकानों पर सीबीआई के छापे

कांग्रेस ने डीके शिवकुमार के विरुद्ध सीबीआई कार्रवाई को राजनीतिक प्रतिशोध करार दिया

बेंगलुरु। सीबीआई ने कांग्रेस नेता डी के शिवकुमार से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में अनेक परिसरों की तलाशी के दौरान अब तक 50 लाख रुपए बरामद किए हैं। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार सीबीआई आय से अधिक संपत्ति जुटाने से जुड़े मामले में तीन राज्यों में कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डी के शिवकुमार से जुड़े 14 स्थानों पर छापेमारी की है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने एक अन्य एजेंसी के सूत्र से प्राप्त जानकारी के आधार पर कर्नाटक कांग्रेस के अध्यक्ष शिवकुमार के खिलाफ नया मामला दर्ज किया है। यह जानकारी शिवकुमार के कर्नाटक सरकार में मंत्री रहने के दौरान आय से अधिक संपत्ति जुटाने से संबंधित है। प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई के दलों ने सोमवार सुबह 14 स्थानों पर तलाशी शुरू की जिनमें कर्नाटक में नौ, दिल्ली में चार और मुंबई में एक स्थान है। अधिकारियों के अनुसार

शिवकुमार, उनके परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के परिसरों से तलाशी के दौरान अब तक 50 लाख रुपये बरामद किये गए हैं। सूत्रों के अनुसार जिन परिसरों पर तलाशी की कार्रवाई चल रही है उनमें शिवकुमार के भाई तथा बेंगलुरु ग्रामीण से लोकसभा सदस्य डी के सुरेश की संपत्तियां भी शामिल हैं। सीबीआई के अधिकारी आज सुबह बेंगलुरु में उनके आवास पर तथा कनकपुरा के डोड्डालाहल्ली स्थित उनके परिसरों पर पहुंचे। सीबीआई के एक बयान के अनुसार कर्नाटक सरकार के तत्कालीन मंत्री और अन्य के खिलाफ आय से अधिक संपत्तियां जुटाने के आरोप में सीबीआई ने मामला दर्ज किया है। 14 स्थानों पर तलाशी चल रही है जिनमें नौ कर्नाटक में, चार दिल्ली में और एक मुंबई में हैं।

कांग्रेस नेताओं ने कर्नाटक के सीरा और आर आर नगर विधानसभा क्षेत्रों के लिए तीन नवंबर को होने वाले उपचुनाव से पहले सीबीआई की कार्रवाई के समय पर सवाल खड़ा करते हुए केंद्र एवं राज्य की भाजपा सरकारों पर हमला किया है। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने ट्वीट किया मोदी-येदियुरप्पा के डराने धमकाने और कुचक्र के कपटपूर्ण खेल को कठपुतली सीबीआई द्वारा डी के शिवकुमार के परिसरों पर छापे मारकर अंजाम दिया जा रहा है, जिससे हम डरने वाले नहीं हैं।

भारत-अमेरिका के बीच होगा बीईसीए समझौता

नई दिल्ली। भारत और अमेरिका के मध्य भू-स्थानिक सहयोग के लिए बुनियादी विनिमय और सहयोग समझौता (बीईसीए) होने की पूरी संभावना है। इसके लिए दोनों देशों के बीच टू-प्लस-टू डायलॉग 26 और 27 अक्टूबर को हो सकता है। इस बैठक में शामिल होने के लिए नरेंद्र मोदी सरकार भू-स्थानिक सहयोग के लिए बीईसीए के लिए तैयार है।

चार सैन्य संचार मूलभूत समझौतों में से अंतिम, बीईसीए भारत का एक महत्वपूर्ण अग्रदूत है, जो अमेरिका से एमक्यू-9बी जैसे हथियारबंद ड्रोन प्राप्त करता है क्योंकि मानव रहित हवाई वाहन

दुश्मन के ठिकानों पर पिनपॉइंट स्ट्राइक डेटा का उपयोग करता है।इस महीने विदेश मंत्रालय में भारत-अमेरिका की बातचीत का विस्तार विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ 6 अक्टूबर को टोक्यो में क्वाड सुरक्षा वार्ता में अपने अमेरिकी समकक्ष माइक पोम्पिओ से मुलाकात के बाद होगा। अक्टूबर के मध्य में स्टीफन बेगुन और अंत में अमेरिकी रक्षा मंत्री मार्क ओशो और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह दो विदेश मंत्रियों के साथ टू-प्लस-टू वार्ता में शामिल होंगे।इन बैठकों के लिए तारीखों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। बीईसीए पर हस्ताक्षर एक बहुत महत्वपूर्ण कदम होगा क्योंकि यह भारत को क्रूज और बैलिस्टिक मिसाइलों जैसे स्टैंड-ऑफ हथियारों की सटीकता के लिए अमेरिका के वैश्विक भू-स्थानिक मानचित्रों का उपयोग करने की अनुमति देता है।

भारत दोनों फ्रंट पर युद्ध के लिए तैयार

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के प्रमुख आरकेएस भदौरिया ने पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के बीच चले आ रहे तनाव के मद्देनजर दुश्मनों को आगाह करते हुए चेताया कि हमारी सेना उत्तर भारत में दोनों फ्रंट पर युद्ध के लिए तैयार और पूरी तरह सक्षम है। भारत ने

साफ किया है कि वह चीन और पाकिस्तान दोनों से मुकाबला करने को तैयार है। उन्होंने कहा कि हमारी सेना हर मोर्चे पर दुश्मनों पर बीस साबित होगी।

पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन की सेनाओं के आमने-सामने आने के बाद से ही दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर है। वहीं चीन से तनाव का फायदा पाकिस्तान उठाने में लगा हुआ है। पाकिस्तान को लगता है कि वह इस मौके का फायदा उठाकर भारत में आतंकी साजिश को अंजाम दे सकता है। दोनों देशों के साथ चल रहे तनाव के बीच वायु सेना प्रमुख आरकेएस भदौरिया ने साफ किया है कि भारतीय सेना हर दुश्मन से मुकाबला करने को तैयार है। वायुसेना चीफ ने कहा कि राफेल के भारतीय वायुसेना में शामिल होने के बाद से वायुसेना की ताकत और भी ज्यादा बढ़ गई है। राफेल के आने के बाद दुश्मनों में भी इसका खौफ है।

कांग्रेस शासित राज्य लाएंगे कृषि कानूनों के खिलाफ विधेयक

नई दिल्ली। कांग्रेस शासित राज्य हाल ही में लागू कृषि कानूनों को रद्द करने के लिए विधेयक पेश करने की राह पर हैं। राज्यों की कांग्रेसी सरकार कांग्रेस पार्टी के अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी की सलाह पर काम करने की तैयारी कर रहे हैं। पार्टी के जानकारों अनुसार, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के नेतृत्व ने राज्य सरकारों को %मॉडल बिल% का मसौदा भेजा है, जो एक विशेष सत्र बुलाकर उनकी विधानसभाओं में पारित होने की संभावना है। मसौदा विधेयक में पार्टी शासित राज्यों को नए कृषि कानूनों के खिलाफ और यह सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए कि किसी भी किसान को उसकी उपज के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम न मिले। इस विधेयक का नाम किसान अधिकार और विशेष सुरक्षा प्रावधान विधेयक 2020 दिया गया है।सूत्रों के अनुसार, विधेयक में राज्य सरकार द्वारा यह तय किया जाएगा कि राज्य में कृषि कानून कब लागू होंगे। उन्होंने कहा, किसी भी प्राइवेट एजेंसी को न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम की फसल खरीदने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमला 2 जवान शहीद, 3 जख्मी

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के पुलवामा में पंपोर बाईपास में आतंकवादी हमला हुआ है। इस हमले में दो सुरक्षाकर्मी शहीद हो गए जबकि अन्य तीन जवानों का इलाज चल रहा है। मिली जानकारी के मुताबिक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) की 110 बटालियन और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जवान रोड ओपनिंग ड्यूटी पर तैनात थे। इसी बीच अज्ञात आतंकवादियों ने अंधाधुंध गोलीबारी शुरू कर दी। आतंकवादियों की गोलीबारी में पांच जवान जख्मी हो गए थे। जिन्हें तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। जहां पर 2 जवानों की मौत हो गई और अन्य 3 जवानों का अभी इलाज चल रहा है। फिलहाल इलाके को पूरी तरह से घेर लिया गया है और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है।

जीएसटी टैक्स को लेकर क्षतिपूर्ति मुआवजा आज रात जारी किया जाएगा : निर्मला सीतारमण

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि एकत्र किए गए गुड्स एंड सर्विस टैक्स को लेकर क्षतिपूर्ति राशि/ मुआवजा आज रात जारी किया जाएगा। वित्त मंत्री ने जीएसजी काउंसिल की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए के दौरान यह ऐलान किया। वित्त मंत्री ने कहा कि हम राज्यों को मुआवजे की राशि से इनकार नहीं कर रहे। किसी ने भी कोविड-19 की स्थिति की कल्पना नहीं की थी। ऐसा नहीं है कि केंद्र सरकार फंड पर कब्जा किए बैठी है। फंड उधार लेना होगा। क्या मैंने किसी राज्य को मुआवजे से इनकार किया है? उन्होंने कहा कि बिहार के वित्त मंत्री सुशील कुमार मोदी ने सुझाव दिया है कि उधार लेने के विकल्प पर हमें फिर से मिलकर बात करची चाहिए। हम 12 अक्टूबर को फिर मिलेंगे और इस मुददे पर बातचीत जारी रखेंगे। इस मौके पर वित्त राज्य मंत्री अनुराग ठाकुर और राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के वित्त मंत्री, वहीं केंद्र और राज्य सरकारों के अधिकारी भी मौजूद थे।

माल्या के प्रत्यर्पण पर ब्रिटेन में गोपनीय कार्यवाही चल रहीः केन्द्र सरकार

नई दिल्ली। केंद्र की मोदी सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया है कि भगौड़े शराब कारोबारी विजयमाल्या के प्रत्यर्पण का आदेश ब्रिटेन की सर्वोच्च अदालत दे चुकी है, लेकिन इसपर अमल नहीं हुआ है। ब्रिटेन में मामले में कुछ गोपनीय कार्यवाही चल रही है, जिसकी जानकारी भारत को भी नहीं दी गईहै। सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को माल्या के खिलाफ अवमानना मामले की सुनवाई के दौरान यह खुलासा हुआ है। उधर, कोर्ट ने साफ जवाब न देने के लिए भगोड़े कारोबारी के वकील को फटकार लगाकर सुनवाई 2 नवंबर के लिए टाल दी है। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने माल्या के वकील से कोर्ट की अवमानना से जुड़े मामले में पूछा कि माल्या इस मामले में कब पेश हो सकते हैं।

अदालत ने यह जानना चाहा कि मामले में क्या हो रहा है और प्रत्यर्पण में क्या बाधा है। इस पर, विदेश मंत्रालय द्वारा अदालत को बताया गया कि ब्रिटेन के सर्वोच्च न्यायालय ने प्रत्यर्पण का आदेश दिया था, लेकिन इसे लागू नहीं किया जा रहा है। कुछ गुप्त क्रियाएं हो रही हैं, जिनके बारे में भारत सरकार को अवगत नहीं कराया गया है। भारत सरकार को न तो कोई जानकारी दी गई है और न ही इस पार्टी बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट अब इस मामले की सुनवाई 2 नवंबर को करेगा। जस्टिस यू यू ललित और अशोक भूषण की पीठ ने माल्या के वकील से अदालत को सूचित करने के लिए कहा कि उन्हें प्रत्यर्पित करने के लिए किस तरह की गुप्त कार्यवाही चल रही है।

मंगल आएगा पृथ्वी के करीब, आज दिखेगा अद्भुत नजारा

नई दिल्ली। अंतरिक्ष में मंगलवार को एक खगोलीय घटना के तहत मंगल ग्रह पृथ्वी के काफी नजदीक आएगा। यह खगोलीय घटना भारतीय समयानुसार शाम सात बजकर 47 मिनट पर होगी। जिसमें मंगल ग्रह पृथ्वी से 6,20,83,116 किलोमीटर की दूरी पर आएगा। प्लेनेटरी सोसाइटी ऑफ इंडिया (पीएसआई) के निदेशक एन रघुनंदन कुमार ने बताया कि यह खगोलीय घटना 26 महीने के बाद होने वाली 'मार्स ऑपोजिशन टू सन% नामक खगोलीय स्थिति के कारण हो रही है। इस विचित्र खगोलीय घटना के तहत मंगल और सूर्य एक दूसरे के विपरीत होंगे। पृथ्वी की दृष्टि से यह तीनों ग्रह एक सीधी रेखा पर आएगें। कुमार ने बताया कि जब भी कोई ग्रह सूर्य के विपरीत आता है, तो वह पृथ्वी के काफी नजदीक आ जाता है। इसलिए मंगल ग्रह पृथ्वी के काफी नजदीक, चमकीला और काफी बड़ा दिखेगा। यह दूरबीन के जरिये देखा जा सकेगा।

भाजपा ने खर्च से खींचा हाथ, बागियों की बढ़ी टेंशन

भोपाल। मध्य प्रदेश में विधानसभा उपचुनाव से पहले बागियों की टेंशन बढ़ गई है। त्रों के मुताबिक पार्टी ने चुनाव में खर्च करने से मना कर दिया है। उसका कहना है कि कांग्रेस छोड़कर भाजपा में आने के समय नेताओं को करोड़ों रुपए थमाए गए थे, अब वे चुनाव का खर्च उसी से पूरा करें। पार्टी के इस फरमान से बागियों की नींद उड़ गई है। अब तक बागी इसी उम्मीद में बैठे थे कि चुनाव के समय पार्टी फंड से उन्हें सहायता मिलेगी, मगर ऐसा होता दिख नहीं रहा है। ले-देकर पूरी जिम्मेदारी अब खुद के मत्थे आ गई है। सिंधिया समर्थक नेता भी आगे कुआं-पीछे खाई वाली स्थिति में हैं। कांग्रेस में जा नहीं सकते और भाजपा छोड़ नहीं सकते। लिहाजा, वे हर फरमान मानने को विवश हैं। भाजपा ने भी इसी का फायदा उठाते हुए पैसा देने से मना कर दिया है। वैसे, देखा जाए तो भाजपा का तर्क गलत भी नहीं है। बगावत के समय कहा गया था कि एक-एक नेता को 30 से 35 करोड़ रुपए दिए गए। हालांकि, अब तक इस आरोप का किसी नेता ने विरोध नहीं किया, लिहाजा मानकर चलना चाहिए कि हर एक के पास करोड़ों की इमदाद पहुंची है। पार्टी को भी लगता है कि जब इतनी बड़ी राशि पहले से दी जा चुकी है, तो अब चुनाव में खर्च के लिए और मदद देने का क्या मतलब। पिछले दिनों पार्टी दफ्तर में हुई कई दौर की बैठक में भी यह मुद्दा उठा था, मगर सिंधिया समर्थकों को दो टूक जवाब दे दिया गया।

एएमयू मेडिकल कालेज के सीएमओ ने किया दावा-11 दिन पुराने सैम्पल से नहीं हो सकती रेप की पुष्टि

लखनऊ। हाथरस में दलित लड़की की मौत के मामले में यूपी पुलिस के एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने दावा किया था कि फ़ॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) रिपोर्ट में लड़की के साथ रेप की पुष्टि नहीं हुई है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी में मेडिकल कॉलेज के चीफ मेडिकल ऑफिसर (सीएमओ) अज़ीम मलिक ने एफएसएल रिपोर्ट को खारिज कर दिया है। मलिक ने दावा किया कि घटना के 11 दिन बाद लिए सैम्पल से यह कंफर्म ही नहीं हो सकता कि रेप हुआ या नहीं।

लोन मोरेटोरियम : सुप्रीम कोर्ट ने सभी पार्टियों को दिया एक हफ्ते का वक्त, कहा- सरकार के एफिडेविट पर तय समय में जवाब दें, अब 13 को सुनवाई

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट ने लोन मोरेटोरियम के मामले में केंद्र सरकार के एफिडेविट का जवाब देने के लिए सभी पार्टियों को एक हफ्ते का समय दिया है। कोर्ट ने कहा है कि रियल एस्टेट एसोसिएशंस और अन्य के मुद्दों पर भी विचार किया जाना चाहिए। आज सुबह सुप्रीम कोर्ट में 10.55 को सुनवाई शुरू हुई। 13 अक्टूबर को अगली सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि फैसलों को लागू करने के लिए सरकार या आरबीआई द्वारा कोई ठोस आदेश या सर्कुलर जारी नहीं किए गए हैं। साथ ही कामथ समिति की रिपोर्ट को रिकॉर्ड में नहीं लाया गया है। कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं का तर्क है कि केंद्र के हलफनामे में कई मुद्दों पर कार्रवाई नहीं की गई है। रियल एस्टेट की संस्था क्रेडाई ने

सुप्रीम कोर्ट को बताया कि सरकार ने एफिडेविट में जो ढेर सारे आंकड़े दिए हैं, वो बिना किसी आधार के दिए हैं। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि केंद्र सरकार और आरबीआई को इस पर निश्चित रूप से ऑर्डर पास करने चाहिए ताकि लोगों को यह पता लगे कि उन्हें क्या लाभ मिल रहा है। कोर्ट ने कहा कि मामला यह नहीं है कि कामथ कमेटी की रिपोर्ट रिकॉर्ड पर रखी जाए, बल्कि इसे लागू करने का मामला है। इंडियन बैंक्स एसोसिएशन (आईबीए) की ओर से वकील हरीश साल्वे ने कहा कि इस मामले में देरी से बैंकों को नुकसान हो रहा है।

निर्वाचकों को प्रभावित कराने के उद्देश्य से नकद राशि के प्रबंध प्रतिबंधित

शिवपुरी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार निर्वाचन की घोषणा से निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक निर्वाचकों को प्रभावित कराने के उद्देश्य से नकद राशि के प्रबंध को प्रतिबंधित किया गया है। इससे संबंधित शिकायत प्राप्त किए जाने हेतु समिति का गठन किया गया है। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी अक्षय कुमार सिंह ने विधानसभा उपनिर्वाचन 2020 में 50 हजार या अधिक राशि का परिवहन प्रतिबंधित किया गया है। प्रतिबंध के दौरान सीमा से अधिक राशि का परिवहन पाए जाने पर स्थैतिक निगरानी दल;एसएसटीद्ध तथा उडनदस्तों ;एफएसटीद्ध द्वारा राशि जप्ती की कार्यवाही की जाएगी।

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार आम जनता तथा सही व्यक्तियों को उक्त से होने वाली असुविधा से बचाने तथा उनकी शिकायतों को निवारण करने हेतु समिति गठित की गई है। उक्त समिति में अध्यक्ष के रूप में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री एचण्पीण्वर्माए सदस्य के रूप में डिप्टी कलेक्टर श्री मनोज गरवाल एवं जिला कोषालय अधिकारी श्रीमती छवि जैन विरमानी को नियुक्त किया गया है। उक्त समिति जप्ती के प्रकरणों का परीक्षण करेगी तथा मानक प्रचालन प्रक्रिया के अनुसार जप्ती के निराकरण के संबंध में उचित बोलता हुआ आदेश ;स्पीकिंग आर्डरद्ध जारी करेगी। यदि राशि 10 लाख से अधिक की होगी तो जप्त नगदी की मुक्ति से पूर्व आयकर विभाग के नोडल अधिकारी को सूचित किया जाएगा।

भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किये जाने वाले प्रस्तावों का परीक्षण करने स्क्रीनिंग कमेटी गठित

विधानसभा उप निर्वाचन.2020 की आचार संहिता प्रभावशील होने से मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किये जाने वाले प्रस्ताव का परीक्षणए अनुशंसा करने के लिये राज्य शासन द्वारा स्क्रीनिंग कमेटी गठित की गई है। इस स्क्रीनिंग कमेटी के अध्यक्ष मुख्य सचिव होंगे। अपर मुख्य सचिवए सामान्य प्रशासन विभाग तथा जिस विभाग का प्रस्ताव प्रस्तुत किया जायेगाए उसके अपर मुख्य सचिवए प्रमुख सचिवए सचिव भी कमेटी के सदस्य होंगे। जारी आदेश के मुताबिक अब कोई भी विभाग विधानसभा उप निर्वाचन के संदर्भ में जारी आचार संहिता के दौरान अपना प्रस्ताव स्क्रीनिंग कमेटी के परीक्षणए अनुशंसा के पूर्व मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के माध्यम से अथवा सीधे भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित नहीं करेगा। स्क्रीनिंग कमेटी के समक्ष प्रस्ताव प्रस्तुत करने के पूर्व प्रशासकीय विभाग भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशोंए स्पष्टीकरण का पर्याप्त अध्ययन और उसके अनुसार परीक्षण करते हुए भारत निर्वाचन आयोग के सुसंगत निर्देशोंए आदेशों का हवाला देते हुए उसे संदर्भित करेगा। प्रशासकीय विभाग को अपने प्रस्ताव में यह औचित्य भी दर्शाना होगा कि प्रस्ताव अत्यंत महत्वपूर्ण क्यों है और निर्वाचन प्रक्रिया पूर्ण होने तक इसे क्यों नहीं रोका जा सकता है। भारत निर्वाचन आयोग को प्रेषित किया जाने वाला प्रस्ताव स्वयं स्पष्ट टीप के रूप में भेजा जायेगा न कि नस्ती के रूप में। प्रस्ताव भेजने के पूर्व भारत निर्वाचन आयोग के निर्णय में लगने वाले संभावित समय का विशेष ध्यान रखना होगा। प्रस्ताव सामान्य प्रशासन विभाग के माध्यम से समिति के समक्ष प्रस्तुत किये जायेंगे। जो प्रस्ताव उक्त मापदण्डों की पूर्ति करते हुए नहीं होंगेए उन्हें लौटा दिया जायेगा।

अधिकारी एवं कर्मचारी के अवकाश एवं मुख्यालय छोड़ना पूर्णतः प्रतिबंधित

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अक्षय कुमार सिंह ने जिले में विधानसभा उपनिर्वाचन 2020 को दृष्टिगत रखते हुए अधिकारी एवं कर्मचारियों के अवकाश एवं मुख्यालय छोड़ने पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया है। उक्त अधिकारी एवं कर्मचारी अतिआवश्यक होने पर चिकित्सा के आधार पर अवकाश हेतु आवेदन पत्र मेडीकल बोर्ड के प्रमाण पत्र सहित जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा। ड्यूटी परिवर्तन पर प्रतिबंध लगाया जाता है। यदि आवश्यक होने पर ड्यूटी परिवर्तन हेतु कार्यालय प्रमुख के माध्यम से जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को प्रस्ताव दिया जाएगा। अवकाश के आवेदन पत्र कार्यालय प्रमुख द्वारा प्रमाणित होना चाहिए कि अवकाश की तिथि अपरिहार्य एवं न्यूनतम आवश्यक की अनुशंसा की जाती हैए जिससे निर्वाचन कार्य प्रभावित न हो। अवकाश अवधि पश्चात संबंधित की वापसी सुनिश्चित की जाए। अवकाश पर मुख्यालय छोडने एवं ड्यूटी परिवर्तन की स्थिति में सही विकल्प कार्यालय प्रमुख द्वारा दिया जाएगा।

अपाक्स संघ ने हाथरस और बलरामपुर उप्र और खरगौन में हुई घटनाओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

शिवपुरी। राष्ट्रीय रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़ों के मुताबिक साल 2019 में भारत में महिलाओं और दलितों के खिलाफ अपराध में सात फीसदी से अधिक वृद्धि हुई ह और इस दौरान बलात्कार के प्रतिदिन कम से कम 87 मामले सामने आए है उत्तरप्रदेश में साल दर साल महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले बढ़ते जा रहे है वर्तमान में उप्र के हाथरस जिले में 14 सितम्बर को हुई घटना को सवर्ण जाति के चार युवकों ने 19 वर्ष की मासूम दलित बालिका के साथ बर्बरतापूर्वक मारपीट कर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया, इससे संपूर्ण राष्ट्र में रोष व्याप्त है और अपाक्स संघ इस घटना की पुरजोर निंदा करता है साथ ही मांग की जाती है कि इस तरह के गंभीर मामलो की जांच सीबीआई से कराई जाए व इन मामलो की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए ताकि दोषियों को जल्द सजा से दण्डित किया जावे। यह मांग की अपाक्स संघ के जिलाध्यक्ष दुबेजी बाथम ने जिन्होंने हाथरस, बलरामपुर और खरगौन में हुई मासूमों के साथ दरिंदगी को लेकर हुई दुष्कर्म की घटनाओं से आहत होकर डिप्टी कलेक्टर शिवांगी अग्रवाल को राष्ट्रपति प्रधानमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपते हुए की। इस दौरान अपाक्स संघ के अन्य पदाधिकारी व सदस्यगण मौजूद रहे जिन्होंने उत्तरप्रदेश के बलराम और हाथरस की घटनाओं की पुरजोर तरीके से निंदा की व दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त सजा दी जाए इसे लेकर राष्ट्रपति को ज्ञापन के माध्यम से गुहार लगाई है ताकि पीड़ित और उनके परिजनो कों न्याय मिल सके व दोषियों को कड़ी सजा मिलने से इस तरह की घटनाओं की पुनः पुनरावृत्ति ना हो सके।

लाखों खर्च होने के बाद भी विकास कार्यों से कोसों दूर है ग्राम पंचायत कबीरखेड़ी

शिवपुरी। जनपद पंचायत की एक पंचायत ऐंसी भी है जहां लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद विकास कार्य दूर दूर तक नजर नहीं आते और आज भी ग्रामीणों को खतरों से खेलकर एक नाले को पार करना पड़ता है यह तस्वीर हैरान करने वाली है जिसमे महिलाएं और छोटे छोटे बच्चे पानी से भरे गहरे नाले को महज बिजली के खम्भे पर चलकर पार कर रहे हैं। यहां पूर्व में एक छोटी बच्ची के साथ हादसा भी हो चुका है और नाला पार करते हुए वह बच्ची पानी में जा गिरी जिसे ग्रामीणों ने बचा लिया था। यह तस्वीरें शिवपुरी विधानसभा क्षेत्र के कबीरखेढी गांव की है। यहां के ग्रामीण रामनाथ यादव ने बताया कि सरपंच सचिव की मनमानी के चलते ग्राम कबीरखेड़ी के इस नाले पर पुलीया निंमाण नहीं करवाया गया और मजबूरन ग्रमीणों को नाले पर डाले गए दो बिजली के खम्भों के सहारे यह नाला पार करना पड़ता है। गांव के रामनाथ यादव का कहना है कि पिछले 15 बर्षों मे कलेक्टर से लेकर विधायक और मंत्रियों तक गुहार लगा चुके हैं पर किसी ने भी सुध नहीं ली जबकि नाले के दुसरी तरफ आठ परिवार निवास करते हैं और कोई अगर बीमार पड़ जाता है तो इस खम्भे के रास्ते से ही गुजरना पड़ता है साथ ही स्कूल जाने वाले बच्चे भी इसी खम्भे से गुजरते हैं यहां तक की सभी महिलाएं बच्चीयां भी इसी रास्ते से पानी भरकर लाती हैं। यहां प्रदेश सरकार विकास के चाहे जितने दाबे करे पर हकीकत तो सामने आ ही जाती है कबीरखेढी के इस गांव की हालत को देखते हुए यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि लाखों करोड़ों रुपये खर्च तो हुये हें पर विकास केवल फाईलों मे बंद है।

इनका कहना है-

ग्राम कबीरखेड़ी में केवल एक परिवार ही वहां निवास करता है फिर भी हम मामले को दिखवा लेते है यदि आवश्यक हुआ तो उचित कार्यवाही की जावेगी।

गगन वाजपेयी
सीईओ जनपद पंचायत, शिवपुरी

चोरी के 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

शिवपुरी। बीती 26.09.20 को फरियादी लखन पुत्र कल्याण शाक्य निवासी छरैंटा ने थाना तेंदुआ में रिपोर्ट की कि वह अपने गाँव से बाबयीपुरा जा रहा था रास्ते में मोटर साइकल खड़ी कर झाड़ी की ओट में पेशाब करने लगा तभी मोटर साइकल से दो व्यक्ति आये जिन्होंने मोटर साइकल खड़ी की और फरियदि की मोटर साइकल हीरो स्प्लेण्डर एवं चार्ज में लगा मोबाइल चुराकर ले गए रिपोर्ट पर थाना तेन्दुआ में अपराध क्र 147/20 धारा 379 ताहि कायम कर अज्ञात आरोपियों की शीघ्र पतारसी एवं गिरफ्तार करने के निर्देश वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा दिये गए। थाना प्रभारी तेन्दुआ द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में कार्यवाही करते हुए आज अज्ञात आरोपीगणों की पतारसी कर आरोपी नीरज उर्फछोटू पुत्र प्रेम धाकड़ निवासी पिपरसमा थाना देहात शिवपुरी, ऊदल उर्फ संदीप पुत्र लखन लाल रावत उम्र 19 साल निवासी टोंगरा थाना सिरसोद को गिरफ्तार कर चोरी गयी मोटर साइकल एवं मोबाइल तथा घटना में प्रयुक्त की गयी मोटर साइकल बरामद की गयी है। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी तेंदुआ के एन शर्मा, सउनि जगदीश भिलाला, आरक्षक बलवंत, भग्गू भिलाला एवं फजरू रहमान की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलयुगी पुत्र से तंग आकर बड़े पुत्र से माता-पिता ने तोड़े सारे संबंध

शिवपुरी। एक पिता जो अपने पुत्र को भलीभांति पाल-पोसकर उसका भविष्य संवारता है लेकिन वृद्धावस्था के समय जब पुत्र को पिता की देखभाल करने का समय मिलता है तो वह अपने दायित्व से भाग जाता है और इन हालातों में पिता के पास अपने पुत्र से दूर रहने के अलावा कोई और रास्ता नहीं होता। यही कारण है कि जिले के पिछोर तहसील के ग्राम खोड़ में एक पिता ने अपने ही पुत्र से संबंध विच्छेद करते हुए सारे संबंध तोड़ लिए और मामले में पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

अपने पीड़ा बताते हुए पिता दयाराम लोधी निवासी ग्राम खोड़ मल्हावनी ने बताया कि उसका पुत्र रामकुमार लोधी निवासी खोड हाल निवास मल्हावनी आए दिन अपने ही माता-पिता को किसी ना किसी कारण से मारता पीटता रहता था और माता-पिता के जीते जी उनकी संपूर्ण चल अचल संपत्ति पर अपना नाम चड़वाना चाहता था जबकि फरियादी पिता दयाराम का छोटा पुत्र रामनिवास पुत्र दयाराम हमेशा माता पिता के साथ रहकर हर काम में उनकी मदद करता है। जिसके चलते उन्हें डर है क्योंकि रामकुमार लोधी आपराधिक प्रवृत्ति का व्यक्ति है जो और दिन झगड़ा फसाद करता रहता है और किसी दिन किसी बड़ी वारदात को अंजाम दे सकता है जिससे तंग आकर पिता दयाराम लोधी पुत्र नंदलाल लोधी निवासी ग्राम खोड एवं उसकी पत्नि कस्तूरी दयाराम ने अपने बड़े पुत्र रामकुमार के हिस्से की संपूर्ण चल अचल संपत्ति से उसको हमेशा के लिए संबंध विच्छेद कर लिए हैं और एक शपथ पत्र के माध्यम से अवगत करवा दिया है जिसमें साफ उल्लेख किया गया है कि अब से हमारा हमारे पुत्र रामकुमार लोधी के साथ किसी भी प्रकार का कोई भी संबंध नहीं रहेगा एवं हमने उसके हिस्से की भूमि भी उसको दे दी है तथा हमसे अब उसको कुछ भी लेना शेष नहीं है। इस मामले में पुत्र के द्वारा माता-पिता से की जाने वाली मारपीट को लेकर वह भयभीत है और पुलिस से न्याय व सुरक्षा की गुहार लगाई है।

अवैध देशी शराब के साथ 2 आरोपियों को दबोचा, बाईक भी की जब्त

शिवपुरी। थाना प्रभारी दिनारा उनि रिपुदमन राजावत को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि झांसी शिवपुरी हाईवे रोड आरटीओ बैरियर तरफ मोटर साईकल क्रमांक यूपी 93 वीएच 0580 पर एक व्यक्ति अवैध शराब बेचने के लिए ला रहा हैं। सूचना पर से थाना प्रभारी दिनारा द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में त्वरित कार्यवाही करते हुए पुलिस टीम को मुखबिर के बताये स्थान अनुसार चैकिंग हेतु रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा चैकिंग के दौरान अपाचे मोटर साईकल क्रमांक यूपी 93 वीएच 0580 आते दिखी जिसे रोककर चैक किया गया तो आरोपी चालक सुरेश पुत्र विजय कंजर उम्र 25 साल निवासी ईटाईल तहसील मऊरानीपुर थाना लैचूरा जिला झांसी ने भागने की कोशिश की परंतु पुलिस टीम द्वारा घेराबंदी कर आरोपी को दबोचकर उसके कब्जे से एक 315 बोर का देशी कट्टा मय दो जिंदा राउण्ड तथा 100 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब कीमत 10000 रुपये एवं अपाचे मोटर साईकल कीमत 80000 रुपये की विधिवत जप्त कर आरोपी के विरुद्ध आबकारी एक्ट की धारा 34(2)एवं आर्म्स एक्ट के तहत पृथक.पृथक अपराध पंजीबद्ध किये गये। इसीक्रम में थाना भौंती द्वारा आरोपी राजू पुत्र देवीलाल लोधी उम्र 32 साल ग्राम ऊमरीकलां के घर से 60 लीटर हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब कीमती 6000 रुपये की विधिवत जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

भदैयाकुण्ड का कैफेटेरिया बिना अनुमति के हो रहा संचालित, नेशनल पार्क से नहीं ली अनुमति

पर्यावरणविद एड.अभय जैन ने आरटीआई में मिली जानकारी से किया खुलासा

शिवपुरी। शहर के पर्यावरणविद एवं वकील अभय जैन ने लिया संज्ञान कि शिवपुरी शहर के प्रमुख पर्यटन स्थल भदैया कुंड का निचला हिस्सा नेशनल पार्क के क्षेत्र में आता है। इस भूमि पर जिला पर्यटन संवर्धन परिषद द्वारा लेक व्यू कैफेटेरिया का निर्माण कार्य बिना नेशनल पार्क की अनुमति की किया गया है व उसका संचालन की टेंडर प्रक्रिया के माध्यम से कराया जाने लगा यही नहीं वहां पर चिल्ड्रंस जॉन बड़े कुंड में वोटिंग आदि हेतु निविदाएं आमंत्रित की गई थी।

आरटीआई लगाने पर यह ज्ञात हुआ है कि यह भूमि नक्शा अनुसार माधव राष्ट्रीय उद्यान के अधीन है। इस संबंध में वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण माधव राष्ट्रीय उद्यान द्वारा दिनांक 02/04/2019 कोनोडल अधिकारी, जिला पर्यटन संवर्धन परिषद को लिखे गए पत्र में स्पष्ट रूप से वर्णित है कि भदैया कुंड शिवपुरी पर जिला पर्यटन विभाग द्वारा अनुज्ञा पत्र के रूप में शुल्क वसूला जा रहा है,चूंकि यह क्षेत्र माधव राष्ट्रीय उद्यान के अंतर्गत आता है, आप आज दिनांक तक वसूली गई पूर्ण राशि माधव राष्ट्रीय उद्यान शिवपुरी के शासकीय खाते में जमा करावे व आगे जमा होने वाली राशि भी प्रतिमाह की दस तारीख तक जमा कराया जाना सुनिश्चित करें। आरटीआई आवेदन से प्राप्त जानकारी के अनुसार भदैया कुंड पर कैफिटेरिया संचालन हेतु माधव

राष्ट्रीय उद्यान में किसी भी प्रकार की अनुमति या अनुज्ञा पत्र जारी नहीं किया है। किसी भी राष्ट्रीय उद्यान और अभयारण्य में पर्यटक गतिविधियों की अनुमति धारा 28, वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन द्वारा ही दी जा सकती है। डीटीपीसी द्वारा भदैया कुंड पर दिया गया ठेका अवैधानिक है एवं वन्य जीव संरक्षण अधिनियम की विभिन्न धाराओं का उल्लंघन करता है । इस संबंध में समय.समय पर वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण द्वारा नोडल अधिकारी डीटीपीसी एवं नगरपालिका को समय.समय पर पत्र लिखे गए हैं।

अभय जैन एडवोकेट द्वारा भदैया कुंड पर संचालित कैफ्टेरिया एवं अन्य गतिविधियों के संचालन को वापस माधव राष्ट्रीय उद्यान के अधीन लाने के लिए प्रमुख सचिव वन विभागए चीफ वाइल्डलाइफ वार्डनए संचालक माधव राष्ट्रीय उद्यान एवं नोडल अधिकारी डीटीपीसी को विधिक सूचना पत्र जारी किया गया है।

इनका कहना है-

पर्यटन स्थल भदैया कुंड पर बनाये गए कैफेटेरिया की भूमि राजस्व की है जिसपर सर्व सहमति से निर्माण कराया गया है जो भी पत्र माधव नेशनल पार्क के द्वारा जारी किए गए है उनके जबाव जल्द ही दिए जायेगे व उन्हें सार्वजनिक किया जाएगा।

अरविंद वाजपेयी
एसडीएम शिवपुरी

नेशनल पार्क की जमीन में कैफेटेरिया का निर्माण किया गया है जिसकी किसी भी प्रकार की कोई भी परमिशन सिटीडीसी द्वारा नहीं ली गई व साथ ही टेंडर प्रक्रिया की जो भी राशि अर्जित की गई थी वह भी अभी तक नेशनल पार्क के खाते में जमा नहीं कराई गई है जिसके बारे में डिटीपीसी को पत्र लिखा गया है

वायपी सिंह
सीसीएफशिवपुरी

वाल्मीकि समाज ने हाथरस की घटना को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

शिवपुरी। बाल्मीकि समाज संगठन ने हाथरस उत्तरप्रदेश में वाल्मीकि समाज की बालिका के साथ हुई दर्दनाक घटना को लेकर रोष प्रकट करते हुए आज विरोध प्रदर्शन किया और वाल्मीकि समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमलकिशोर कोड़े के निर्देशन में सैकड़ों युवाओं ने आज कलेक्ट्रेट पहुंचकर जमकर उत्तरप्रदेश सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और पीड़ित को न्याय की गुहार लगाई। इस दौरान चूड़ियां भी ज्ञापन के साथ एसडीएम को भेंट की कि वह उत्तरप्रदेश सरकार को दें जो प्रदेश की बेटियों को सुरक्षा प्रदान करने में असमर्थ है। इस प्रदर्शन के तहत वाल्मीकि समाज संगठन के लोगों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर हाथरस मे हुई बाल्मीकि समाज की बेटी की रेप और हत्या को लेकर महामहीम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन एसडीएम को सोंपा। इस दौरान बाल्मीकि समाज संगठन ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पहनाने के लिए चूडियां भी भेंट की गई। बाल्मीकि समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष कमल कोडे का कहना है कि जो उत्तर प्रदेश की पुलिस और प्रशासन के द्वारा आरोपियों को बचाने का कार्य किया जा रहा है वह निंदनीय है साथ ही पीडित परिवार को धमकियां दी जा रही है उन धमकियों से बाल्मीकि समाज डरनेवाला नहीं है।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं अजय चौरसिया पुत्र श्री हरीशंकर चौरसिया सर्वसाधारण को सूचित करता हूँ कि मेरा पूर्व का नाम अजय चन्द चौरसिया था जो मेरी बीमा पॉलिसी क्रमांक 202487838 एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरा पूर्व का नाम अजय चन्द चौरसिया लिखा गया है जो कि गलत है जबकि मेरे शासकीय/अर्द्धशासकीय प्रपत्र जैसे पेन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर कार्ड आदि में मेरा नाम अजय चौरसिया अंकित है एवं भविष्य में भी मैं अजय चौरसिया के नाम से जाना, पहचाना एवं पुकारा जाऊंगा एवं हस्ताक्षर करता रहूंगा। अजय चन्द चौरसिया एवं अजय चौरसिया मेरे ही नाम हैं। अतः मेरी बीमा पॉलिसी क्रमांक 202487838 एवं शैक्षणिक प्रमाण पत्र में मेरा सही नाम अजय चौरसिया पुत्र श्री हरीशंकर चौरसिया लिखा एवं पढ़ा जाये। आमजन एवं सर्वजन सूचित हों।

पुराना नाम- अजय चन्द चौरसिया
नया नाम
अजय चौरसिया
पुत्र श्री हरीशंकर चौरसिया
पता- चौरसिया कॉलोनी, नादरिया की माता के पास, गुडा, कम्पू, ग्वालियर (म.प्र.)

अवैध हथियारों के साथ 4 आरोपियों को दबोचकर अवैथ हथियार किए बरामद

शिवपुरी। पुलिस अधीक्षक राजेश सिंह चंदेल एवं अति.पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार भूरिया के मार्गदर्शन में थाना दिनारा, सुभाषपुरा, बैराड़, करैरा द्वारा अवैध हथियार लेकर घूमने वाले 4 व्यक्तियों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए सोमवार को 315 बोर के चार देशी कट्टे एवं 12 बोर का एक देशी कट्टा तथा 6 जिंदा राउण्ड जप्त कर सभी आरोपियों के विरुध्द आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किये गये।

थाना प्रभारी दिनारा उनि रिपुदमन सिंह राजावत को मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि पिछोर तिराहा दिनारा पर एक व्यक्ति अवैध हथियार लिए कोई बारदात करने की नियत से घूम रहा हैं। उक्त सूचना पर से थाना प्रभारी दिनारा द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में पुलिस को मुखबिर सूचना पर रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा पिछोर तिराहा दिनारा से दविश देकर आरोपी छोटू उर्फ रामकिशन गुप्ता पुत्र श्रीनिवास गुप्ता उम्र 22 साल निवासी पेट्रोल पम्प के पास करैरा को विधिवत गिरफ्तार कर एक 315 बोर का देशी कट्टा मय दो जिंदा राउण्ड के बरामद कर आरोपी के विरुध्द आर्म्स एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया। इसी क्रम में थाना सुभाषपुरा द्वारा ग्राम गुरावल एबी रोड प्रतीक्षालय से आरोपी मेहरवान पुत्र राम सिंह मोगिया (शिकारी) उम्र 45 साल निवासी जागती (गढी बरोद पंचायत) थाना सुरवाया को एक 12 बोर का देशी कट्टा मय एक जिंदा राउण्ड के साथ गिरफ्तार किया गया। थाना करैरा द्वारा फिल्टर रोड करैरा से आरोपी धर्मेन्द पुत्र धनीराम कुशवाहा उम्र 19 साल निवासी बामोर डामरोन थाना भौंती को एक 315 बोर का लोडेड देशी कट्टा मय एक जिंदा राउण्ड के साथ गिरफ्तार किया गया। थाना बैराड द्वारा ग्राम भदेरा से आरोपी धर्मबीर पुत्र प्रेमी बाथम उम्र 30 साल निवासी भदेरा को एक 315 बोर का देशी कट्टा मय दो जिंदा राउण्ड के साथ गिरफ्तार किया गया।

भाजयुमो नगर मंडल अध्यक्ष के रूप में गिर्राज शर्मा के सफलतम तीन वर्ष पूरे

गौशाला पहुंचकर गायों को चारा खिलाकर की सेवा

शिवपुरी। भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर मंडल अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी के साथ अपने राजनीतिक कैरियर की शुरूआत करने वाले सहजए सरलए मधुरभाषी युवा नेता गिर्राज शर्मा ने नगर मंडल की युवाओं की टीम के सहयोग से वरिष्ठ नेतृत्व के मार्गदर्शन में अपने कार्यकाल के सफलतम तीन वर्ष पूरे कर लिए हैं। सोमवार सुबह नगर मंडल अध्यक्ष के कार्यकाल के तीन वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में गिर्राज शर्मा गौशाला पहुंचेए जहां स्वयं अपने हाथों से गायों को चारा खिलाकर गौसेवा का लाभ प्राप्त किया। इस मौके पर गिर्राज शर्मा ने युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान का माला पहनाकर स्वागत करते हुए उन्हें अपनी टीम में नगर मंडल अध्यक्ष के रूप में जिम्मेदारी देने का भी आभार व्यक्त किया। वहीं नगर मंडल की युवाओं की टीम ने भी अपने अध्यक्ष का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत करते हुए कहा कि वह भाग्यशाली हैं कि उन्हें व्यवहार कुशलए सहजए सरल व्यक्तित्व के धनी गिर्राज शर्मा जैसे अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का मौका मिला जिनसे सदा एक बड़े भाई की तरह उन्हें मार्गदर्शन मिला। इस मौके पर भाजयुमो जिला अध्यक्ष मुकेश सिंह चौहान, नगर मंडल अध्यक्ष गिर्राज शर्मा, युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दीपक राठौर, राजा यादव, हिमांशु अग्रवाल, सूरज मिश्रा, मिट्ठू जाटव, शिवम ओझा, अनिल राठौर, आदित्य शर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जिम्मेदारी के लिए वरिष्ठ नेतृत्व का माना आभार- इस मौके पर गिर्राज शर्मा ने पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष, वर्तमान जिलाध्यक्ष, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष सहित वरिष्ठ नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं सभी का ऋणी हूं कि मुझे नगर मंडल अध्यक्ष की जिम्मेदारी योग्य समझा। इस जिम्मेदारी को मैं आज बखूबी से निभा पाया हूं तो इसका श्रेय नगर मंडल के छोटे भाईयों को जाता है जिन्होंने हर समय कंधे से कंधे मिलाकर पार्टी की गाइड लाइन के हिसाब से कार्य करने में सहयोग किया।

संगठन का सच्चा कार्यकर्ता बनने के दिखाई लगन और मेहनत- यहां बता दें कि भाजपा द्वारा समय.समय पर चलाए जाने वाले अभियानों में गिर्राज शर्मा द्वारा बढ़.चढ़कर हिस्सेदारी ली और संगठन द्वारा दिए जाने वाले दायित्वों का पूरी ईमानदारी से निर्वहन किया। तमाम कार्यक्रमों में संगठन का सच्चा सिपाही बनने की लगन और मेहनत गिर्राज शर्मा की दिखाई दी। उन्होंने नगर मंडल के बैनर तले पार्टी गाइडलाइन के हिसाब से दर्जनों कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया।

पीठासीन अधिकारियों का प्रशिक्षण सम्पन्न

शिवपुरी। विधानसभा क्षेत्र 23 करैरा एवं 24 पोहरी के विधानसभा उपनिर्वाचन 2020 हेतु मतदान दलोंए मतगणना दलोंए ईव्हीएमए व्हीण्व्हीण्पैट कमिशनिंग आदि अन्य निर्वाचन कार्यों के लिए आज पीठासीन अधिकारीए पी.1ए पी.2 एवं पी.3 का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय शिवपुरी में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण में डिप्टी कलेक्टर श्री अंकुर गुप्ताए महिला एवं बाल विकास के जिला कार्यक्रम अधिकारी श्री देवेन्द्र सुन्द्रियाल सहित पीठासीन अधिकारी उपस्थित थे। मास्टर ट्रेनर्स प्रोण्एण्पीण्गुप्ता एवं प्रो एस एस खण्डेलवाल एवं प्रशिक्षण टीम के सदस्यों द्वारा प्रशिक्षण प्रदाय किया। डिप्टी कलेक्टर श्री अंकुर गुप्ता ने प्रशिक्षण में उपस्थित पीठासीन अधिकारियों को मतदाताओं को पोलिंग बूथ में प्रवेश किए जाने के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कोविड.19 को ध्यान में रखते हुए संपूर्ण मतदान प्रक्रिया का संचालन कैसे किया जाए। कोविड.19 के जारी दिशा.निर्देशों का पालन कराते हुए मतदाताओं से उनके मताधिकार का प्रयोग कैसे कराया जाए इसके संबंध में भी बताया गया।

भाजपा विकास की पर्याय व कांग्रेस विनाश कीः नरेन्द्र सिंह तोमर

मुख्यमंत्री शिवराज के विकास के काम को आगे बढ़ाना हैः विवेक शेजवलकर

विशेष संवाददाता

ग्वालियर। आजादी के बाद से देश में ज्यादातर समय कांग्रेस की सरकारें रहीं, लेकिन इन सरकारों ने विकास नहीं किया। इन सरकारों द्वारा लिये गए निर्णयों के विनाशकारी परिणाम आज भी देश को झेलना पड़ रहे हैं। दूसरी तरफ केंद्र और राज्य में जब-जब भी भाजपा की सरकारें रही हैं, इन सरकारों ने इतना विकास किया है कि भाजपा विकास का पर्याय बन गई है। अपनी नकारात्मक राजनीति के चलते कांग्रेस आज पूरे देश में अप्रासांगिक होती जा रही है और जैसे ही पार्टी उपचुनाव में सभी सीटों पर जीत हासिल करेगी, प्रदेश से कांग्रेस की विदाई तय हो जाएगी। यह बात केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं कृषि मंत्री नरेंद्रसिंह तोमर ने सोमवार को शहर के मोदी हाउस में ग्वालियर विधानसभा क्षेत्र के चुनाव कार्यालय के शुभारंभ पर कही। सांसद विवेक नारायण शेजवलकर एवं ग्वालियर पूर्व से पार्टी के प्रत्याशी मुन्नालाल गोयल ने भी संबोधित किया। मंच पर केबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सकलेचा, पूर्व मंत्री माया सिंह, प्रदेश

मीडिया प्रभारी लोकेन्द्र पाराशर, पूर्व साडा अध्यक्ष जय सिंह कुशवाह, राकेश जादौन, पूर्व विधायक रामवरन सिंह गुर्जर, वेद प्रकाश शर्मा, किशन मुदगल आदि उपस्थित थे।

स्वागत भाषण जिला अध्यक्ष कमल माखीजानी, संचालन डॉ. हरिमोहन पुरोहित एवं कार्यक्रम का आभार संयोजक राकेश गुप्ता ने किया। केन्द्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि भाजपा हमेशा से विकास का पर्याय रही है। प्रदेश में 15 वर्ष तक भाजपा की सरकार रही है। केंद्र में भी पहले अटलजी की सरकार रही और अब मोदी की सरकार है। यह विडंबना है कि देश में ज्यादातर समय कांग्रेस की सरकारें रही, लेकिन देश की जनता ने अगर विकास देखा है, तो वह भाजपा की सरकारों के दौर में ही देखा है। कांग्रेस तो विनाश का ही पर्याय रही है और अब पूरे देश में कांग्रेस अप्रांसगिक हो चुकी है। मध्यप्रदेश में कांग्रेस नेतृत्व घर नहीं संभाल पा रहा है। केन्द्र का नेतृत्व भी बौना साबित हो रहा है और पार्टी पर उसका नियंत्रण नहीं है। जो नेतृत्व पार्टी को नहीं संभाल पा रहा, वह देश कैसे संभालेगा। श्री तोमर ने कहा कि सोनिया जी कांग्रेस की नेता जरूर हो सकती हैं, लेकिन उनको भी जमीनी अनुभव नहीं है। उनके बेटे का हाल तो सभी को मालूम है।

भाजपा के लिए शुभ है चुनाव कार्यालय- केंद्रीय मंत्री तोमर ने कहा कि आज पार्टी के जिस चुनाव कार्यालय का शुभारंभ हुआ है, वहां से कार्यकर्ताओं और नेताओं को उपचुनाव में मार्गदर्शन मिलेगा। यहां जो रणनीति बनेगी, वह पूरे विधानसभा क्षेत्र में जाएगी। तोमर ने कहा कि यह कार्यालय भाजपा के लिए बहुत शुभ रहा है, क्योंकि 2014 और 2019 के लोकसभा चुनाव में भी इसी कार्यालय से चुनाव की रणनीति बनी और विजयश्री मिली। इस बार गोयल प्रत्याशी हैं और सभी लोग उनके व्यक्तित्व, लगन और जुझारुपन से परिचित हैं। तोमर ने आशा जताई कि सभी लोग 3 नवंबर को होने वाले चुनाव में गोयल को जिताने में सफल होंगे और 10 नवंबर को आने वाले चुनाव परिणाम में पार्टी सभी 28 सीटें जीतेगी।

काम में जुट जाएं, घर-घर संपर्क करें कार्यकताः विवेक शेजवलकर- सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने कहा कि सभी कार्यकर्ता काम में जुट जाएं और अपने-अपने क्षेत्रों के वार्ड में कम से कम तीन घंटे घर-घर जाकर लोगों से संपर्क करें। यह जीवंत संपर्क आने वाले चुनाव में भाजपा को जिताने में सफल होगा। शेजवलकर ने कहा कि चुनाव जीतकर हम सभी लोग शिवराज सिंह चौहान की सरकार विकास के जो काम कर रही हैं, उन्हें आगे बढ़ाने में सफल होंगे।

कांग्रेस और कमलनाथ ने की जनादेश की हत्याः मुन्नालाल गोयल- मुन्नालाल गोयल ने कहा कि कांग्रेस कहती है कि जनादेश की हत्या हुई है। लेकिन जनादेश की हत्या तो कांग्रेस पार्टी और उसके तत्कालीन मुख्यमंत्री कमलनाथ ने ही की है। इन्होंने अपने वचन पत्र का पालन नहीं किया। जिस वचन पत्र पर विश्वास करके युवाओं, गरीबों और किसानों ने कांग्रेस को वोट दिया, कांग्रेस ने उन्हें ही धोखा दे दिया। युवाओं को बेरोजगारी भत्ता नहीं दिया, गरीबों को मकान नहीं और किसानों का दो लाख तक का कर्जा माफ नहीं किया। मैं अपने क्षेत्र के विकास के लिए वल्लभ भवन तक चक्कर लगाता रहा, लेकिन समस्याएं खत्म नहीं हुई। सरकार की वादाखिलाफी और उपेक्षा के कारण ही मेरे साथ 22 विधायकों ने इस्तीफे दे दिया। गोयल ने कहा कि भाजपा ने सरकार बनते ही मेरे क्षेत्र के विकास कार्यों को आगे बढ़ाया। कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष देवेश शर्मा, पारस जैन, शरद गौतम, श्रीमती सुमन शर्मा, विजय सक्सैना, रामप्रकाश परमार, जयन्त शर्मा, राजू सेठ, बृजेन्द्र सिंह जादौन, रामेश्वर भदौरिया, राकेश खुरासिया, अशोक जादौन, सुशील वर्मा सहित भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

सोमवार को निकले कोरोना के नये 70 मरीज, दो की मौत

विशेष संवाददाता

ग्वालियर। आज सोमवार को कोरोना मरीजों की संख्या कल से भी ज्यादा हो गई है। कई दिनों से कोरोना के नये मरीजों की संख्या सैकड़ा से नीचे ही आ रही है। आज 70 नये मरीज निकल आये। जबकि दो कोरोना मरीजों की मौत हो गई। आज नये 70 कोरोना पॉजेटिव मरीज निकले हैं, जिनका उपचार किया जा रहा है।

आज सोमवार को 70 नये कोरोना पॉजेटिव मरीज निकले हैं। यह मरीज भी रात को 8 बजे तक के सेम्पलों की जांच के बाद निकले हैं। देर रात को नये कोरोना पॉजेटिव मरीजों की संख्या बढ़ सकती है। दो मरीजों की आज मौत हो गई। मृतक का नाम विष्णु नामदेव निवासी श्यौपुर व एक अन्य मरीज निवासी ग्वालियर बताये गये हैं। इन नये 70 मरीजों का उपचार अस्पताल में किया जा रहा है। इसके साथ कोरोना से अब तक मरने वाले मरीजों की संख्या 140 हो गई है। आज इन क्षेत्रों में निकले कोरोना के नये मरीज दर्पण कॉलोनी, सीपी कॉलोनी, गुड़ा चक्की, तानसेन रोड, गांधी नगर, आदित्यपुरम, जेएएच केम्पस, बीएसएफ टेकनपुर, थाटीपुर, डीबी सिटी, सिटी सेंटर, पड़ाव रेलवे क्रॉसिंग, कंपू, 13 बटालियन, बड़ेरा, नया गंज फोर्ट रोड, होटल एंबीयंस, न्यू अशोक नगर कॉलोनी, कुंज विहार, खेरिया मुरार,नाका चन्द्रवदनी, शिन्दे की छावनी, जैन मंदिर के पास, कदम साहब का बाड़ा, जवाहर कॉलोनी, शिव कॉलोनी, घासमंडी, बाबन पायगा, लक्ष्मण तलैया, सैनिक कॉलोनी, डबका, बिरला नगर, सिकंदर कंपू, कक्का विहार कॉलोनी, शारदा विहार, शहीद गेट मुरार,घाटीगांव आदि क्षेत्र के रहने वाले बताये गये हैं।

युवक की मारपीट करने वाला एसआई लाईन अटैच

विशेष संवाददाता

ग्वालियर। शिन्दे की छावनी में एक बाइक सवार की बेरहमी से मारपीट करने वाले एक एसआई को पुलिस अधीक्षक ने लाईन अटैच कर दिया है। बताया गया है कि शिन्दे की छावनी पर एसआई ने एक बाइक सवाार की न केवल मारपीट कर दी थी बल्कि उसे मां-बहन की गालियां भी दी थीं। बताया गया है कि ट्रेफिक पुलिस के एसआई यूएस राजौरिया अपने साथ के यातायात विभाग के अन्य कर्मचारियों के साथ चेंकिंग के लिये खड़े थे तभी एक बाइक पर सवार एक युवक वहां से निकला तो एसआई यूएस राजौरिया ने उसे न केवल पकड़ लिया बल्कि उसकी बेरहमी से मारपीट कर दी और मां-बहन की गंदी गालियां भी दीं। किसी ने इसका वीडियो भी बना लिया और सोशल मीडिया पर इस वीडियो को डाल दिया। इस वीडियो को संज्ञान में लेकर पुलिस अधीक्षक अमित सांघी ने इस एसआई राजौरिया को लाईन अटेच करने के आदेश दिये हैं। बताया गया है कि शिन्दे की छावनी पर यह एसआई प्रायवेट लोगों की मदद से अवैध वसूली करता है और पैसा न देने पर बेरहमी से मारपीट कर देता है। कई लोग तो इसके डर के कारण शिन्दे की छावनी से न जाकर फालका बाजार से निकलने लगे हैं। वैसे भी अगर कोई व्यक्ति कोई नियम का पालन नहीं करता है तो उसका चालान किया जाये या कोर्ट में पेश कर उसे सजा दिलाई जाये न कि उसकी मारपीट कर मां-बहन की गालियां दी जायें।

पांच अपराधी जिलाबदर

ग्वालियर। जिला दण्डाधिकारी कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने 5 लोगों को मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम 1990 के अंतर्गत जिला बदर करने के आदेश जारी किए हैं। पुलिस अधीक्षक ग्वालियर से प्राप्त प्रतिवेदन के आधार पर लोक शांति एवं जन सुरक्षा को देखते हुए जिला बदर करने के आदेश जारी किए गए हैं। जिला दण्डाधिकारी कौशलेन्द्र विक्रम सिंह ने जिन अपराधियों के विरूद्ध जिला बदर के आदेश पारित किए हैं उनमें नितिन शर्मा पुत्र मुन्नालाल शर्मा निवासी नदीपार टाल मुरार, पुष्पेन्द्र उर्फ पिस्सू पुत्र गोपेन्द्र सिंह भदौरिया निवासी काशी नरेश की गली, संजय पुत्र रामस्वरूप लोधी निवासी गल्ला कोठार, ऋषभ सिंह भदौरिया पुत्र कृष्ण कुमार भदौरिया निवासी भदौरिया मार्केट दर्पण कॉलोनी ठाठीपुर एवं मुरादी खां पुत्र गंगे खां निवासी चक रायपुर थाना महाराजपुरा जिला ग्वालियर शामिल हैं। इसके अतिरिक्त कल्लो उर्फ राघवेन्द्र रावत पुत्र जसवंत रावत निवासी ग्राम बसई थाना भितरवार जिला ग्वालियर को 7 दिन के अंदर थाना भितरवार में 50 हजार रूपए का बंध पत्र प्रस्तुत करने के आदेश दिए गए हैं।

तीन हजार का इनामी दबोचा

ग्वालियर। देहात की पनिहार थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर 3 हजार के इनामी हत्या के प्रयास के आरोपी को गिरफ्तार किया है! जानकारी के अनुसार पनिहार थाने को सूचना मिली कि हत्या के प्रयास का फरार आरोपी शीतला माता मंदिर की ओर जा रहा है! सूचना मिलते ही पुलिस ने बताए गए स्थान पर दबिश देकर मौके से पंचम सिंह गुर्जर को दबोच लिया! आरोपी पर पुलिस ने 3000 का इनाम घोषित किया था! पुलिस ने पकड़े गए आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है!

किशोरी लापता, अपहरण का मामला दर्ज

ग्वालियर। घर से सहेली से मिलने के लिए निकली एक किशोरी अचानक लापता हो गई पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है! जानकारी के अनुसार महाराजपुरा थाना क्षेत्र के रसूलपुर निवासी एक किशोरी बीते रोज अपनी सहेली से मिलने के लिए घर से निकली थी उसके बाद वह घर वापस लौट कर नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश की जब कोई सुराग नहीं मिला तो पुलिस को सूचना दी पुलिस ने जांच के बाद अपहरण का मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है!

बेकाबू ट्रक डिवाइडर से टकराकर पलटा चालक की मौत

ग्वालियर। जिले के पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में स्थित निरावली के पास एक ट्रक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकराकर पलट गया इस हादसे में ट्रक चालक की मौत हो गई पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है! जानकारी के अनुसार ग्वालियर जिले के चीन और इलाके में रहने वाला भगत सिंह जाटव ट्रक चालक था वह ट्रक में मथुरा से निवाड़ लेकर ग्वालियर की ओर आ रहा था तभी पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में निरावली के पास उसका ट्रक अनियंत्रित होकर सड़क पर बने डिवाइडर से टकराकर पलट गया इस हादसे में ट्रक चालक भगत सिंह 36 वर्ष की मौत हो गई! घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतक के शव को पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर जांच शुरू कर भी है!

तमंचेधारी बदमाश पकड़े

ग्वालियर। शहर की बहोडापुर और सिरोल थाना पुलिस ने तमंचे धारी दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है पुलिस ने आरोपियों से पूछताछ शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार बहोड़ापुर थाना पुलिस को सूचना मिली कि रामा जी की पुलिया के पास एक युवक वारदात की नियत से घूम रहा है सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और युवक को दबोच लिया तलाशी लेने पर युवक के पास तमंचा मिला पकड़े गए युवक का नाम सलीम शाह बताया गया है पुलिस ने आरोपी से पूछताछ शुरू कर दी है! वही शिरोल थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गब्बर सिंह निवासी हरदौल गार्डन को तमंचे सहित पकड़ा है पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर पूछताछ शुरू कर दी है।

नया कृषि कानून किसानों के हित में: शेजवलकर

ग्वालियर। ग्वालियर सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने आज कृषि क्षेत्र में सुधार और किसानों की आय दुगना करने के उद्देश्य से पारित हुये कृषि विधेयक को लेकर ग्वालियर ग्रामीण विधानसभा के अंतर्गत आने वाले गांवों ओडपुरा, महाराजपुरा, सोजना-विठौली, तालपुरा, कुलैथ, जगनापुरा के किसानों से मुलाकात की और उन्हें इस विधेयक से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोकसभा और राज्यसभा में किसानों के हित में कृषि विधेयकों को पारित किया गया लेकिन विपक्ष अपनी ओछी राजनीति के चलते किसानों को भडकाने का कार्य कर रहा है। लेकिन आज यहां पर उपस्थित किसानों ने जिस जोश और उत्साह के साथ मेरा स्वागत किया है उससे जान पडता है कि विपक्ष की मंशा कभी फलीभूत नहीं होगी।

शेजवलकर ने कहा कि विपक्ष किसानों को एम.एस.पी. को लेकर भ्रांतियां फैला रहा है लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने स्पष्ट कर दिया है कि नया कानून किसानों के हित में है और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एम.एस.पी.) व्यवस्था में कोई परिवर्तन नहीं किया जायेगा। दौरान किसानों ने शेजवलकर को साफा पहनाकर स्वागत किया और एकजुटता के साथ कहा कि वह इस नये कृषि कानून के साथ है। इस मौके पर उदय यादव, मुकेश गुर्जर, विजयराम राठौर, प्रेम सिंह कुशवाह, हुकुम सिंह, हुकुमचन्द्र शर्मा, कमल सिंह, कमलेश कुशवाह सहित सरपंच पंच और ग्रामीण उपस्थित रहे।

संसार में जन्म-मरण का सिलसिला तोड़ना है तो सत्य का दर्शन करना आवश्यक हैः मुनिश्री

ग्वालियर। संसार में जन्म. मरण का सिलसिला तोड़ना है तो सत्य का दर्शन करना आवश्यक है। इस मनुष्य भव में जो अपने निज सत्य को नहीं जानता वह मंदबुद्धि है। जीवन में धन. दौलत के लिए हाय. हाय नहीं करोए जो है उसमें तृप्त रहो। जो पा लिया वह पर्याप्त है क्यों दूसरों की ओर ताकते हो। यह विचार क्रांतिकारी मुनिश्री प्रतीक सागर महाराज ने आज सोमवार को सोनागिर स्थित आचार्यश्री पुष्पदंत सागर सभागृह में धर्मसभा में दतिया के सर्व समाजजनों को संबोधित करते हुए कही! मुनिश्री ने कहाकि क्यों दूसरों को देखकर दुरूखी होते हो उसके पास है मेरे पास नहीं है। यही सोच दुख का सबसे बड़ा कारण है। इसी में वह पूरा जीवन हाय. हाय में निकाल देता है। जब मौत आती है तो खाली हाथ ही संसार से चला जाता है। इसलिए जीवन में वो जोड़ों जो मरने के बाद भी साथ जा सके।

सतीश को मिला जनसमर्थन लोगों ने किया स्वागत

ग्वालियर। 16 ग्वालियर पूर्व से कॉग्रेस प्रत्याशी डॉ. सतीश सिंह सिकरवार ने आज वार्ड 45 में इंदरगंज चौराहा से कॉग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ जनसम्पर्क षुरू किया। आज सुबह करीब 8 बजे सैकड़ों कॉग्रेस कार्यकर्ता डॉ. सतीश सिंह सिकरवार के नेतृत्व में इंदरगंज चौराहा पर एकत्रित हुये और वहां से डॉ. सिकरवार के साथ गऊघाट, बॉम्बे बेकरी, अरगडे की गली, तेजेन्द्रनाथ की गली एवं दाल बाजार की विभिन्न गलियों में जनसम्पर्क किया। जनसम्पर्क के दौरान कई स्थानों पर डॉ. सिकरवार का पुष्पहार पहनाकर स्वागत किया। कार्यकर्ताओं द्वारा कॉग्रेस पार्टी जिंदाबाद, सोनिया गांधी जिंदाबाद, राहुल गांधी जिंदाबाद, कमलनाथ जिंदाबाद, सतीश सिंह सिकरवार जिंदाबाद के नारे लगाये जा रहे थे।

कल 6 अक्टूबर कार्यक्रमः- प्रातः 8 बजे त्रिलोकी ढाबा के पास रोशनी घर रोड से जनसम्पर्क, दोपहर 12 बजे जी.वाय.एम.सी. क्लब में जिला कॉग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक मोर्चा के साथ बैठक, शाम 4 बजे वार्ड-45 ललितपुर कॉलोनी कार्यालय में 'नारी शक्ति की पुकार' संस्था के साथ बैठक, शाम 5 बजे वार्ड-26 कटारे इलेक्ट्रीकल्स के पास त्यागी नगर में क्षेत्रीय जनता से मुलाकात, शाम 6 बजे वार्ड-28 बाथम धर्मशाला कुम्हरपुरा में क्षेत्रीय जनता से मुलाकात, शाम 7 बजे वार्ड-60 हरदौल गार्डन माता का मंदिर हुरावली में क्षेत्रीय जनता से मुलाकात, रात 8 बजे वार्ड-27 गली नं.3 रामनगर ईदगाह के सामने मुरार बारादरी एवं रात 9 बजे वार्ड-57 होटल विरासत तार घर के ऊपर जयेन्द्रगंज में क्षेत्रीय जनता से मुलाकात का कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

ग्वालियर के लाल शहीद विजेंद्र सिंह परमार को एसएएफ ग्राउंड में दी गई अंतिम विदाई

ग्वालियर। शहीद विजेंद्र सिंह परमार 328 आर्मी यूनिट मीडियम रेजीमेंट अखनूर में पदस्थ थे जो 2 अक्टूबर को शाम 4ः00 बजे विजेंद्र वीरगति को प्राप्त हो गए। रविवार 4 अक्टूबर को उनका अंतिम संस्कार ऊधमपुर कश्मीर आर्मी कैंप सशस्त्र सम्मान के साथ में हुआ शहीद कोरॉना पॉजिटिव होने के कारण उनके देह को पैतृक गांव ग्वालियर नहीं भेजा गया। परिवार को शहीद के अंतिम दर्शन वीडियो कॉल के द्वारा कराए गए। शहीद विजेंद्र सिंह परमार के परिवार की मांग है कि उनको मध्यप्रदेश सरकार से आर्मी फंड मिलना चाहिए। एवं सभी दोस्तों ने प्रण लिया कि शहीद विजेंद्र सिंह परमार के परिवार के साथ खड़े हैं उन्हें मध्यप्रदेश सरकार से आर्थिक सहायता दिलवाने की कोशिश करेंगे।परिवार की मध्यप्रदेश सरकार से अपील है कि शहीद विजेंद्र सिंह परमार के परिवार की आर्थिक मदद की जाए इस अवसर पर शहीद को श्रद्धांजलि क्षत्रिय महासभा के ग्वालियर अध्यक्ष अशोक सिंह भदोरिया ,भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता देवेश शर्मा, आर्मी से आकाश जाटव ,बलवीर बघेल ,हरेंद्र सिंह, धर्मेंद्र धाकड़ भगवान सिंह धाकड़ ,अंकित सेंगर रघुराज सर ,रहीस कोच, प्रवीण शर्मा, कुलदीप मिश्रा सहित आर्मी के कई कर्मचारी एवं मित्र गणों ने शहीद के चित्र पर पुष्प चढ़ाकर श्रद्धांजलि अर्पित की।

अब रात को लगने लगी है ठंडक

विशेष संवाददाता

ग्वालियर। ग्वालियर शहर में दिन में गरमी व उमस और रात को गुलाबी सर्दी का अहसास होने लगा है। रात को वाहन पर निकलने वालों का कहना है कि रात को 10 बजे के बाद सड़क पर गाड़ी चलाते समय ठंडक का अहसास होने लगा है। और अब हवा का रुख दक्षिणी.पश्चिमी की बजाय उत्तर.पश्चिमी हो गया है। इस कारण रात के तापमान में लगातार गिरावट आ रही है। दक्षिणी उड़ीसा और उत्तरी आंध्र प्रदेश के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इससे 7 अक्टूबर के बाद अंचल में हल्की बारिश हो सकती है।

जूही असलम में वंदना के रूप में

ग्वालियर। टेलीविजन स्टार, जूही असलम ने अपने शानदार अभिनय से एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। करीब दो साल के अंतराल के बाद, जूही एण्डटीवी के शो 'गुड़िया हमारी सभी पे भारी' में वंदना के रूप में यादगार एंट्री करने के लिए बिलकुल तैयार है। वंदना की शख्सियत आप सभी को उत्साहित कर देगी और उसका जोश एवं सामर्थ्य निश्चित रूप से शो में एक रोमांचक ट्विस्ट लेकर आएगा। कभी भी एक जगह नहीं टिकना, हमेशा परेशान रहना और दूसरों के लिए भी मुश्किलें पैदा करना वंदना का लक्ष्य रहा है। छोटी हाईट और अपने मस्तमौला व्यवहार के साथ, वह अपनी मासूम सी हरकतों से कई लोगों को बेवकूफ बनाने में माहिर है, लेकिन इस बम से सावधान रहें क्योंकि यह कभी भी फट सकता है, और आपको परेशानी में डाल सकता है! वह अधिकतर चीजों को भूल जाती है और फिर अचानक अप्रत्याशित रूप से वे बातें उसे याद आ जाती हैं। इससे भ्रम और मतभेद की स्थिति उत्पन्न हो जाती है। एण्डटीवी के शो गुड़िया हमारी सभी पे भारी में वंदना की भूमिका निभाने के लिए बहुत ही ज्यादा उत्साहित हूं। वंदना सरला की रिश्तेदार है और गुप्ता परिवार के साथ रहने के लिए आई है। इसका कारण यह है कि वंदना को उसके अपने शहर में कुछ लोग परेशान कर रहे थे। हालांकि अपनी शॉर्ट टर्म मेमोरी लॉस के कारण उसे किसी का भी नाम और चेहरा याद नहीं रहता है। यह एक मजेदार किरदार है और उसका अपना एक अनोखा अंदाज है।

उमरे द्वारा कोविड-19 पर केंद्रित जागरुकता अभियान

यात्री एवं कर्मचारियों के बचाव के लिये सभी मोर्चों पर किया जा रहा संघर्ष

ग्वालियर। अर्थव्यवस्था के अनलाक होने और आगामी त्यौहारी सीज़न के बीच कोविड -19 के बचाव के लिए; उत्तर मध्य रेलवे ने अक्टूबर और नवंबर माह के दौरान गहन जागरुकता अभियान शुरू किया है। कोविड-19 के अनुसार उचित व्यवहार के अनुपालन के साथ सूचना और प्रसारण मंत्रालय के परामर्श से रेल मंत्रालय ने त्योहारी सीजन के दौरान रेलयात्रियों, रेल उपयोगकर्त्ताओं , कर्मचारियों और आमजनता के लिए एक बहुप्रचारित, मानक और सरल जागरुकता अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इसके अंतर्गत स्टेशनों और ट्रेनों में जागरुकता पोस्टरों का प्रदर्शन, स्टेशनों पर पब्लिक एनाउंसमेंट सिस्टम के माध्यम से जागरुकता संदेशों और जिंगल्स का प्रसारण, स्टेशनों पर एलईडी स्क्रीन और ट्रेनों में एलईडी डिस्प्ले पर जागरुकता वीडियो सामग्री का प्रदर्शन; इलेक्ट्रॉनिक स्लिप (ईआरएस), वेबसाइट और आईआरसीटीसी ऐप पर जागरुकता संदेशों के अतिरिक्त यात्रियों, रेलवे कर्मचारियों आदि को जागरुक करने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफार्मों और बल्क एसएमएस का भी व्यापक प्रयोग किया जा रहा है।

उत्तर मध्य रेलवे पर पीए सिस्टम से युक्त 261 महत्वपूर्ण स्टेशनों पर कोविड -19 संबंधित जागरुकता संदेशों का नियमित रूप से एनाउंसमेंट किया जा रहा है; एलईडी डिस्प्ले सुविधा से युक्त प्रमुख स्टेशन पर कोविड -19 से बचाव संबंधित वीडियो क्लिप चलाये जा रहे हैं; उत्तर मध्य रेलवे के सभी स्टेशनों और प्राथमिक ट्रेनों में जागरुकता पोस्टर लगाये गये हैं; जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का प्रयोग करने के साथ साथ यात्रियों को सिस्टम जनरेटेड जागरुकता संदेश भी भेजे जा रहे हैं। मौजूदा प्रयासों के अलावा रेल मंत्रालय और सूचना और प्रसारण मंत्रालय से प्राप्त दिशा-निर्देशों के अनुरूप सम्बंधित जागरुकता सामग्रियों का उपयोग इस जागरुकता अभियान को और तेज करने के लिए किया जायेगा। सघन जागरुकता अभियान के अलावा कोविड -19 संबंधित अन्य व्यवस्थाएं जैसे कि प्रमुख स्टेशनों पर स्वचालित थर्मल स्कैनर, सभी स्टेशनों और कार्यस्थलों पर हैण्ड हेल्ड स्कैनर, स्टेशनों, कार्यस्थलों, कार्यालयों आदि पर सोशल डिस्टैंसिंग की व्यवस्था, आरोग्य सेतु ऐप के उपयोग को बढ़ावा देना, हाथों के सैनिटाइजेशन की व्यवस्था , सामान के सैनिटाइजेशन और रैपिंग की व्यवस्था, मास्क , सैनिटाइटर इत्यादि के लिए कियोस्क, कोविड -19 सुरक्षा किट बिक्री केंद्र, संपर्क रहित टिकट जाँच व्यवस्था, आदि का प्रयोग रेलयात्रियों और रेलवे कर्मचारियों को कोरोना वायरस से बचाव के लिए हर संभव प्रयास किया जा रहा है।

कोविड-19 के लिए अस्पतालों को उन्नत किया जा रहा

उत्तर मध्य रेलवे में कोविड -19 के अस्पताल में देखभाल सुविधाओं को लगातार उन्नत किया जा रहा है। झांसी रेलवे अस्पताल के 100 बेड वाले लेवल -2 कोविड केयर सेंटर में अब तक 464 कोविड पॉजिटिव मरीज भर्ती हुए हैं, जिनमें से 338 को डिस्चार्ज किया गया, 77 को अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया और 49 का अभी इलाज चल रहा है।इसी प्रकार केंद्रीय अस्पताल, प्रयागराज में 100 बेड लेवल -2 हास्पिटल में अब तक 435 कोविड पॉजिटिव मरीज भर्ती हुए हैं, जिनमें से 370 को डिस्चार्ज किया गया, 40 को अन्य अस्पतालों में रेफर किया गया और 25 का अभी इलाज चल रहा है। कोविड परीक्षण को भी तेज कर दिया गया है, दिनांक 4 अक्टूबर 2020 तक रेलवे अस्पताल झांसी में 1868 और केंद्रीय अस्पताल प्रयागराज में 2372 लोगों का परीक्षण किया गया है।

सम्पादक की कलम से

एलएसी पर तनाव

भारत और चीन के बीच मई की शुरुआत से वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर तनाव जारी है। ऐसे में गतिरोध को कम करने के लिए पूर्वी लद्दाख सेक्टर में 12 अक्टूबर को कोर कमांडर-स्तरीय वार्ता की जाएगी। अब तक दोनों पक्षों के बीच छह राउंड की कोर कमांडर-स्तरीय वार्ता हो चुकी है। पिछले करीब पांच महीने से लद्दाख क्षेत्र में चल रहे विवाद के बीच चीन की ओर से जिस तरह की हरकतें जारी हैं, उससे साफ है कि उसकी मंशा समस्या को सुलझाने की कम, उसे और जटिल शक्ल देने की ज्यादा है। ऐसा लगता है कि किसी परोक्ष कारण से चीन या तो दुनिया का ध्यान दूसरी ओर भटकाए रखना चाहता है या फिर भारत की सहजता और शांति के लिए प्रतिबद्धता का फायदा उठा कर जबरन अतिक्रमण की कोशिश में लगा हुआ है। हालांकि ऐसे हर मौके पर भारत ने चीन के सामने बिल्कुल स्पष्ट तौर पर यह जता दिया है कि बेजा दखल की ऐसी कोशिशों को कामयाब नहीं होने दिया जाएगा। यह किसी से छिपा नहीं है कि पिछले कई महीने से लद्दाख के इलाके में सीमा क्षेत्र का विवाद खड़ा करने के मकसद से चीन की ओर से किस तरह की अवांछित गतिविधियां जारी हैं और आपत्ति उठाने पर उसने कैसा रुख अख्तियार किया है। यों सैन्य मोर्चे से लेकर कूटनीतिक स्तर पर भारत ने इसका सख्त और उचित जवाब दिया है, लेकिन चीन शायद किसी ऐसी आदत का शिकार हो गया लगता है, जिसके तहत वह विवाद और तनाव के हालात को बनाए रखना चाहता है।

दरअसल, कुछ दिन पहले चीन के विदेश मंत्री ने एक बयान में कहा था कि वह 1959 में चीन की सरकार की ओर से प्रस्तावित वास्तविक नियंत्रण रेखा या एलएसी को मानता है। चीन के इस बयान में एक तरह की मनमर्जी है, जिसमें वह अपने एकतरफा प्रस्ताव को अंतिम मानता है और उसकी नजर में दूसरे पक्ष की राय या प्रतिक्रिया की कोई अहमियत नहीं है। कोई भी संप्रभु देश खासतौर पर सीमा से संबंधित किसी बेमानी प्रस्ताव की ऐसी एकतरफा व्याख्या को स्वीकार नहीं कर सकता। इसलिए स्वाभाविक ही भारत ने इस मसले पर सख्त प्रतिक्रिया दी है और चीन के इस रुख को सिरे से खारिज कर दिया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने 1959 में एकतरफा रूप से परिभाषित तथाकथित वास्तविक नियंत्रण रेखा को कभी स्वीकार नहीं किया है और चीन सहित सभी अंतरराष्ट्रीय पक्ष इस बारे में जानते हैं। इसके साथ ही यह उम्मीद की गई है कि पड़ोसी देश तथाकथित सीमा की अपुष्ट एकतरफा व्याख्या करने से बचेगा।

हालांकि लद्दाख को लेकर चीन ने जिस तरह का रवैया अपनाया हुआ है, वह उसकी मंशा को बताने के लिए काफी है, लेकिन ऐसा लगता है कि अब वह अपने अतिक्रमण का दायरा और विस्तृत करने की कोशिश में है या फिर विवाद की स्थिति बनाए रखना चाहता है। सवाल है कि आखिर चीन क्यों ऐसे मसले छेड़ रहा है, जिसका न केवल कोई आधार नहीं है, बल्कि इससे हालात और जटिल ही होंगे। अब ये खबरें किसी तरह बाहर आने लगी हैं कि चीन अपने यहां खाद्यान्न संकट जैसे हालात से दुनिया का ध्यान हटाने के लिए पड़ोसी देशों से संबंधित सीमा विवाद को नए सिरे से उलझाने की कोशिश कर रहा है। लेकिन चीन अपनी इन हरकतों के सहारे अपनी आंतरिक समस्याओं से कैसे निजात पा सकेगा? विडंबना यह है कि इस मसले पर 1993 और इसके बाद कई द्विपक्षीय समझौतों का खयाल रखना भी चीन को जरूरी नहीं लग रहा है। यों उसका यह रुख उसकी कथनी और करनी में फर्क के चेहरे के अनुकूल है। लेकिन यह ध्यान रखने की जरूरत है कि अपने इस रवैये के सहारे अगर चीन की मंशा गैरजरूरी विस्तारवाद के जरिए दूसरे देशों की सीमाओं का अतिक्रमण करना है तो भारत इसे किसी भी हाल में कामयाब नहीं होने देगा।

इसीलिए अब हालात की गंभीरता को देखते हुए भारत ने अब टैंकों और बख्तरबंद वाहनों की तैनाती कर दी है। इस वक्त वास्तविक नियंत्रण रेखा पर जिस तरह के तनावपूर्ण हालात हैं, उसे देखते हुए अपनी तैयारियों को चाकचौबंद रखना अपरिहार्य हो गया है। भारत के प्रति चीन ने जिस तरह का आक्रामक रुख अपनाया हुआ है, उससे यह अनुमान लगा पाना मुश्किल है कि कब वह भारत पर हमला कर दे।

गलवान घाटी में 15-16 जून की रात और फिर 28-29 अगस्त की रात पैंगोंग के दक्षिणी हिस्से में जिस तरह से चीनी सैनिकों ने भारतीय क्षेत्र में घुसपैठ और हमले किए, वे उसके रुख को बताने के लिए काफी हैं। पैंगोंग के दक्षिणी हिस्से में ऊंचाई वाले इलाकों में स्थिति मजबूत करने के लिए चीन ने टैंकों का ही सहारा लिया था। ऐसे में अब भारत सतर्क है और वह उसकी चाल को समझ चुका है। इसीलिए सीमा पर चीनी सैनिकों के किसी भी हमले का जवाब देने के लिए भारतीय सेना हर तरह से मोर्चा मजबूत कर चुकी है। देश की आजादी के बाद के यह पहला मौका है जब लद्दाख क्षेत्र में एलएसी पर भारत को दुश्मन का मुकाबला करने के लिए इतने बड़े पैमाने पर सैन्य तैयारियां करनी पड़ी हैं।

भारत-चीन के बीच यह गतिरोध आसानी से खत्म होने वाला नहीं है। भले ही सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर वार्ताएं चल रही हों, या विदेश और रक्षा मंत्रियों के बीच वार्ताएं हुई हों, सीमा पर चीन की सैन्य तैयारियां यह बताने के लिए पर्याप्त हैं कि वह किसी न किसी बहाने भारत को जंग में उलझाना चाहता है। इस इलाके में चीन ने करीब पचास हजार सैनिकों की तैनाती के साथ ही टैंक, युद्धक विमान और हथियारों के साथ मोर्चा जमा लिया है।

क्या है शुद्ध अहिंसा!

गांधी जी ने अपने जीवन में अहिंसा के विविध प्रयोग किए। वे एक वैज्ञानिक थे। उनका जीवन प्रयोगशाला था। उनका प्रारंभिक और अंतिम साहित्य देखने से यह तथ्य भलीभांति स्पष्ट हो जाता है। बड़े जीव की सुरक्षा के लिए छोटे जीव को मारने में वे पाप बताते थे। खती को हानि पहुंचाने वाले बंदर, हिरण तथा अन्य जहरीले जानवरों को मारने में भी वे पाप मानते थे। यद्यपि आवश्यकतावश उन्होंने जीवों को मारने की इजाजत भी दी, पर उसे शुद्ध अहिंसा कभी नहीं माना। मेरे सामने भी ऐसे प्रश्न आते हैं कि बिल्ली चूहे को मारती है तो उसे बचाना अहिंसा है या नहीं? मैं कहता हूं कि बचाना या बिल्ली को भगाना आपका काम है। मैं इसमें हस्तक्षेप नहीं करता, किंतु इसे शुद्ध अहिंसा नहीं माना जा सकता। शुद्ध अहिंसा वही है जहां हिंसक का दिल बदले। बिल्ली से आप चूहे को बचा सकेंगे, किंतु उसे अहिंसक नहीं बना सकते।

बूचड़खाने में पैसा देकर आप जानवरों को बचा सकते हैं, किंतु ऐसा करके आप कसाई को अहिंसक नहीं बना सकते। मैं किसी को बचाने में अवरोधक नहीं बनता। किंतु मेरा वास यह है कि अहिंसा और धर्म को पैसों से खरीदा नहीं जा सकता। डंडे के बल से भी अहिंसा नहीं हो सकती। वह तो किसी के दिल को बदलने से ही हो सकती है। आज धार्मिकों की स्थिति बड़ी दयनीय है। उन्हें देखकर दिल में दर्द होता है। जैसे-तैसे शोषण से पैसे का अर्जन करते हैं, फिर उससे किसी मंदिर का फर्श और धर्मशाला बनाकर या सदाव्रत खोलकर मन से सोचते हैं कि हमने धर्म किया है। यह कैसी विडंबना है?

धर्म नहीं कहता कि आप पाप से पैसा कमाएं। ऐसे धार्मिक लोग हथियार नहीं रखते, किंतु कलम से न जाने कितनों के गले काट लेते हैं। कोई किसान सेठ के पास बैठा था। सेठ के कान से कलम गिर पड़ी। किसान बोला- आपकी छुरी गिर गई है। सेठ झुंझलाकर बोला- कैसी बात कर रहे हो, हम तो धार्मिक आदमी हैं, फिर छुरी कैसे रख सकते हैं? किसान ने कलम हाथ में लेकर पूछा- यह क्या है?

पथभ्रष्ट युवा पीढ़ी और पाश्चात्य संस्कृति

बेटी अपनी सहेली से मिलने जाती थी तो दादी उसके साथ भाई को भेजती थी। दादी साथ में गये भाई से पूछती थी, कहाँ गये क्या किया।बच्चों की हर गतिविधि पर परिवार की सबसे वरिष्ठ सदस्य दादी माँ की पैनी नजर रहती थी। वर्तमान में युवा पी?ी में जो संस्कार विहीनता आ रही है उनसे हम भली भांति परिचित हैं,प्रेम विवाह, अन्तर्जातीय विवाह, नशे की दिन दूनी रात चौगुनी ब?ती प्रवृत्ति, गर्भपात, भ्रूणहत्या, माता-पिता को वृद्धावस्था में परिवार से अलग कर वृद्धाश्रम में रहने मजबूर करना, गलत तरी? से धन उपार्जन करना आदि अनेक गलत आदतें युवा पी?ी में ब? रही हैं। वर्तमान में युवा पी?ी उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रशासनिक एवं तकनीकी पदों पर आसीन हो रही है। विदेश जाकर नौकरी करने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। जो युवक या युवती विदेश जाकर नौकरी कर रहे है वे वही पर विवाह कर रहे हैं इसे हम प्रेम विवाह कहें या अन्तर्जातीय विवाह कहें, इससे समाज, संस्कृति एवं संस्कारों का नैतिक पतन हो रहा है।

- विजय कुमार जैन

व्यक्ति के जीवन में संस्कारों का बढ़ा महत्व होता है। संस्कार की प्रथम पाठशाला माँ होती है। कहते हैं कुम्हार मिट्टी को जैसा आकार देता है, बैसा ही घ?ा बन जाता है। जितने भी महापुरुष हुए हैं वे संस्कारों की सी?ी पर च?कर ही जीवन के हर क्षेत्र में सफल हुए हैं। वर्तमान में हम अपनी संतान को उच्च कोटि की शिक्षा दिलाने बाहर भेज देते हैं। वे वहाँ प?ाई कर रहे हैं या रंगरेलियां मना रहे है यह देखने हमारे पास समय नहीं है।

वर्तमान भौतिक चकाचौंध एवं पाश्चात्य संस्कृति के जाल में वहकर युवा पी?ी संस्कारों को भूलकर पतन की ओर अग्रसर हो रही है। युवा पी?ी को ही हम दोषी नहीं ठहरा सकते, नई पी?ी पथभ्रष्ट हो रही है या उनमें कुसंस्कार आ रहे हैं उसके लिये अभिभावक भी जिम्मेदार हैं। बालक को गर्भावस्था से ही माँ से संस्कार मिलते है, संस्कारों से चरित्र का निर्माण होता है। जिसका चरित्र उज्जवल होता है उसकी पूजा होती है। संस्कारों को हम वृत्ति कहते है, वृत्ति से ही हमारी प्रवृत्ति बनती है।आज से लगभग 50 वर्ष पीछे चलकर हम देखें बालक को जन्म के साथ ही माता- पिता उसे संस्कार प्रदानकर सफल जीवन की ओर ब?ाते थे। बालक-बालिकाओं की सहशिक्षा का निषेध था। बालक-बालिकाओं की दैनिक गतिविधियों पर परिवार की पैनी नजर रहती थी।

बेटी अपनी सहेली से मिलने जाती थी तो दादी उसके साथ भाई को भेजती थी। दादी साथ में गये भाई से पूछती थी, कहाँ गये क्या किया।बच्चों की हर गतिविधि पर परिवार की सबसे वरिष्ठ सदस्य दादी माँ की पैनी नजर रहती थी।

वर्तमान में युवा पी?ी में जो संस्कार विहीनता आ रही है उनसे हम भली भांति परिचित हैं,प्रेम विवाह, अन्तर्जातीय विवाह, नशे की दिन दूनी रात चौगुनी ब?ती प्रवृत्ति, गर्भपात, भ्रूणहत्या, माता-पिता को वृद्धावस्था में परिवार से अलग कर वृद्धाश्रम में रहने मजबूर करना, गलत तरी? से धन उपार्जन करना आदि अनेक गलत आदतें युवा पी?ी में ब? रही हैं। वर्तमान में युवा पी?ी उच्च शिक्षा प्राप्त कर प्रशासनिक एवं तकनीकी पदों पर आसीन हो रही है। विदेश जाकर नौकरी करने की प्रतिस्पर्धा चल रही है। जो युवक या युवती विदेश जाकर नौकरी कर रहे है वे वही पर विवाह कर रहे हैं इसे हम प्रेम विवाह कहें या अन्तर्जातीय विवाह कहें, इससे समाज, संस्कृति एवं संस्कारों का नैतिक पतन हो रहा है।

मोबाइल, इन्टरनेट, वाट्सएप, फेसबुक के जितने लाभ हैं,उससे ज्यादा इन सुविधाओं का दुरुपयोग हो रहा है। इनका नाम करण सोशल मीडिया किया है। सबसे ज्यादा पथभ्रष्ट युवा पी?ी सोशल मीडिया के दिन रात दुरुपयोग से हो रही है। परम्परागत मूलभूत आचरण अब परिवार के वरिष्ठजनों के जिम्मे रह गये है। परिवार में कुलाचार का पालन होता था, हम कुलाचार को भूल गये हैं। कुलाचार के पालन से हम दुराचार से बचते है। पाश्चात्य संस्कृति के ब?ते प्रभाव से हम हमारी प्राचीन भारतीय संस्कृति से विमुख हो रहे हैं। हम जन्मदिन को पाश्चात्य रीति रिवाजों के अनुरूप बर्थ डे के रूप में मनाते हुए मोमबत्ती बुझा रहे है। मोमबत्ती बुझाकर प्रकाश से अंधकार की ओर जा रहे है। जबकि भारतीय संस्कृति अंधकार से प्रकाश की ओर जाने की है। कहा है तमसो माँ ज्योतिर्गमय। हम दीप जलाने की भारतीय परंपरा को भूल गये है। पाश्चात्य संस्कृति के प्रभाव में आकर संयुक्त परिवार टूट गये है। एकल परिवार की परंपरा प्रारंभ हो गई है। वृद्ध, बीमार, असहाय माता पिता को बु?ापे में उनकी सेवा करने के स्थान पर उन्हें वृद्धाश्रम में रहने मजबूर कर रहे हैं। अपने माता पिता को अंग्रेजों का अनुशरण कर मोम, डेड कह रहे हैं। जीवित पिता को डेड कह रहे है तथा माता को मोम का पुतला बता रहे है।

भारतीय संस्कृति में व्यक्ति के जन्म से लेकर मृत्यु तक सोलह संस्कारों का उल्लेख है, उनमें एक पाणिग्रहण संस्कार या रीति रिवाज से शुभविवाह करना है। युवा पी?ी यह पवित्र संस्कार भूलकर प्रेमविवाह, अन्तर्जातीय विवाह कर रही है। एक और कुप्रथा जु? गई है जिसे लिव इन रिलेशनशिप नाम दिया है। बिना विवाह के ही पति पत्नी की तरह रहते हैं, जब दोनों में मतभेद हो जाते हैं तो दूसरों से संबंध बना लेते है। युवक युवती जीवन साथी को कप?ों की तरह बदल रहे हैं। आज के युवक युवती उनकी इच्छा की पूर्ति नही होने पर अवसादग्रस्त हो जाते हैं या आत्महत्या कर लेते हैं। परीक्षा में सफलता नही मिलने, मन पसंद प्रेमी प्रेमिका का जीवनसाथी नहीं बनने पर युवा पी?ी निराश हो रही है और आत्महत्या की घटनाओं में वृद्धि हो रही है।

फिल्म जगत को संस्कारों की जननी माना जाता रहा है। सुप्रसिद्ध सिने अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत की घटना से अभी तक पर्दा नही उठा है। हाल ही में नारकोटिक्स क्राइम व्यूरो मुंबई ने सिने जगत की सुप्रसिद्ध अभिनेत्रियों से मादक पदार्थों के सेवन के संबंध में गहन पूछताछ अभियान चलाया है। इन घटनाओं से हम भारतवासियों का सिर शर्म से झुक गया है।सिने जगत में अभिनेता एवं अभिनेत्री पर्दे पर फिल्मांकन कर रहे है वे पर्दे के पीछे क्या कर रहे यह गंभीर चिंता का विषय है। अच्छे चरित्र का सफल अभिनय कर अकूत धन कमाकर पथभ्रष्ट हो रही है नई पी?ी।

देश के महानगरों में उच्च अध्ययन कर रहे 20 से 30 वर्ष के युवक युवती आये दिन नाइट क्लवों में जाकर नशा करते है एवं अनैतिक कार्य जिनसे चारित्रिक पतन होता है मौत मस्ती करते है। नाइट क्लवों में विशेष रूप से ये शनिवार को रात 8 से 10 बजे के बीच ब्याय फ्रेड/गर्ल फ्रेंड के साथ जो? से जाते है क्लव में रात भर रहते हैं वहाँ से सुबह निकलते हैं। इन कृत्यों से युवा पी?ी का चारित्रिक पतन के साथ भविष्य अंधकार मय हो रहा है।

देश में सभी धर्मों के साधु संत,

मुनि राज युवा पी?ी को सद् मार्ग पर चलने निरंतर प्रेरित कर रहे है। समाधिस्थ क्रांतिकारी राष्ट्रसंत मुनि तरुण सागर जी ने दस वर्ष पूर्व दिनांक 10 अक्टूबर 2010 को मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें तीन संकल्प दिलाये।

1. जीवन में निराश होकर कभी आत्महत्या नहीं करूंगा। 2. वृद्ध माता-पिता का सम्मान करूंगा तथा उन्हें परिवार के साथ रखूंगा। 3.देश प्रेम की भावना में कमी नहीं करूंगा।

(नोट-लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं भारतीय जैन मिलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष है।)

कोरोना काल में मोबाइल न होता तो क्या होता

-हेमलता शर्मा

कोरोना काल से पूर्व ही हम सब अति व्यस्तता के कारण संपर्क साधने के अतिरिक्त साहित्य सृजन, मनोरंजन के साथ ही अन्य रचनात्मक कार्यों के लिए भी मोबाइल पर ही आश्रित हो चुके थे और कोरोना काल में लगे लॉकडाउन के कारण इसका महत्व और भी बढ़ गया । सोशल मीडिया पर मोबाइल को सही सलामत रखें,ताकि आप की सलामती की खबर प्राप्त हो सके। जैसे संदेश वायरल हुए जो वाकई मोबाइल का महत्व प्रतिपादित करते प्रतीत हो रहे थे । लॉकडाउन के कारण जो लोग परिवार के साथ थे, उनका तो समय जैसे-तैसे कट गया, लेकिन हमारी तरह परिवार से दूर अनेक कामकाजी लोग अकेलेपन से जब परेशान हुए तो मोबाइल ही जीवन का आधार लगने लगा जो लोग अभी तक केवल संदेश के माध्यम से संपर्क बनाए हुए थे, वे अब आपस में बातचीत करने लगे और उससे बढ़कर एक-दूसरे को देखने की चाह में वीडियो कॉलिंग भी की जाने लगी । अब लोगों के पास वक्त ही वक्त था, जिसे बिताने का एकमात्र सहारा मोबाइल था।

मोबाइल न होता तो न लोग आपस में बात कर पाते और न एक-दूसरे की खैर खबर ले पाते । साथ ही वर्क फ्रॉम होम* तो बिल्कुल ही नहीं कर पाते। ऑनलाइन काव्य गोष्ठियों* की जो बहार विभिन्न साहित्यिक मंचों पर आई हुई है, वह भी नहीं आती ।जितने साहित्यिक सर्टिफिकेट ऑनलाइन मिले हैं, वह भी एक उपलब्धि है । एफबी लाइव का दौर चल पड़ा है । विभिन्न साहित्यिक मंचों में होड़ लगी हुई है और अब आलम यह है कि किसी एक मंच के सारे लोग लाइव प्रस्तुति कर रहे हैं और उन्हें देखने का समय किसी के भी पास नहीं है, बिना देखे बिना सुने केवल वाह-वाह कर उपस्थिति दर्ज कराने को मजबूर है खैर हर सिक्के के दो पहलू होते ही हैं।

मोबाइल न होता तो व्यक्ति अकेला मानसिक अवसाद का शिकार हो जाता अपनी दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति जैसे दैनिक समाचार प्राप्त करने के लिए, खाद्य सामग्री प्राप्त करने के लिए किसी की मदद करने या पाने के लिए मोबाइल पर ही निर्भर थे और सबसे बढ़कर कोरोना अपडेट्स तो हमें मोबाइल पर ही मिल रहे थे। समाचार पत्रों का घरों में आना क्या बंद हुआ, समाचार पत्र पढ़ने के आदी लोगों द्वारा मोबाइल पर समाचार-पत्रों की पीडीएफ प्राप्त की जाने लगी और सरकार को पीडीएफ पर प्रतिबंध लगाना पड़ा, लेकिन जुगाड़ू लोग फिर भी चोरी-चुपके मोबाइल पर समाचार पत्र पढ़ते रहे। न जाने किन-किन देशों के कोरोना वीडियो संदेश हमने मोबाइल पर देखें और फॉरवर्ड किए और टीवी के माध्यम से उनकी सत्यता भी देखी-सुनी। मोबाइल न होता तो हम खबरें तो टीवी पर देख लेते, लेकिन किसी भी सहायता और संपर्क के अभाव में जीवन जीना अत्यंत दुष्कर होता । केवल कोरोना काल में ही नहीं मोबाइल हमारे जीवन का एक अनिवार्य अंग बन गया है, जिसके बिना जीवन की कल्पना असंभव प्रतीत होती है।

गुरु तत्व का सम्मान

जब भी तुमने बदले में किसी आशा के बिना किसी के किए कुछ भी किया हो, किसी को कोई सलाह दी हो, लोगों का मार्गदर्शन किया हो, उन्हें प्रेम दिया हो और उनकी देख-भाल की हो, तब तुमने गुरु की भूमिका निभाई है। गुरु तत्व सम्मान करने की और विश्वास करने की चीज है। तुम्हारे आस पास कितने लोग हैं जो सब के मूड, भावनाओं और दोषारोपण के बीच अटके हुए हैं। लेकिन अगर तुम्हारे पास गुरु हैं तो तुम्हें इन सब बातों से कोई फर्क नहीं पड़ेगा और अगर पड़ेगा भी तो वह कुछ मिनटों से ज्यादा टिकने वाला नहीं। जब व्यक्ति गुरु तत्व के इस सिद्धांत के साथ चलता है, तब सभी सीमाएं गिर जाती हैं और वह आस पास के सभी व्यक्तियों और सारे ब्रह्मांड के साथ एक होने का अनुभव करने लगता है। जब यह ज्ञान प्रकट होता है, दुख गायब हो जाता है और आत्म-ग्लानि के लिए कोई स्थान नहीं रहता। अगर तुम्हारे भीतर आत्म-ग्लानि है, तो इसका अर्थ है अभी तक तुम गुरु तक आए नहीं हो। गुरु तक आने का अर्थ है श्रद्धा होना कि गुरु हमेशा हमारे साथ है। इसका अर्थ है हमें जो भी चाहिए वो होगा और हमें रास्ता दिखाया जाएगा।

जीवन में शांति सुनिश्चित करने का सबसे अच्छा रास्ता साधना, सत्संग, आत्म-चिंतन और भक्ति द्वारा गुरु के निकट रहना है। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि तुममें आध्यात्मिकता मजबूत हो। हालांकि जब तुम शारीरिक रूप से गुरु के निकट नहीं हो पाते, तब भी मन और आत्मा से तुम गुरु के निकट हो सकते हो। जब व्याकुलता बहुत ज्यादा बढ़ जाए, तब समर्पण में आसन पाओ। गुरु या ईश्वर को समर्पण कर दो। गुरु को उनके शारीरिक रूप और व्यक्तित्व से परे देखो। ईश्वर, आत्मा और गुरु में कोई अंतर नहीं है। गुरु तुम्हारे असली स्वभाव का ही प्रतिबिम्ब है और तुम्हें आत्मा में वापस अग्रसर करने के लिए मार्गदशर्क है।

अपनी लगन, श्रद्धा और वचनबद्धता से तुम स्पष्ट रूप से देख सकते हो कि चाहे कैसी भी परिस्थिति हो, जिस पल तुम गुरु को गुरु मान लेते हो, उनके सभी गुण प्राप्त करना संभव हो जाता है। एक बार जब गुरु उपाय बन जाते हैं, तुम जीवन में कभी पराजित नहीं होते। गुरु के लिए भक्ति काफी है। गुरु यहां तुम्हारे लिए हैं और तुम्हारे अच्छे और बुरे समय के दौरान तुम्हारे साथ हैं। तुम अकेले नहीं हो तो गुरु को ढूंढ़ निकालो और स्वाभाविक रूप से जियो और प्रेम और आनंद में खुशी मनाओ।

व्यंग: गधे हड़ताल पर हैं

सुबह अचानक नज़र टी- टेबल पर प? अख़बार के ताजे अंक पर जा टिकी। जिस पर मोटे-मोटे अक्षरों में लिखा था %गधे हड़ताल पर हैं% अख़बार के सम्पादक जी कि कृपा से यह खबर फ्रंट पेज की लीड स्टोरी बनी थी। स्वर्णाक्षरों में कई उप शीर्षक और बॉक्स लगाए गए थे। मैं सोच रहा था कि इन अखबार और टीवी वालों को, टीआरपी रोग से मुक्ति कब मिलेंगी। रामजी, इनकी सोच कब दुरुस्त करेंगे। इन्हें गधे की दुलत्ति मारते शीर्षक हमेशा से इतने प्रिय क्यों हैं। अब भला बताइए गधे क्यों हड़ताल करेंगे, उन्हें क्या तकलीफ है। मीडिया वाले भी अजीब प्राणी हैं। पता नहीँ किस लोक से पधारे हैं हमेशा बाल की खाल निकालने में जुटे रहते हैं। नीरा खुरपेंची हैं यह परालोचक ।

अखबार का शीर्षक देख मेरे दिमाग में यह गूँजी कि कहीँ आ? पहली अप्रैल तो नहीँ है। मुझ जैसे पाठक को गधा तो नहीँ बनाया गया है। लेकिन जब ख़बर पर आगे बढ़ा तो पता चला कि गधों की मांग जायज हैं। यह बात %आलइंडिया गधा असोसिएशन% की तरफ़ से उठाई गई है। गधों का कहना है कि हम लोग इंसानों के सबसे वफादार हैं। मुझमें जितनी स्वामी भक्ति किसी में नहीँ है, लेकिन इंसान हमें गधा समझता है। वह हर वक्त अपनी जाति के लोगों को हमारे %शब्दनाम% का मुहावरा प्रयोग करता रहता है %अबे तुम गधे हो% आखिर इंसान हमें इतना मूर्ख क्यों समझता है। हम गधों को अशपृश्य क्यों समझता है। यह अपमान गधे कब तक बर्दास्त करेंगे। गधों ने इंसान के इस व्यवहार से क्षुब्ध होकर हड़ताल पर जाने की घोषणा कर दिया। गधों की यह मांग मीडिया की सुर्?ियां बनी तो पशु अधिकारवादी भी गधों की हड़ताल के समर्थन में उतार आए।

वक्त गुजरने के साथ गधों का यह आंदोलन राष्ट्रव्यापी बन गया। आंदोलन की गम्भीरता को देखते हुए राष्ट्रीय मीडिया बगैर ब्रेक के गधों की हड़ताल को कवर करने लगा। गधों की तरफ़ से नीत नई मांग सामने आने लगी। गधों ने चुनाव आयोग से मांग रखी कि उनके लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों को ध्यान रखते हुए उन्हें राजनैतिक दल गठित करने के साथ वोट का अधिकार भी दिया जाय। इंसानों में जब सभी जेंडरों को यह अधिकार मिला है तो हम गधों को क्यों नहीँ ? हम तो इंसान के सबसे करीब और भरोसेमंद हैं। हमारा संविधान किसी के साथ भेदभाव करने का अधिकार नहीँ देता है। हमने सभी को अंगीकार किया है। मोर को हमने राष्ट्रीय पक्षी बनाया जबकि कमल को राष्ट्रीय फूल। इसके अलावा शेर को हमने राष्ट्रीय पशु भी घोषित कर रखा है। फ़रि गधों के साथ यह अन्याय क्यों। गधों का कहना है कि आम चुनावों में हम गधे भी मुद्दा बन जाते हैं फ़रि हमें चुनाव लड़ने पर प्रतिबंध क्यों। हड़ताल पर गए %आलइंडिया गधा असोसिएशन% के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने मीडिया को बयान जारी कर कहा कि अगर चुनाव आयोग हमें राष्ट्रीय दल की मान्यता नहीँ देता है तो यह संविधान में वर्णित अधिकारों की अवहेलना होगी। समता- समानता के अधिकारों की मु?ालफ़त होगी। ज़रूरत प?ी तो हम देश भर के गधे अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जंतर- मंतर पर प्रदर्शन करेंगे। जब इंसान और उसके जातीय समूह अपने अधिकारों को लेकर दल , संगठन बना सकते हैं तो हम गधे क्यों नहीँ। गधों का आंदोलन तेज होने के बाद लोकतांत्रिक अधिकारवादी भी मांग के समर्थन में उतर आए थे। गधों ने कहा कि जब हम अपने अधिकारों और उत्पी?न की बात मालिक से रखते हैं तो वह हमें पिटता है और बोझ का भार और बढ़ा देता है। गधों ने कहा है कि अभी तक हमें अपनी तागत का अंदाजा ही नहीँ था। अब हम जाग गए हैं। अपना हक इंसानों को नहीँ दे सकते। हमें इंसानों और दूसरे पशु- पक्षियों की तरह राष्ट्र की मुख्यधारा में लाना ही होगा। तभी भीड़ से नारा गूंज उठा। नाम हमारा ताज तुम्हारा, नहीँ चलेगा- नहीँ चलेगा। गधे अब करें पुकार, नहीँ चलेगी इंसानों की सरकार। भीड़ से तभी एक और नारा गूंजा गधहा राज़ जिन्दाबाद- - - जिन्दाबाद। जबकि मैं सोच रहा था देखिए वाकई में लोकतंत्र कितना मजबूत हो चला है।

जरूरी है बच्चों की सही परवरिश

बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि दुनिया में अगर सबसे कठिन कोई कार्य है तो वह है बच्चों की सही परवरिश। कारण, इसका कोई बंधा-बंधाया नियम नहीं है। फिर भी जैसी बातचीत और व्यवहार आप करती हैं, बच्चे बहुत कुछ वैसा ही सीखते हैं। इसलिए जरूरी है कि आपकी बातचीत, व्यवहार और बॉडी लैंग्वेज सही हो। अगर आप चाहती हैं कि आपका बच्चा सही राह पर चले तो पहले आपको सही राह पर चलना सीखना होगा।

दें क्वालिटी टाइम

बच्चों की परवरिश के मामले में यह बात एकदम फिट बैठती है कि क्वांटिटी टाइम भले ही न दें, लेकिन क्वालिटी टाइम बहुत जरूरी है। इसलिए चाहे आप गृहिणी हों या कामकाजी, हर दिन थोड़ा सा क्वालिटी टाइम बच्चों के साथ अवश्य व्यतीत करें। इस दौरान अधिक से अधिक बच्चों की सुनें और उन्हें अपने मन की कहने की इजाजत दें। इससे बच्चे अपने दिल की हर बात आपसे शेयर करेंगे।

सहज संबंध

अपने बच्चों से संबंध इतने सहज रखें कि वे गलती करने पर भी आपसे शेयर कर लें। अगर बच्चे के साथ आपका कम्यूनिकेशन मजबूत होगा तो आप बच्चे की हर तरह की बातों से वाकिफ रहेंगी। यह सही है कि बच्चों और माता-पिता के बीच अनुशासन के लिहाज से थोड़ी सी दूरी होनी चाहिए, लेकिन यह दूरी इतनी न हो कि आपके बीच संवाद ही न स्थापित हो। अगर आप अपने बच्चे की सही परवरिश करना चाहती हैं तो उससे दोस्ताना रवैया रखते हुए सहज संबंध बनाए रखें।

आत्मसम्मान जगाएं ये तुमने क्या कर दिया। तुमसे से अच्छा तो तुम्हारा भाई है। तुम्हें कब अक्ल आएगी। जैसी बातें भूलकर भी बच्चों से न करें। इससे बच्चों का मनोबल डाउन होता है और वे कोई भी काम करते हुए डरते रहते हैं कि कहीं उनसे कोई गलती न हो जाए। इसका नतीजा यह होता है कि ज्यादा सजगता के चक्कर में उनसे कई बार गलतियां हो जाती हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बच्चों से नकारात्मक बातें कहने के स्थान पर उनका मनोबल बढ़ाने वाली बातें कहें।

नियम बनाएं

यह तो आपको पता ही है बिना नियम के जिंदगी सही ढंग से नहीं चलती है। इसलिए बच्चों के लिए भी कुछ नियम बनाएं और उनका सही ढंग से पालन भी करवाएं। उदाहरण के लिए बच्चों से कह सकती हैं कि तुम होमवर्क पूरा करने के बाद ही टीवी देखोगे या गेम खेलोगे। इससे बच्चों को यह अहसास होता है कि उन्हें ऐसा करना ही होगा।

अगर बहुत चंचल हो

यदि आपका बच्चा जरूरत से ज्यादा चंचल है तो अधिक कड़ाई करने के स्थान पर उस पर थोड़ा अतिरिक्त ध्यान दें। बाल मनोवैज्ञानिकों का कहना है कि कुछ बच्चे अधिक चंचल होते हैं, वे एक जगह टिक कर नहीं बैठ सकते, बैठे तो अनावश्यक रूप से हाथ-पैर हिलाते रहेंगे। स्कूल में भी अधिक शैतानी करेंगे। कुछ पूछने पर आपकी बात समाप्त होने से पहले ही अपनी कहने लगेंगे। उनमें जरा सा भी धैर्य नहीं होता कि पहले किसी की पूरी बात सुन लें। ऐसे बच्चों को बहुत प्यार से समझाएं। फिर भी दिक्कत हो रही है तो उसे किसी मनोचिकित्सक या मनोवैज्ञानिक के पास ले जाएं। ऐसे बच्चों को कई बार केवल थेरैपी के द्वारा राहत मिल जाती है तो कई बार दवाओं का भी इस्तेमाल करना पड़ता है।

ऐसे करवाएं बच्चों को अपनी अहमियत का एहसास

बच्चें हर मां-बाप के बुढ़ापे का सहारा होते है। बच्चों को अपने रिशतों की अहमियत का एहसास मां-बाप से ही होता है। वही से बच्चों को सही और गलत का पता चलता है। बच्चो को रिश्तों की एहमियत बताने के लिए सबसे पहले आपको उनके 'बेस्ट फ्रेंड' बनना पड़ता है। मां और बच्चो का सबसे हसीं और प्यार का रिशता होता है। ये रिश्ता सभी रिश्तों में सबसे ख़ास होता है। इसी से बच्चो को नए रिश्तों को बांधे रखने का पता चलता है। हर मां-बाप अपने बच्चों से बहुत सी उम्मीदें लगाते हैं, पर वह यह भुल जाते है कि बच्चे वही करते है जो उन्हें बचपन में सीखाया जाता है। अगर आप भी अपने बच्चो को तमीज़दार व अच्छा इन्सान बनाना चाहते हैं तो ये सुझाव आपकी कुछ मदद कर सकते हैं।

बच्चों को रोक-टोक न करें

आजकल हर मां-बाप अपने बच्चों को नियंत्रण में रखना चाहते हैं। अगर आप बच्चों के हर काम में रोक-टोक करेगे तो यह बच्चों के विकास पर बुरा असर डालती है। जो माता-पिता अपने बच्चों से ज्यादा सख्ती से पेश आते हैं, अक्सर उनके बच्चे अपने मन की बात अपने माता-पिता को नहीं बता पाते हैं और वह हमेशा उनसे डरे-डरे से रहते हैं। ज्यादा सख्ती व पूरी ढील बच्चों का सही विकास होने नहीं देती है। दूसरी तरफ आगर बच्चों को ज्यादा छूट दे तो वह अपने जीवन में माता-पिता की अहमियत को ही समझ नहीं पाते हैं।

बच्चों को प्यार से समझाएं

बच्चे अपने हर काम में बहुत सी गलतियां करते हैं, ऐसे में आपको बच्चों को डांटने की जगह धैर्य से काम ले कर प्यार से समझाने की जरुरत होती है। बच्चें गलतियां करके ही काम सीखते है।

बच्चों को एहसास दिलाए कि हमारे लिए सबसे अहम वही है। बच्चों के मन में विश्वास पैदा करें ताकि अगर आप अपने बच्चो से बहुत दूर गए हो तो वह उस समय आपकी कमी को महसूस करें। ऐसे में आपको अपने शब्दों से व अपने जीवन के अनुभवों से सीखी गई बातों से बच्चो के हौसले को बुलंद करके उन्हें अपने साथ का आभास करावा सकते हैं।

बच्चे बड़े मासूम होते हैं और उपहार के ज़रिए उनके दिल तक पहुंचना बहुत आसान है। जब आपके बच्चे गुस्से में हो तो उन्हें सरप्राइज दें कर मनाए।

क्रच में बच्चों को मिलता है ऐसा माहौल

क्रच एक ऐसी जगह है जहां पर बच्चों को घर जैसा प्यार और माहौल मिलता है। क्रच मे छोटे बच्चों की देखभाल की जाती है। आजकल जो माता-पिता दोनों ही काम करते है, ऐसे में समय कम होने की वजह से उनके पास बच्चों की देखभाल करना बहुत ही मुश्किल हो जाता है। ऐसे में वह अपने बच्चों को क्रच में छोड़ जाते है, जहां पर उनकी केयर घर जैसे माहौल में की जाती है।

क्रच आजकल बहुत से ऐसे छोटे स्कूल खोले गए है जहां पर बच्चों को हर तरह की बाते सीखने को मिलती है, जैसे कि वहां पर बच्चों को साफ रखने, गंदे कपड़े बदलने, उनके खान-पीने के साथ खेलने तक का भी ध्यान रखा जाता है। ऐसी जगहों को क्रच कहा जाता है। क्रच में बहुत से हमउम्र बच्चे रहते हैं जिनके साथ आपके बच्चे छोटी-छोटी चीजों को भी सीखते हैं।

सेफ जगह बच्चो के लिए क्रच सेफ जगह है। यहां पर बच्चों के सोने की जगह, खेलने के लिए खिलोने और घर जैसा माहौल होता है।

खिलोनें क्रच में बच्चों के खेलने का सामान बच्चों की उम्र के हिसाब से रखा होता है जैसे कि रंगबिरंगे खिलौने, मोटरगाडियां, वीडियो गेम्स, कार्टून देखने के लिए टीवी, उन के सोने के लिए बैड, पढ़ने-लिखने के लिए बच्चों की कुछ किताबें।

मेड क्रच में बच्चों को संभालने के लिए 2-3 मेड भी रखी होती है जो कि सुबह से लेकर शाम तक बच्चों की अच्छे से केयर करता है।

समय और फीस

क्रच में बच्चों की उम्र के हिसाब से उनका समय और फीस रखी जाती है। अगर बच्चा 5-6 महीने का है तो उसे वह सुबह के 7 बजे से शाम के 7 बजे तक क्रच में रहता है तो ऐसे में उसकी फीस भी इसी हिसाब से रखी जाती है। जिन क्रच में बच्चों को खाना भी दिया जाता है वहां की फीस भी ज्यादा होती है।

सूचित करना

अगर क्रच में कोर्इ बच्चा रो रहा होता है तो उसे चुप करवाते हैं। अगर बच्चा बीमार तो क्रच वाले उसकी जानकारी उनके माता-पिता को देते हैं। वह खुद से कोई भी दवा नही देते बल्कि माता-पिता को फोन पर बता देते हैं। बताने के बाद अगर बच्चे के माता-पिता दवा देने के लिए बोले तो ही वह बच्चें को दवा देते हैं।

स्पोर्ट्स

फ्रांस में खेले जा रहे फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट 2020 में महिलाओं के युगल मैच के दौरान सोफिया केनिन और बेथानी माटेक खुशी जाहिर करते हुए।

मोर्गन और रसेल के बाद बल्लेबाजी के लिए आएं कप्तान कार्तिक, तो आएंगे बेहतर नतीजे - गंभीर

शारजाह। कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में दो बार खिताब दिलाने वाले पूर्व कप्तान गौतम गंभीर का मानना है कि फ्रेंचाइजी टीम के वर्तमान कप्तान दिनेश कार्तिक को इयोन मोर्गन और आंद्रे रसेल के बाद बल्लेबाजी के लिए आना चाहिए। गंभीर ने कहा सुनील नारायण से पारी की शुरुआत कराने की बजाय उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नीचे उतारना चाहिए।

कार्तिक की मुंबई इंडियन्स के खिलाफ तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए 23 गेंदों पर 30 रन की पारी को छोड़ दें, तो अभी तक वह बल्लेबाजी में खास योगदान नहीं दे पाए हैं, जबकि वह मोर्गन से पहले बल्लेबाजी के लिए उतरे। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मैच में पांचवें नंबर पर उतरकर उन्होंने केवल पांच रन बनाए जबकि मोर्गन (18 गेंदों पर 44) और राहुल त्रिपाठी (16 गेंदों पर 36) क्रमश- छठे और आठवें नंबर पर बल्लेबाजी के लिए आए।

गंभीर ने कहा राहुल त्रिपाठी को बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आना चाहिए। दिनेश कार्तिक को मोर्गन और रसेल के बाद छठे नंबर पर उतरना चाहिए। सुनील नारायण को आठवें या नौवें नंबर पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। अगर मोर्गन चौथे और रसेल पांचवें नंबर पर आते हैं तो दिनेश कार्तिक उनके बाद क्रीज पर उतर सकते हैं। इस पूर्व भारतीय सलामी बल्लेबाज को लगता है कि कार्तिक का स्पिनर वरुण चक्रवर्ती को 19वां ओवर सौंपना सही फैसला नहीं था। इस ओवर में 20 रन गए थे।

उन्होंने कहा आपके सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजों को 18वां, 19वां और 20वां ओवर करना चाहिए, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हुआ। पैट कमिन्स से इन ओवरों में गेंदबाजी करवानी चाहिए। अगर स्पिनर से करानी है तो सुनील नारायण है। यहां तक कि शिवम मावी को आजमाया जा सकता है जिन्होंने पिछले मैचों में अच्छी गेंदबाजी की। आंद्रे रसेल यह भूमिका निभा सकता है। आपको अपने सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज को गेंद सौंपनी चाहिए। गंभीर ने कहा- हां वरुण चक्रवर्ती ने पहले कुछ ओवर अच्छे किये थे लेकिन आप एक युवा स्पिनर से 19वें ओवर में अच्छे परिणाम की उम्मीद नहीं कर सकते और वह भी शारजाह में। संभवत- यह गलत आकलन था।

प्रतिभाशाली सैम करन की गर्लफ्रेंड हैं बेहद ग्लैमरस समंदर से है बेइंतहा प्यार

दुबई। इंडियन प्रीमियर लीग 2020 में चेन्नई सुपरकिंग्स की ओर से खेल रहे सैम करन ने अबतक सभी को बेहद प्रभावित किया है। सैम करन ने अपनी गेंदबाजी और बल्लेबाजी से सभी का दिल जीता है। चेन्नई सुपरकिंग्स के फैंस उन्हें बड़ा मैच विनर मानते हैं। जिस तरह से करन ने कुछ मुकाबलों में क्रीज पर जाते ही छक्के जड़े हैं, वह उनके टैलेंट को दर्शाता है। सैम करन क्रिकेट के साथ-साथ अपने लुक्स के लिए भी काफी पॉपुलर हैं। सैम करन की भारत में अच्छी खासी महिला फैंस हैं। आपको बता दें सैम करन क्रिकेट के बाद अपनी गर्लफ्रेंड इसाबेला से बेहद प्यार करते हैं।

टीम के खराब प्रदर्शन के बाद भी मैच जीतने का राज धोनी ने खोला

दुबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने टीम के खराब प्रदर्शन के बाद भी दूसरा मैच जीतकर राहत की सांस ली। चेन्नई के लिए सबसे बड़ी खुशी ओपनर्स द्वारा रन बनाना रही। दोनों ओपनर्स ने 181 रन की अटूट साझेदारी कर चेन्नई को मैच जितवा दिया। मैच जीतने के बाद धोनी ने बताया कि आखिर कैसे उनकी टीम परफार्मेंस सुधारने में कामयाब रही। धोनी ने कहा- हमने बस छोटी चीजों को सही किया। हमें प्रक्रिया में पूरा विश्वास था। हम आज की तरह की शुरुआत के लिए देख रहे थे। यहीं से अनुभव मायने रखता है। यह अधिक आक्रामक होने के बारे में नहीं है।

वहीं, वॉटसन की पारी पर धोनी बोले- वह आज नेट्स में अच्छे दिख रहे थे। लेकिन आप जो चाहते हैं, उसे दोहराना होता है। बस वह कुछ ही समय से चल नहीं रहे थे। फाफ हमारे लिए हमेशा से अच्छे रहे हैं। वह गेंदबाजों को हमेशा लैप शॉट लगाकर भ्रमित करते रहते हैं। वे एक-दूसरे की तारीफ भी करते हैं। वहीं, कोच फ्लेमिंग के साथ रिश्ते पर धोनी ने कहा- इस शख्स को उतनी पहचान नहीं मिली, जितनी मिलनी चाहिए थी। हमारे बीच अच्छी बात यह है कि हम अपने बीच की हर बात को तय करते हैं। ऐसा नहीं है कि हमारे पास चयनों पर बहस नहीं है। लेकिन यह हमारे बीच रहता है। धोनी बोले- हमने तय करना होता है- गेंदबाजों ने बहुत अच्छा काम किया है।

विराट कोहली टी20 क्रिकेट में बन सकते हैं 9000 रन पूरे करने वाले पहले बल्लेबाज

नई दिल्ली। आईपीएल स्पर्धा में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कप्तान विराट कोहली ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ नाबाद 72 रन की पारी खेलकर फॉर्म में लौटने के संकेत दिए। कोहली ने बैंगलोर के पहले तीन मैचों में 3, 1 और 14 रनों की पारी खेली थी। इसके बाद अबू धाबी में उन्होंने हाफ सेंचुरी बनाकर राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अपनी टीम को जीत दिलाई थी। 181 मैचों में 5502 रन बनाकर विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। सोमवार को विराट कोहली के पास दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मुकाबले के दौरान एक और उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। कोहली टी20 क्रिकेट में 9000 रन पूरे करने से सिर्फ 10 रन दूर हैं।

अगर कोहली दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ यह मुकाम हासिल कर लेते हैं तो वह 9000 रन पूरे करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। कुल मिलाकर देखें तो कोहली टी20 क्रिकेट में 9000 रन बनाने वाले सातवें बल्लेबाज बन सकते हैं। 270 पारियों में कोहली के नाम टी20 क्रिकेट में 41.05 के औसत से 8990 रन हैं। उनका स्ट्राइक रेट 134.25 का है। उन्होंने पांच शतक और 9 अर्धशतक लगाए हैं। टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन की बात करें तो क्रिस गेल इस सूची में सबसे आगे हैं। गेल के नाम 404 मुकाबलों में 13296 रन हैं। उसके बाद कायरन पोलार्ड 10370 रन बनाकर दूसरे पायदान पर हैं। पोलार्ड ने कुल 517 मैच खेले हैं। शोएब मलिक 9926, ब्रैंडन मैकलम 9922, डेविड वॉर्नर 9451 और आरोन फिंच 9148 रन बनाकर इस लिस्ट में इसके बाद जगह बनाते हैं। इसके अलावा कोहली आईपीएल में 200 छक्के पूरे करने के भी करीब पहुंच गए हैं। कोहली इस समय टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में छठे पायदान पर हैं।

चौथे मैच की पराजय पर बोले केएल राहुल- यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है

दुबई (ईएमएस)। आईपीएल अपने रोमांच से गुजर रहा है ऐसे में किंग्स इलेवन पंजाब के कप्तान केएल राहुल ने सीजन में चौथा मैच हारने के बाद कहा कि बहुत सारी गेंमों में हारने की तरह होकर काफी अटपटा लगता है। हमें और बेहतर और बेहतर तरीके से वापस आने की जरूरत है। यह कोई रॉकेट साइंस नहीं है जहां हम गलत हो रहे हैं, यह बस जिम्मदारियों को सही तरीके से निभाने के बारे में हैं। जब हमने बल्लेबाजी शुरू की, तो विकेट थोड़ा रुक गया और जब स्पिनर वहां आए तो कुछ टर्न देखने को मिली। हमें पता था कि अगर हमें शुरुआत में वाटसन और डु प्लेसिस के विकेट नहीं मिलते हैं, तो हम मुश्किल में पड़ जाएंगे। राहुल बोले- एक कप्तान के रूप में आक्रमण करना थोड़ा मुश्किल होता है जब वे पावरप्ले में ही 10 की रनरेट से जा रहे होते हैं। वे सभी पेशेवर खिलाड़ी हैं, इसलिए हम उनसे बेहतर वापसी की उम्मीद कर सकते हैं। हमें प्रशिक्षण को कठिन रखने, अभ्यास करने और खेल में महत्वपूर्ण क्षणों को जीतने की कोशिश करने की आवश्यकता है। उम्मीद है कि हम वापसी करेंगे। बता दें कि पंजाब की टीम अब पांच में से चार मैच गंवाकर अंक तालिका में आठवें नंबर पर आ गई है।

450 रुपए सस्ता हुआ सोना

मुंबई। कोरोना काल शुरू होते ही शेयर बाजार में भारी गिरावट आने के साथ सोने में निवेश में तेजी के साथ बढ़ोतरी देखी गई थी। अब सोने की कीमतें अपने उच्च स्तर से करीब 6000 तक गिर चुकी हैं। सोमवार को भी सोना 450 रुपए से भी अधिक सस्ता हुआ है। इस कारोबारी हफ्ते की शुरुआत में ही सोने की चमक फीकी पड़ती दिख रही है। इससे पहले सोना 50,470 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बंद हुआ था, जो सोमवार को 50,230 रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला। ये गिरावट अभी लगातार जारी हहि। शुरुआती कारोबार में ही सोने ने 50,088 रुपए का न्यूनतम स्तर भी छू लिया। सोना शुरुआती कारोबार के दौरान अपने ओपनिंग प्राइस से ऊपर नहीं जा सका है। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों की कटान की जिससे वायदा बाजार में सोना गुरुवार को 0.1 प्रतिशत की गिरावट के साथ 50,286 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। एमसीएक्स में दिसंबर महीने में डिलिवरी वाले सोना अनुबंध की कीमत 48 रुपए की गिरावट के साथ 50,286 रुपए प्रति 10 ग्राम रह गया। इसमें 15,229 लॉट के लिए कारोबार हुआ। हालांकि न्यूयार्क में सोने का भाव 1.48 प्रतिशत बढ़कर 1,879.30 डॉलर प्रति औंस हो गया।

किआ सोनेट बिक्री के मामले में बनी नंबर वन

मुंबई। किआ सोनेट ने लांचिंग के कुछ ही दिनों में बिक्री के मामले में नया बेंचमार्क स्थापित कर लिया है। इसका सीधा मुकाबला मारुति सुजुकी ब्रेजा, हुंडई वेन्यू, टाटा नेक्सॉन, महिंद्रा एक्सयूवी 300 और फोर्ड इकोस्पोर्ट जैसी कारों से है। भारतीय बाजार में किआ सोनेट की 18 सितंबर को दमदार एंट्री हुई है। केवल 12 दिन में किआ सोनेट की 9,266 यूनिट ?बिक्री हो चुकी है। वहीं बुकिंग का ग्राफ 35 हजार को पार कर चुका है। जबकि वेटिंग लिस्ट लंबी होती जा रही है। अगर कॉम्पैक्ट एसयूवी सेगमेंट में बिक्री के आंकड़ों को देखें तो मारुति विटारा ब्रेजा की 9,153 यूनिट सितंबर में बिकी, जबकि हुंडई वेन्यू की सितंबर में 8,469 यूनिट सेल हुई. वहीं टाटा नेक्सॉन की 6,007 यूनिट सेल हुई। ये सभी गाड़ियां बिक्री में दक्षिण कोरियाई वाहन निर्माता किआ मोटर्स के सोनेट से पीछे है। किआ सोनेट तीन इंजन ऑप्शन्स में आती है. इसमें 1.2-लीटर पेट्रोल, 1.5-लीटर सीआरडीआई डीजल इंजन और 1.0-लीटर टर्बो-जीडीआई पेट्रोल इंजन हैं।

वोडाफोन-आईडिया ने उतारा नया प्लान

नई दिल्ली। वोडाफोन-आईडिया ने एक शानदार प्लान की पेशकश की है। यह प्लान एयरटेल और रिलायंस जियो की टक्कर के रूप में देखा जा रहा है। वोडाफोन-आईडिया का यह प्रीपेड रिचार्ज प्लान 351 रुपए में आता है। इस रिचार्ज प्लान पर कंपनी 100जीबी डाटा ऑफर कर रही है। इस रिचार्ज पैक पर यूजर्स को कोई फिक्स्ड डेली वैलिडिटी नही दी जा रही है। मतलब यूजर्स एक दिन में जितना चाहे डाटा खर्च कर सकते हैं। ?जियो की तरफ से 499 रुपए में 84जीबी डाटा क्रिकेट पैक पेश किया गया था। इस रिचार्ज प्लान पर ?जियो की तरफ से यूजर्स को ??डिज्नी हाटस्टार वीआईपी का मुफ्त सब्सक्रिप्शन ऑफर किया जाता है। ?जियो के इस प्लान की वैलिडिटी 56 दिनों की है। इस प्लान में रोजाना अधिकतम 1.5 जीबी डाटा दिया जाता है। वहीं एयरटेल की तरफ से 401 रुपए के प्री-पेड रिचार्ज प्लान पर ?डिज्नी हाटस्टार वीआईपी का मुफ्त सब्सक्रिप्शन ऑफर किया जाता है। साथ ही 28 दिनों की वैलिडिटी के साथ 30जीबी डाटा ऑफर किया जाता है।

चुनाव में गड़बड़ी को लेकर बेलारूस की राजधानी मिंस्क में प्रदर्शन जारी हैं। प्रदर्शन के दौरान लोगों को हटाने के लिए वाटर कैनन का उपयोग किया गया। 9 अगस्त को राष्ट्रपति चुनाव के बाद से हजारों हजारों बेलारूसवासी रोजाना विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

अजरबैजान के लोगों ने घरों में लगाए पाकिस्तानी झंडे

अजरबैजान। आर्मीनिया से जंग में पाकिस्तान और तुर्की खुलकर अजरबैजान का साथ दे रहे हैं। अजरबैजान के लोगों के घरों में लगे पाकिस्तानी और तुर्की झंडों से सारी स्थिति साफ हो गई है कि न देशों के आंतकी जंग में साथ दे रहे हैं। अर्मेनिया और अजरबैजान के बीच विवादित नागोर्नो-काराबाख को लेकर जारी जंग में पाकिस्तान की भूमिका को लेकर पूरी दुनिया हैरान थी। रूस इस जंग में अर्मेनिया के साथ हैं, लेकिन पाकिस्तान को लेकर हुए खुलासे ने सबको चौंका दिया था। पाकिस्?तान और तुर्की से हजारों आतंकी भेजे गए हैं। बताया जा रहा है कि ये आतंकवादी गृहयुद्ध से प्रभावित सीरिया और लीबिया के रास्ते नागोरनो-काराबाख भेजे जा रहे हैं। खबरों के मुताबिक इन आतंकवादियों को मुस्लिम देश अजरबैजान के पक्ष में ईसाई देश अर्मेनिया से युद्ध के लिए काफी पैसा दिया जा रहा है। जानकारी के अनुसार आर्मीनिया और अजरबैजान ने कहा कि अलगाववादी क्षेत्र नागोरनो-काराबाख को लेकर भीषण लड़ाई अब भी जारी है।

अजरबैजान के राष्ट्रपति ने हाल ही में कहा कि उनकी सेनाओं ने एक शहर और कई गांवों पर कब्जा कर लिया है जबकि आर्मीनियाई अधिकारियों ने कहा कि उनकी सेना ने विरोधी पक्ष को भारी नुकसान पहुंचाया है। इस क्षेत्र में 27 सितंबर को दोनों देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था जो अजरबैजान के तहत आता है लेकिन इस पर स्थानीय आर्मीनियाई बलों का नियंत्रण है। यह 1994 में खत्म हुए युद्ध के बाद इस इलाके में सबसे गंभीर संघर्ष है। अजरबैजान के राष्ट्रपति इलहम अलियेव ने कहा कि देश की सेना ने मदागिज शहर और सात गांवों में झंडा फहरा दिया है। नागोरनो-काराबाख अधिकारियों ने कहा कि उनके पक्ष के अब तक 150 से ज्यादा सैनिकों की मौत हो चुकी है। अजरबैजान के अधिकारियों ने अपनी तरफ के हताहत सैनिकों का विवरण नहीं दिया है लेकिन कहा कि उनके यहां 19 नागरिकों की जान जा चुकी है जबकि 55 अन्य घायल हुए हैं।

ब्राजील के एक सुपरमार्केट में अचानक गिरने लगी सामान से लदी आलमारियां, 1 की मौत

रियो। कोरोनाकाल में ब्राजील के एक सुपरमार्केट एक अनहोनी घटना में एक शख्स की दर्दनाक मौत हो गई हुआ यह कि शुक्रवार देर शाम अचानक एक सुपरमार्केट की सभी आलमारियां (शेल्व्स) और उन पर रखा सामान गिरने लगा। देखते ही देखते सभी शेल्व्स गिरने लगीं और सुपरमार्केट में भगद? मच गई। इसी भगद? में एक कर्मचारी की मौत हो गई जबकि 8 से ज्यादा लोग घायल बताए जा रहे हैं। प्रत्यदर्शियों के मुताबिक ये बिलकुल फिल्मों की तरह था जब एक शेल्व्स के गिरते ही अचानक एक के बाद एक सभी शेल्व्स गिरने लग जाती हैं। इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक फिलहाल पता नहीं लगाया जा सका है कि शेल्व्स गिरने का सिलसिला कहां से और कैसे शुरू हुआ। ये घटना साऊ पाउलो के मतीस अक्रेज्जो मिक्स्ड सुपरमार्केट की है। मरने वाली कर्मचारी की उम्र 21 साल है और उसका नाम एलेना ओलिवेरिया रोड्रिगेज बताया जा रहा है। एलेना की मौत एक शेल्व्स के नीचे दबने से हुई है। प्रत्यदर्शियों के मुताबिक अचानक शेल्व्स गिरने लगीं और एलेना और उसके 6 अन्य साथी भागने में नाकामयाब रहे। एलेना की मौत हो गई जबकि 3 की हालत गंभीर है जबकि अन्य 3 को मामूली चोटें आयीं हैं। ये घटना शाम करीब सवा आठ बजे की है और स्टोर मैनेजर के मुताबिक इस दौरान सुपरमार्केट में अक्सर सबसे ज्यादा भी? रहती है। पुलिस ने बताया कि ि?लहाल राहत कार्य संपन्न हो चुका है और मामले की सभी दृष्टिकोणों से जांच की जा रही है। पुलिस का मानना है कि ये किसी की शरारत या फिर सोची-समझी हर?त भी हो सकती है। स्टोर की सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही है, हालांकि अभी तक कोई शक के घेरे में नहीं है।

माली में 180 जिहादी जेल से रिहा

बमाको। माली के अधिकारियों ने राजधानी की एक जेल से 180 इस्लामी कट्टरपंथियों को छोड़ ?दिया और उन्हें देश के उत्तरी हिस्से में हवाई मार्ग से ले जाया गया। एक अधिकारी ने रविवार को देर रात इस बात की पुष्टि की। इससे ऐसा अनुमान लगाया जा रहा है कि इसके बदले में जिहादियों द्वारा बंधक बनाए गए विपक्ष के एक जानेमाने नेता जल्द रिहा हो सकते हैं। वह छह महीने से जिहादियों के कब्जे में हैं। सोमैला सिसे (70) को मार्च में अगवा किया गया था। माना जाता है कि नेता को छोड़ने के बदले में जिहादी माली सरकार से कुछ कैदियों को छोड़ने की मांग कर रहे थे।

सीईओ ने कारोबारी धारणा में सुधार के दिए संकेत- सीआईआई

नई दिल्ली (ईएमएस)। उद्योग संगठन सीआईआई की राष्ट्रीय परिषद में दस सप्ताह शामिल होने वाले शीर्ष 115 कंपनियों के सीईओ ने कारोबारी धारणा में सुधार होने तथा कंपनियों के प्रदर्शन में क्रमिक तेजी आने के संकेत दिये हैं। सीआईआई ने कहा कि एक सर्वेक्षण में ये मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) शामिल हुए। सर्वेक्षण में शामिल सीईओ धातु और खनन, विनिर्माण, वाहन, फार्मा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, निर्माण और अग्रणी सेवा क्षेत्र जैसे आईटीईएस, स्वास्थ्य आतिथ्य पर्यटन और ई-कॉमर्स आदि के प्रतिनिधि थे। उद्योग संगठन ने कहा ?कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लगातार उबरने का सिलसिला जारी है, क्योंकि कॉरपोरेट इंडिया देश के कई हिस्सों में लॉकडाउन के साथ व्यापार और आर्थिक गतिविधियों को फिर से शुरू कर रहा है। उसने कहा कि भारतीय उद्योग जगत अब इस वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में 50 प्रतिशत से अधिक की क्षमता के उपयोग का अनुमान लगा रहा है। हालांकि सीआईआई के अनुसार केंद्र और राज्यों दोनों सरकारों को जीवन के अलावा आजीविका पर ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता होगी। इसके लिए राज्यों के साथ-साथ जिलों द्वारा बार-बार लॉकडाउन लगाए जाने को रोकने के प्रयास किए जाने की आवश्यकता है। संगठन ने कहा कि लॉकडाउन न केवल आर्थिक गतिविधियों के पुनरुद्धार को बाधित करता है, बल्कि जीवन के मुद्दे पर वांछित परिणाम भी नहीं देता है। अर्थव्यवस्था को पूरी तरह से खोलने की मांग करना जरूरी है, जिससे क्षमता के उपयोग में तेजी आएगी। सीआईआई ने कहा कि केंद्र और आरबीआई द्वारा घोषित सुधारों व पुनरुद्धार के उपायों के साथ-साथ अधिकांश आर्थिक गतिविधियों के अनलॉक होने से चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में व्यावसायिक भावनाओं में धीरे-धीरे सुधार हुआ है।

लंदन परिवहन ने ओला को नया लाइसेंस देने से इनकार किया

नई दिल्ली। ट्रांसपोर्ट फॉर लंदन (टीएफएल) ने टैक्सी सुविधाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनी ओला को नया परिचालन लाइसेंस देने से इनकार कर दिया। कंपनी के कामकाज में कई तरह की खामियां सामने आने के बाद जन सुरक्षा को होने वाले खतरे को देखते हुए यह निर्णय लिया गया। हालांकि कंपनी ने कहा है कि वह इस फैसले को चुनौती देगी। लंदन के परिवहन नियामक टीएफएल ने कहा है कि उसने ओला को लंदन में निजी टैक्सी सेवाएं देने से इनकार किया है। कंपनी को इसके लिए उपयुक्त नहीं पाया गया है। कंपनी के कामकाज में कई तरह की कमियां पाई गई है जो कि जन सुरक्षा को जोखिम में डाल सकती हैं। ओला ने ब्रिटेन की राजधानी लंदन में इस साल फरवरी में ही परिचालन शुरू किया है। उसके पास टीएफएल के फैसले को चुनौती देने के लिए 21 दिन का समय है। अपील प्रक्रिया का निर्णय आने तक कंपनी परिचालन जारी रख सकती है। ओला ब्रिटेन के प्रबंध निदेशक मार्क रोजेंडल ने कहा कि कंपनी उसकी समीक्षा के दौरान टीएफएल के साथ काम करती रही है, जो भी मुद्दे उठाये गए, उन्हें खुले तरीके से दूर किया गया। उन्होंने कहा कि ओला इस फैसले को चुनौती देने के अवसर का लाभ उठायेगी और ऐसा करते हुए वह अपने ग्राहकों और चालकों को यह आश्वासन देती है कि कंपनी सामान्य ढंग से काम करती रहेगी और लंदन में सुरक्षित और भरोसेमंद परिवहन सुविधा उपलब्ध कराती रहेगी।

एलएंडटी को घरेलू बाजार में आर्डर प्राप्त हुए

नई दिल्ली। ढांचागत सुविधाएं देने वाली कंपनी लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने सोमवार को कहा कि उसे घरेलू बाजार में विभिन्न कारोबार के लिए कई आर्डर ?मिले हैं। कंपनी ने इन आर्डर के बारे में पूरा ब्योरा तो नहीं दिया है लेकिन यह कहा है कि ये आर्डर महत्वपूर्ण श्रेणी में आते हैं। अनुबंध के वर्गीकरण के मुताबिक आर्डर की कीमत 1,000 करोड़ रुपए से लेकर 2,500 करोड़ रुपए के दायरे में है। एलएंडटी ने एक नियामकीय सूचना में कहा ?कि एलएंड टी की निर्माण इकाई ने एक प्रमुख ग्राहक से उसके विविध कारोबार से संबंधित महत्वपूर्ण आर्डर प्राप्त किए हैं। एलएंडटी कंस्ट्रक्शन की जल एवं उत्प्रवाही शोधन व्यवसाय को गुजरात सरकार के नर्मदा जल संसाधन, जलापूर्ति एवं कल्पसार विभाग से तापी-करजन पाइपलाइन लिंक सिंचाई योजना से फिर से आर्डर प्राप्त हुआ है। कंपनी ने कहा कि इसके तहत गुजरात में सूरत और तापी जिले में 16,919 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई के लिए कई जलाशाय से 14.2 घनमीटर प्रति सैंकंड पानी को पहुंचाना है।

एमएसपी पर धान खरीदने 41084 किसानों को 1082 करोड दिए

नई दिल्ली। राज्यों द्वारा 2020-21 के लिए धान की खरीद शुरू करने के साथ ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर धान खरीदने के लिए करीब 41,084 किसानों को 1,082 करोड़ रुपए से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय द्वारा जारी एक विज्ञप्ति के मुताबिक खरीफ विपणन मौसम 2020-21 के लिए धान और कपास की खरीद शुरू हो गई है। तीन अक्टूबर तक धान की कुल खरीद 5,73,339 टन थी। इससे कुल 41,084 किसानों को लाभ मिला और एमएसपी का कुल भुगतान करीब 1,082.46 करोड़ रुपए रहा। खरीफ विपणन मौसम 2020-21 के दौरान कपास की खरीद एक अक् तूबर 2020 से शुरू हुई। पंजाब और हरियाणा में 26 सितंबर से धान की खरीद शुरू हुई, जबकि बाकी राज्यों में इसकी शुरुआत 28 सितंबर से हुई। सरकार ने चालू वर्ष के लिए धान का एमएसपी (सामान्य श्रेणी) 1,868 रुपए प्रति क्विंटल तय किया है, जबकि ए श्रेणी के धान की एमएसपी 1,888 रुपए प्रति क्विंटल तय की गई है। इस बार सरकार दैनिक खरीद के आंकड़े जारी कर रही है, ताकि किसानों के बीच यह संदेश जाए कि एमएमपी को खत्म करने का उसका कोई इरादा नहीं है। नए कृषि कानूनों को लेकर पंजाब और हरियाणा सहित कई अन्य राज्यों में किसान विरोध कर रहे हैं।

अमेजन के त्यौहारी सेल से जुड़ेंगे एक लाख किराना स्टोर

नई दिल्ली। ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी अमेजन इंडिया के इस साल के त्योहारी सेल से एक लाख से अधिक स्थानीय दुकान, किराना स्टोर तथा गली-मोहल्ले के स्टोर जुड़ने वाले हैं। कंपनी ने कहा कि इन दुकानों को विभिन्न मुहिमों के जरिये जोड़ा जाएगा। 20 हजार से अधिक ऑफलाइन रिटेलर, किराना और स्थानीय दुकानदार पहली बार 'ग्रेट इंडियन फेस्टिवल' में भाग लेंगे। ये रोजमर्रा के सामान, बड़े उपकरणों और घर की सजावट के सामानों की बिक्री करेंगे। इस फॉर्मेट के जरिये दुकान मालिक डिजिटल मौजूदगी दर्ज कर सकेंगे और अपनी पहुंच का विस्तार कर सकेंगे। इससे ग्राहकों को अपने शहरों में स्थानीय स्टोर से खरीदारी करने की सुविधा मिलेगी।

पेटीएम ने पेश किया मिनी ऐप स्टोर

मुंबई। प्रमुख फिनटेक कंपनी पेटीएम ने अपने स्टोर पर एंड्रॉयड मिनी ऐप स्टोर पेश करने की घोषणा की है ताकि भारतीय डेवलपरों को आम लोगों के लिए ऐप्लिकेशन तैयार करने में मदद मिल सके। नोएडा के इस स्टार्टअप ने इसके जरिये एंड्रॉयड ऐप्लिकेशन के प्रमुख वितरक के तौर पर गूगल के प्लेस्टोर के एकाधिकार को खत्म करने की कोशिश की है। पेटीएम इन मिनी-ऐप को अपने ऐप पर बिना किसी शुल्क के सूचीबद्ध करने और वितरित करने की सुविधा उपलब्ध कराएगी। भुगतान के लिए डेवलपर अपने उपयोगकर्ता को पेटीएम वॉलेट, पेटीएम पेमेंट्स बैंक, यूपीआई, नेट बैंकिंग और कार्ड के इस्तेमाल का विकल्प दे सकेंगे।

रंग संसार

फिल्म उद्योग की पटरी वापसी पर काफी खुश हैं वाणी कपूर

फिल्म बेल बॉटम सुपरस्टार अक्षय के साथ नजर आने वाली अभिनेत्री वाणी कपूर फिल्म उद्योग को वापस पटरी पर लौटता देखकर खुश हैं। इस बारे में वाणी ने कहा कि %बेल बॉटम% के लिए शूटिंग मजेदार और एक अच्छा अनुभव रहा है। चल रही महामारी के बीच कई चुनौतियों के बावजूद टीम एक बड़े क्रू टीम के साथ फिल्मांकन करते समय सहज और सुरक्षित शूटिंग का अनुभव उपलब्ध करने में कामयाब रही, जिसके लिए वे सभी श्रेय के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सुरक्षा और स्वच्छता के प्रति प्रतिबद्धता के कारण हम सेट पर सुरक्षित महसूस कर पाए। बता दें कि वाणी आयुष्मान खुराना के साथ अभिषेक कपूर की बेनाम रोमांटिक ड्रामा की शूटिंग शुरू करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अभिषेक कपूर द्वारा निर्देशित इस प्रगतिशील प्रेम कहानी में मैं आयुष्मान के साथ शूटिंग करने को लेकर उत्साहित हूं। मेरा फिल्म जगत धीरे-धीरे पटरी पर वापस आ रहा है और मैं इसे लेकर बहुत आभारी हूं।

आज का राशिफल

मेष - आरोग्य-भय, बाधा से बचें, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, आशानुकूल सफलता का लाभ होगा।

वृष - मान-प्रतिष्ठा बाल-बाल बचे, इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे तथा स्त्री वर्ग से हर्ष होगा।

मिथुन - लेनदेन के मामलों में अधिक व्यय की सम्भावना है, इष्ट मित्र सुखवर्धक होवें।

कर्क - अधिकारियों के मेल-मिलाप से सुख-सामर्थ्य में वृद्धि तथा कार्यकुशलता से लाभ होगा।

सिंह - भाग्य का सितारा प्रबल होगा, बिगड़े कार्य बनें, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा।

कन्या - परिश्रम से कुछ सफलता जुटा सकते हैं, कार्यवृत्ति में सुधार अवश्य ही होगा।

तुला - स्त्री वर्ग से हर्ष-उल्लास, सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा, प्रभुत्व वृद्धि होगी, कार्य बनेंगे।

वृश्चिक - इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, तनाव-क्लेश व अशांति, अरोप व विभ्रम अवश्य ही होगा।

धनु - स्त्री शरीर कष्ट, मानसिक व्याधि, स्वभाव में उद्विघ्नता बनेगी।

मकर - धन लाभ, समय पर सोचे हुए कार्य बनेंगे, कार्य वृत्ति में सुधार अवश्य ही होगा।

कुम्भ - इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे, अधिकारी वर्ग के तनाव से आप अवश्य ही बचें।

मीन - कार्यगति में अनुकूलता, चिन्ताएङ्क कम होंगी, सफलता के साधन अवश्य ही जुटायेंगे।

फिल्म थलाइवी की 7 महीने बाद शूटिंग शुरू करेंगी कंगना रनौत

अभिनेत्री कंगना रनौत ने अपनी फिल्म %थलाइवी% के लंबित काम को पूरा करने के लिए दक्षिण भारत का रुख किया। उन्होंने ट्वीट किया कि प्यारे दोस्तों आज एक बहुत ही खास दिन है, सात महीने के बाद फिर से काम शुरू कर रही हूं, मेरे सबसे महत्वाकांक्षी द्विभाषी प्रोजेक्ट थलाइवी के लिए दक्षिण भारत की यात्रा पर हूं, इस महामारी की इस परीक्षा की घड़ी में आपके आशीर्वाद की जरूरत है। इसके अलावा कंगना ने अपने प्रशंसकों के लिए ट्वीटर पर कुछ मॉर्निंग सेल्फी पोस्ट की। उन्होंने आगे लिखा कि सुबह ये सेल्फी क्लिक की है, उम्मीद है आप सभी को पसंद आएंगी। बता दें कि कंगना लॉकडाउन की शुरुआत से मनाली में अपने परिवार के साथ समय बिता रही थीं। वह बीच में कुछ दिनों के लिए मुंबई भी गई थीं, जब बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) ने शहर में उनके कार्यालय में अवैध निर्माण का दावा करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया था।

मुरैना का मोदी दुबई में विख्यात, घर से चल रहा मैच का बड़ा कारोबार

गोपीनाथ की पुलिया पर बना अपार्टमेंट बना सटोरियों का मुख्य केंद्र

मुरैना। डेढ़ दशक में फर्श से अर्श पर पहुंचा जीवाजी गंज का मैच सट्टा किंग देखते-देखते दुबई का भी किंग बन गया है। आईपीएल मैच का सीजन आरंभ होते ही जीवाजी गंज का मोदी जिले में मैच सट्टा किंग का बेताज बादशाह के रूप में पहचान बना चुका है। पहले एमसीएक्स और डिब्बे का कारोबार करता था और अब आईपीएल सहित अन्य सीरीज के मैच का सट्टा खिलाता है, दौलत इतनी है कि खाकी वर्दी एवं सफेदपोश नेता भी उसके सामने टिक नहीं पाते हैं और इसलिए पुलिस कर्मचारियों की हिम्मत नहीं कि उस पर हाथ डाला जा सके। शहर में 1 सैकड़ा से अधिक स्थानों पर आईपीएल मैच का बड़ा कारोबार हो रहा है, यह सूचना पाकर अब पुलिस ने अपने मुखबिर चहूं और फैला दिए हैं, जिससे युवाओं को लूट रहे सट्टा किंगो पर कार्यवाही की जा सके।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जीवाजी गंज में आलीशान मकान में रह कर मैच का बड़ा कारोबार करने वाला मोदी एंड कंपनी के नाम से फैमस उक्त कुख्यात सटोरिए के घर में इन दिनों मैच का बड़ा कारोबार चल रहा है। बताया जाता है कि मकान की तीसरी मंजिल पर एक विशाल हॉल में इंटरनेट का बड़ा नेटवर्क बनाया गया है और यहां तमाम बड़ी एलईडी लगाकर काफी वर्कर भी बैठा रखे हैं, जो सैलरी पर काम करते हैं और उनके द्वारा मैच के पूरे कारोबार की खाईवाडी की जाती है। सूत्र बताते हैं कि उक्त मोदी एंड कंपनी के कुछ लोग समय-समय पर दुबई भी जाते हैं और कई कई दिन तक रुक कर वहां से पूरा कारोबार

हैंडल करते हैं तथा प्रतिदिन करोड़ों रुपए का संभाग भर से लेन-देन उक्त कंपनी द्वारा किया जाता है। बताते हैं कि मैच सट्टे के कारोबार की जानकारी किसी को ना हो, इसके लिए उक्त कंपनी द्वारा कई अन्य सेक्टर में भी काम किया जा रहा है जैसे कि आटा फैक्ट्री सहित अन्य कारोबार किए जा रहे हैं, जिससे लोगों की नजरों से बचा जा सके। फिलहाल उक्त मोदी एंड कंपनी का डंका चंबल संभाग में बज रहा है, लेकिन पुलिस अधिकारियों की हिम्मत नहीं है कि इस बड़े सट्टेबाज पर कार्यवाही की की जा सके।

इसी प्रकार शहर के गोपीनाथ की पुलिया के पास स्थित एक अपार्टमेंट में इन दिनों वृहद स्तर पर मैच सट्टे का कारोबार चल रहा है। सूत्र बताते हैं कि इस अपार्टमेंट में अधिकांश फ्लैट सटोरियों ने स्वयं खरीद लिए हैं अथवा किराए पर ले लिए हैं और यहीं से मैच का लाखों रुपए का कारोबार प्रतिदिन किया जा रहा है, हालांकि कोतवाली पुलिस ने 1 एवं दो अक्टूबर को सटोरियों पर कार्यवाही कर कुछ युवकों को पकड़ा भी था, लेकिन जो पकड़ में आए, वह छोटी मछली थे, बड़ी मछलियां अभी भी शहर में अपना काम कर रही हैं। गोपनीय सूत्र बताते हैं कि पुलिस अधिकारियों द्वारा अब सुनियोजित तरीके से मुखबिर तंत्र को मजबूत कर सटोरियों की जानकारी प्राप्त की जा रही है और शीघ्र ही इन पर बड़ी कार्यवाही हो सकती है।

उल्लेखनीय है कि जिले भर में जुआ एवं सट्टे का कारोबार तो पूर्व से ही संचालित है तथा प्रतिवर्ष आईपीएल सहित कई मैच सीरीज होने के दौरान भी यहां करोड़ों रुपए का सट्टा प्रतिदिन होता है। इस मैच के सट्टे में अधिकांश युवा पीढ़ी बर्बाद हो रही है, क्योंकि शीघ्र से शीघ्र पैसे कमाने के चक्कर में नव युवा 20-20 प्रतिशत पर कर्ज लेने से भी नहीं चूकते और बाद में जब मैच में हार कर बुरी तरह कर्ज में डूब जाते हैं तो आत्म हत्या जैसा जघन्य अपराध कर बैठते हैं। इसलिए पुलिस को चाहिए कि वह जिले भर में हो रहे मैच सट्टे के अवैध कारोबार को रोकने के लिए ठोस कदम उठाएं।

ब्रह्म के स्वर पत्रिका के द्वितीय अंक का हुआ विमोचन

मुरैना। शरीर का महत्वपूर्ण भाग मस्तिष्क होता है उसी तरह ब्राह्मण भी सर्वहारा वर्ग के मस्तिष्क के रूप में काम करता है। सदियों से ब्राह्मण समाज व राष्ट्र का मार्गदर्शक रहा है और निकट भविष्य में भी हम यही भूमिका में रहे, इसके लिए मिलकर प्रयास करने होंगे। सांसद विवेक नारायण शेजवलकर ने फूलबाग स्थित थियोसोफिकल सोसाइटी के सभागार में आयोजित ब्रह्म के स्वर पत्रिका के द्वितीय अंक के विमोचन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। अध्यक्षता सोसाइटी के अध्यक्ष डॉ केशव पांडेय ने की। जिला पंचायत के उपाध्यक्ष शांतिशरण गौतम विशिष्ट अतिथि थे। मुख्य अतिथि श्री शेजवलकर ने कहा की मैं ब्राह्मण समाज से तो हूँ ही और हर वक्त आपके साथ भी हूँ। उन्होंने यह भी कहा की उस परिवार में पला बढा हूँ, जहा जाति धर्म से परे होकर मानवता को महत्व दिया जाता है इसलिए मै सभी जाति धर्म के लोगो को साथ लेकर चलने में विशवास रखता हूँ। ब्रह्म के स्वर के प्रधान सम्पादक डॉ केशव पांडेय ने अपने उद्बोधन में कहा की जब भी किसी को कोइ पद मिलता है तो उसमें मद आ जाता है लेकिन शेजवलकर ऐसे सच्चे जनप्रतिनिधी है जो किसी भी प्रकार का अहंकार नहीं रखते। निश्चित तोर पर श्री शेजवलकर की कार्यप्रणाली हमको अहंकार से परे रहने की प्रेरणा देती है। कार्यक्रम में जिपं उपाध्यक्ष श्री गौतम ने कहा की ब्राह्मण समाज को कर्म से महान बनाना हमारा दायित्व है। इस अवसर पर ब्रह्म के स्वर के सह संपादक जीतेन्द्र शर्मा द्वारा सभी अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया गया। इस मौके पर सभी अतिथियों द्वारा ब्रह्म के स्वर के द्वितीय संस्करण का विमोचन किया गया। कार्यक्रम का संचालन थियोसोफिकल सोसाइटी के सचिव डॉ दिव्यार्थ दुबे के द्वारा एवं आभार प्रदर्शन सचिन पांडेय ने किया। कार्यक्रम के अंत में एसडीएम डबरा राघवेंद्र पांडेय को श्रद्धांजली अर्पित की गयी। इस अवसर पर ममता कटारे, व्यंजना मिश्रा, आशा त्रिपाठी, सीमा मुदगल, ऊषा चतुर्वेदी, राजेंद्र मुदगल, अरविन्द जैमिनी, राजेश शर्मा, राजेश पांडा, फौजी लालता मिश्रा, धीरेन्द्र शर्मा, योगेंद्र शर्मा, गिर्राज दुबे, रवि शर्मा, जेपी मुदगल, मुकेश दुबे, नागेंद्र शर्मा, नवीन शुक्ला नेपारी, सुमित सरकार सबलगढ़, पंकज शर्मा आदि उपस्थित रहे।

युवक का अपहरण कर लूट करने वाली गैंग की दो महिलाएं गिरफ्तार, तीन फरार

मुरैना। कैलारस थाना क्षेत्र में शुगर फैक्ट्री के पास दिनदहाड़े एक युवक को कट्टा अड़ाकर अपहरण कर सुनसान जगह पर एक मकान में ले गए और उसे लूट लिया तथा नंगा कर वीडियो बनाकर 2 लाख रुपए की डिमांड की। पीड़ित युवक उनके चंगुल से छूट कर पुलिस के पास पहुंचा और पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उक्त गैंग की दो महिला सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया। तीन फरार आरोपियों की पुलिस द्वारा तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फरियादी अरमान खान पुत्र फरीदा खान निवासी आलापुर थाना जौरा ने पुलिस को बताया कि 4 अक्टूबर की दोपहर वह अपनी महिंद्रा पिकअप गाड़ी से अपने घर अलापुर जा रहा था, रास्ते में शुगर फैक्ट्री के सामने तीन लोग सीडी डीलक्स मोटरसाइकिल से आए और गाड़ी चेक करने के लिए रोका, फिर कट्टा अड़ाकर मोटरसाइकिल पर बैठाकर शुगर फैक्ट्री के सामने रेल पटरी के पास सुनसान मकान में ले गए। जहां पहले से दो महिलाएं मौजूद थी। सभी लोगों ने मिलकर उसे जमकर पीटा और जेब में रखे 28 हजार रुपए नगद पर्स तथा उसमें रखे रुपए व कागजात छीन लिए। इसके बाद आरोपियों ने उसके कपड़े उतार कर महिला के साथ जबरन वीडियो बनाया और कहा

कि तुम जबरदस्ती घर में घुस आए हो और मेरे साथ बलात्कार किया है। इस प्रकार तेरे खिलाफ बलात्कार की रिपोर्ट दर्ज करा दी जाएगी, नहीं तो दो लाख रुपए लेकर आओ। किसी तरह अरमान वहां से निकल कर सीधा पुलिस थाने पहुंचा और पुलिस को सारी घटना बताई। कैलारस पुलिस ने तत्काल मामला दर्ज कर पुलिस अधीक्षक को अवगत कराया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में कैलारस थाना प्रभारी प्रवीण चौहान ने सोमवार की दोपहर उक्त घटना में शामिल आरोपी महिलाओं राजकुमारी पत्नी बंटी जाटव 40 वर्ष निवासी ग्राम बंगस सुजान गढ़ी एवं भारती पत्नी जितेंद्र जाटव 20 वर्ष निवासी ग्राम मडा तहसील विजयपुर को गिरफ्तार किया है तथा फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस ने बताया कि उक्त आरोपीगण महिलाएं पूर्व में भी इस प्रकार की घटना को अंजाम दे चुके हैं तथा धन कमाने के लिए इसी प्रकार के कृत्य करती रही हैं। उक्त गैंग की महिलाओं को पकड़ने में उप निरीक्षक अविनाश सिंह राठौड़, केके सिंह, विवेक शर्मा, हिमानी राजावत, श्यामवीर सिंह, शिव कुमार जाट, वीरपाल जाट, राकेश कुशवाह, सुरेंद्र कुशवाह, अरमान शाह, लाखन यादव, साकिर खान, अर्जुन गुर्जर आदि का विशेष योगदान रहा।

उत्प्रेती ब्राह्मण समाज कोरोना बचाव हेतु लोगों को किया जागरुक

मुरैना। देश में अब अनलाक की प्रक्रिया शुरू हो गई है। जिसके चलते बाजार और प्रतिष्ठान पूरी तरह खुलने के साथ-साथ धार्मिक तथा सामाजिक गतिविधियां भी शुरू हो गई हैं। जिनमें लोग लापरवाह हो कर शामिल हो रहे हैं। चूंकि कोरोना अभी गया नहीं है, यह अभी भी फैल रहा है। इसलिए किसी भी स्तर पर लापरवाही घातक हो सकती है। इसी को दृष्टिगत रखते हुए उप्रेती ब्राह्मण समाज के कार्यकर्ता धार्मिक आयोजन रामायण/सुन्दर काण्ड पाठ आदि के तहत होने वाले प्रसादी वितरण अथवा उठावनी और तेरहवीं में जहां अधिक लोगों के इकट्ठे होने की संभावना है वहां पहुंच कर लोगों को कोविड-19 की गाइडलाइन का पालन करने हेतु समझाइश दे रहे हैं तथा जो लोग इस तरह के आयोजनों में बिना गमछा अथवा मास्क के सम्मिलित होते हैं उन्हें पूरी तरह गांधी वादी तरीके से फूल और मास्क भेंट कर कोरोना से बचाव हेतु प्रेरित कर रहे हैं। इसी कार्यक्रम के तहत सोमवार को गणेश पुरा में हुई एक तेरहवीं में बिना मास्क के सम्मिलित हुए लगभग एक सैकड़ा लोगों को पुष्प भेंटकर मास्क प्रदान किए। इस अवसर पर समिति अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद शर्मा, वरिष्ठ सदस्य बृजकिशोर शर्मा, केशव देव शर्मा, गिर्राज शरण उप्रेती, विजय शर्मा, गनपति शर्मा, मूल चंद शर्मा, प्रदीप शर्मा उर्फ बंटी, महेश शर्मा सहित अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लायंस क्लब का प्रांतीय आस्था जागरूकता सेवा सप्ताह शुभारंभ

मुरैना। मुरैना के सभी लायंस क्लब का संयुक्त रूप से जागरूकता सप्ताह बेबिनार के रुप में जूम के माध्यम से 4 से 10 अक्टूबर तक मनाया जायेगा। जिसमे 4 अक्टूबर को महात्मा गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जयंती के उपलक्ष्य में देशभक्ति गीतों की प्रस्तुति सभी क्लब के अध्यक्ष और सदस्यों ने दी। इसी प्रकार 5 अक्टूबर को तरूण एंव युवा भारत को समर्पित नशा मुक्ति आंदोलन जिसमें मुख्य अतिथि प्रांतपाल लायन आलोक अग्रवाल, मुख्य वक्ता डॉ. संजय शर्मा नोडल अधिकारी, रीजन चेयरपर्सन लायन मनोज अग्रवाल, डॉ. संजय शर्मा ने कहा सेहत का दिवाला निकाला गुटखा पान मसाला धूम्रपान ने, इनसे रहोगो दूर तो खुशियां मिलेगी भरपूर। इस बेबिनार मे जोन चेयर पर्सन्स राजेश बांदिल, डॉ. रीतु राठी, नवल गोयल, किडस कान्वेंट स्कूल के छात्र-छात्राओं, पांचों क्लब के अध्यक्ष समन्वय की अध्यक्ष निधि गुप्ता, वेस्ट की अध्यक्ष एड. सपना बंसल, मयूर वन के अध्यक्ष कौशल मंगल, मुरैना के श्याम सुंदर बंसल, मुरैना सेंट्रल के संजीव वर्मा प्रभारी मीना गुप्ता, डॉ हेमा सिंघल, पं.जेपी शर्मा और सभी क्लब के पदाधिकारी एंव सदस्य शामिल हुए।

जिला जल उपयोगिता समिति की बैठक 7 को

मुरैना। जिला जल उपयोगिता सीमिति की बैठक कलेक्टर श्री अनुराग वर्मा की अध्यक्षता में 7 अक्टूबर को दोपहर 12 बजे न्यू कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई है। बैठक में वर्ष 2020-21 की रबी फसल, सिंचाई हेतु नहरों में जल प्रदाय और अन्य विषयों पर चर्चा की जावेगी।

आज विद्युत बंद रहेगी

मुरैना। विद्युत मंडल के उपमहाप्रबंधक ने बताया कि 33 केव्ही एवं 11 केव्ही लाईनों पर पावर ट्रान्सफार्मर एवं रख-रखाव कार्य होने के कारण 06 अक्टूबर मंगलवार को सुबह 10 से सायं 4 बजे तक 33 केव्ही महाराजपुर, 11 केव्ही ओल्ड हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी 11 केव्ही दाऊजी नगर, 11 केव्ही धौलपुर, 11 केव्ही नूरावाद एवं 11 केव्ही जौरा रोड़ से संबंधित उपभोक्ताओं की विद्युत सप्लाई बंद रहेगी।

कोरोना काल के बाद पहली जिला स्तरीय पॉवर लिफ्टिंग प्रतियोगिता आयोजित

मुरैना। वैश्विक महामारी कोरोना की वजह देश मे बंद हुई सारी खेल प्रतियोगिताएँ अब धीमे धीमे शुरु होकर अपने मूल रूप मे आ रही हैं। इसी क्रम में मध्यप्रदेश की पहली प्रतियोगिता मुरैना मे जिला स्तरीय चैंपियनशिप से जिला मुरैना पॉवर लिफ्टिंग एसोसिएशन द्वारा आयोजित कर शुरु की गयी। प्रतियोगिता की अध्यक्षता कर रहे पुलिसवाला न्यूज चैनल उप संपादक दिगविजय सिंह सेंगर और संस्कृति पब्लिक स्कूल के संचालक नीलेश तोमर ने सबसे पहले हनुमान जी की आरती और माल्यार्पण कर प्रतियोगिता की रिबन काट शुभारम्भ किया।

जिला मुरैना पॉवर लिफ्टिंग सचिव अरुण शर्मा ने बताया कि कोरोना काल के बाद खेल मे प्रतियोगिता मे बहुत सारे बदलवाओं का सामना करना पड़ा। पर खिलाडियों का वही जोश ओर जज्बा बरकार है, हालांकि खिलाड़ियों के परफोर्मेंस मे थोड़ी सी गिरावट देखने को मिली। प्रतियोगिता के मुख्य अथिति सिविल लाईन थाना प्रभारी विनय यादव, सब इंस्पेक्टर मेघा सोनी ने अंत खिलाड़ियो को मैडल ओर प्रमाण पत्र देकर प्रतियोगिता को विराम दिया। प्रतियोगीता मे निर्णायक की भूमिका मे अन्तराष्ट्रीय खिलाड़ी उदय शर्मा, जिला सचिव अरुण शर्मा, राष्ट्रीय खिलाड़ी शिवम तिवारी, विजयराजे परमार, सौरभ श्रीवास्तव ने निभाई। प्रतियोगिता की सबसे हाईजस्ट लिफ्ट पुरुष वर्ग मे 625 किलोग्राम बनवारी गुर्जर ओर महिला वर्ग मे 350 किलोग्राम ईशा सिंह ने लगाई।मैडल प्राप्त करने वाले खिलाडी गोल्ड मैडल-अनुज गोस्वामी, सोनू सिकरवार, अंकुश सिंह तोमर, आलोक मुदगल, सचिन राठौर, बनवारी गुर्जर, कुलदीप डण्डौतिया, रंजीत सिंह चौधरी, नितेन्द्र सिंह एवं महिला वर्ग से ईशा सिंह, अंजलि घनघोरिया एवं सिल्वर मैडल- अक्षय उपाध्याय, आकाश गुर्जर, विक्रम सिंह तोमर, राहुल शर्मा, मनीष गुर्जर, सुनील गुर्जर, सतीश गुर्जर तथा ब्रोंज मैडल-प्रदीप गौड़, सतीश गुर्जर ने प्राप्त किया है।

हाथरस केस में वाल्मीकि समाज ने निकाली विरोध रैली

एसडीएम को सौंपा 6 सूत्रीय ज्ञापन

अम्बाह। यूपी के हाथरस में 19 वर्षीय दलित युवती के साथ गैंग रेप और फिर उसके साथ की गई बर्बरता के खिलाफ पूरे देश में गुस्सा है। इसी क्रम में नगर अम्बाह में भी वाल्मीकि समाज ने मध्यप्रदेश महाबाल्मीकि पंचायत के बैनर विरोध जताया जिसमें बड़ी संख्या में समाज के युवाओं और महिलाओं बच्चो ने विरोध रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय जाकर ज्ञापन सौंपा, जिसमे आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग, पुलिस अधिकारियों की जांच कर सेवा समाप्त करने की मांग, मृतक के परिवार को एक करोड़ की आर्थिक सहायता, मृतक के परिवार को शहर में आवास व्यवस्था, मृतक के परिवार को आत्मरक्षा हेतु शस्त्र लायसेंस, मृतक के परिवार में से एक को जीवन यापन के लिए शासकीय नौकरी देने की मांग करते हुए 6 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से बाल्मीकि समाज के हेमंत सारवान ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ वैसे तो हिंदु धर्म के अगुवा बनते हैं लेकिन मनीषा के शव का रात को ढ़ाई बजे दाह संस्कार किया गया, जो पूरी तरह से गलत है। इसका जवाब पूरे देश को चाहिए। गौरतलब है कि 14 सितंबर को हाथरस के एक थाना क्षेत्र के एक गांव में 19 वर्षीय लड़की के साथ क्रूरता बरती गई थी। जिसे पहले अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के जवाहरलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया और फिर सोमवार को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया, जहां उसने मंगलवार को उसने दम तोड़ दिया था। अनुविभागीय कार्यालय में ज्ञापन देते समय हेमंत सारवान, अजय सारवान, संतोष, प्रदीप, सतीश, दिनेश, विनोद, मुकेश, जगदीश, अजीत, गोपाल, सूरज, धर्मवीर, धर्मेंद्र, आकाश, सालिगराम सहित बाल्मीकि समाज के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

बाइक पर अवैध शराब ले जाते तस्कर पकड़ा, 7 पेटी बरामद

मुरैना। विधानसभा चुनाव को देखते हुए अवैध शराब तस्करों के विरुद्ध पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत जौरा पुलिस ने बाइक पर अवैध शराब ले जाते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। जौरा पुलिस ने सोमवार की सुबह मुखबिर की सूचना पर से अलापुर नहर की पुलिया से कैलारस की ओर जा रहे शराब तस्कर मदन जाटव पुत्र सियाराम जाटव 24 वर्ष निवासी पुराना जौरा को 7 पेटी देसी शराब के साथ गिरफ्तार किया है, जिसकी कीमत 42 हजार रुपए बताई गई है। पुलिस ने आरोपी की मोटरसाइकिल भी जप्त की है, जिसकी कीमत 50 हजार रुपए है। उक्त आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी डीएस कुशवाह, उपनिरीक्षक कपिल पाराशर, आरक्षक विकास शर्मा, गजेंद्र सिंह, मुकेश, सुजान, भूपेंद्र आदि की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कलेक्टर ने लंबित पत्रों, लंबित सीएम हेल्पलाइन सहित आधार सीडिंग के कार्यों की समीक्षा की

मुरैना। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने सोमवार को न्यू कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में लंबित पत्रों की समीक्षा बैठक में स्भी विभाग प्रमुखों से शासन स्तर पर लंबित पत्रों, सीएम हेल्पलाइन की लंबित शिकायतों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिये है। बैठक में जिला पंचायत के सीईओ तरूण भटनागर, नगर निगम कमिश्नर अमरसत्य गुप्ता, अपर कलेक्टर उमेश शुक्ला, सभी एसडीएम, जनपद पंचायतों के सीईओ, नगरीय निकायों के सीएमओ सहित अन्य विभागों के कार्यालय प्रमुख उपस्थित थे। कलेक्टर अनुराग वर्मा ने वन नेशन वन कार्ड योजना के अन्तर्गत मुरैना जिले में हितग्राहियों की आधार सीडिंग के कार्य की निकायवार समीक्षा की। जिसमें नगर पालिका बानमौर 38 प्रतिशत, नगर पालिका झुण्डपुरा 43 प्रतिशत, नगर पालिका कैलारस 44 प्रतिशत, जनपद पंचायत कैलारस 47 प्रतिशत, जनपद पंचायत अंबाह 51 प्रतिशत, जनपद पंचायत मुरैना 52 प्रतिशत की प्रगति सबसे कम पाई गई। कलेक्टर ने नाराजगी व्यक्त की एवं 50 प्रतिशत से कम प्रगति वाले कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारियों को एससीएन जारी करने के निर्देश जिला आपूर्ति अधिकारी को दिये है। कलेक्टर ने बैठक में समस्त विभाग प्रमुखों को निर्देश दिये है कि शासकीय कर्मचारी किसी जनप्रतिनिधि के यहां कार्यरत नहीं है, इस संबंध में प्रमाणीकरण जिला निर्वाचन कार्यालय में देंगे।

कलेक्टर ने आयुक्त नगर निगम, समस्त सीईओ जनपद पंचायत, समस्त सीएमओ नगर पालिका, समस्त सीईओ जनपद पंचायत और समस्त मंडी सचिव को निर्देश दिये है कि महापौर और नगरीय निकायों के अध्यक्षों का शासकीय वाहन आज ही अपर कलेक्टर कार्यालय में पहुंचाना सुनिश्चित करें। रिटर्निंग ऑफीसर समस्त मतदान केन्द्रों में लेखन कार्य फार्मेट के अनुसार पीले बैक ग्राउण्ड पर काले अक्षरों में लिखवाना सुनिश्चित करें। शासकीय बिल्डिंगों पर कोई राजनीतिक पार्टी से संबंधित वाक्य या प्रचार लिखा नहीं होना चाहिये। समस्त विभाग प्रमुख इस संबंध में कार्यवाही करें। बैठक में सीएमओ नगरपालिका सबलगढ़ बिना सूचना के अनुपस्थित पाये गये। नगर पालिका सबलगढ़ का आधार सीडिंग का कार्य 59 प्रतिशत था। कलेक्टर ने एससीएन जारी करने के निर्देश दिये। बैठक में निर्वाचन प्रशिक्षण का एक सेशन समस्त एआरओ, आर ओ प्राप्त करें एवं एआरओ को मतदान सामग्री प्राप्त करने के लिये नोडल नियुक्त करें। कलेक्टर ने निर्देश दिये हैं कि मतदान केन्द्रों पर फर्नीचर, विद्युत कनेक्शन, पेयजल की व्यवस्था संबंधित विभाग करेगा। जिस विभाग का मतदान केन्द्र है।

कोलारस पुलिस ने ढाई सौ लीटर कच्ची शराब पकड़ी

कोलारस - कोलारस पुलिस थाना प्रभारी संजय मिश्रा के नेतृत्व गैर कानूनी कार्यों पर एक अभियान चलाकर शिकंजा कसा जा रहा है। चाहे वह रेत के डम्पर हों या क्षेत्र में चल रही कच्ची शराब की भट्टियां या जुआ सटटा एवं अन्य कोई भी गलत काम। इसी क्रम में विगत दिवस टी.आई. संजय मिश्रा एवं उनकी टीम के द्वारा एक कच्ची शराब का जखीरा पकड़ा कोलारस पुलिस को मुखिबिर के द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि लुकवासा के पास ग्राम लिलवारा में कच्ची शराब का काम बड़े पैमाने पर चल रहा है।

सूचना प्राप्त होते ही कोलारस पुलिस ने मौके पर पहुंच कर 250लीटर कच्ची शराब जिसकी बाजारू कीमत बीस हजार रू. है पकड़ लिया एवं धारा 34/2 अबकारी एक्ट में कार्यवाही की गई साथ में शराब बनाने वाले बर्तन एवं आरोपी भी पुलिस हिरासत में है। आरोपी का नाम अनीता कंजर पत्नी रामपाल कंजर निवासी लिलवारा बताया कच्ची शराब पकड़ने में इनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही थाना प्रभारी संजय मिश्रा, एसआई शिखा तिवारी, एएसआई जितन्द्र यादव, एएसआई अरूण वर्मा, आर. ध्रुव शर्मा, आर. नरेश दुबे, आर. प्रभजोत, आर. भूपेन्द्र, आर. दिलीप, आर. मंजुलता, आर. दीनू रघुवंशी की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

इनका कहना है.....

क्षेत्र में कोई गैर कानूनी कार्य नहीं होने दिया जायेगा यदि कोई करता है तो उसके खिलाफ दण्डात्मक कार्यवाही की जायेगी

संजय मिश्रा, टी. आई. कोलारस

पशुओं को रेलवे लाइन पर न चराने ग्रामीणों को किया जागरूक

मुरैना। रेसुब पोस्ट मुरैना कार्यक्षेत्र में पोस्ट प्रभारी नीरज महाजन के निर्देशन में उप निरीक्षक सुरेंद्र कुमार अपनी टीम के साथ रेलवे ट्रैक पर पशुओं के कटने की बढ़ती घटनाओं को रोकने लाइन के आसपास बने ग्राम जारेरूआ ,करूआ, जारोनी, सिकरोदा , पीपरसा, दीखतपुरा एवं कुंवारी विंडवा आदि में जाकर ग्राम सरपंच व ग्रामवासियों, ग्राम के प्रतिष्ठित नागरिकों को एकत्र कर उनको समझाया गया कि वह अपने जानवरों को लाइन के आसपास न चरावे, जिस पर ग्रामीणों ने आश्वासन दिया कि हमारे गांव का कोई भी व्यक्ति लाइन के आसपास अपने जानवर चराने नहीं जाएगा द्य उल्लेखनीय है कि गाड़ी से जानवरों के कटने की बढ़ती घटनाओं को रोकने रेलवे सुरक्षा बल द्वारा ग्राम वासियों को जागरुक किया जा रहा है। उप निरीक्षक श्री कुमार ने ग्रामीणों से अपील की कि वह अपने बच्चों को लाइन के आसपास ना भेजें। कोई भी पशु पालक अपने बच्चों को लाइन पर ना भेजें और बच्चों को समझाएं कि वह यात्री ट्रेनों पर पत्थर ना फेंके एवं रेलवे पटरी पर पत्थर या अन्य कोई वस्तु ना रखें, यह सब करने से स्वयं की जान खतरे में पड़ सकती है, वहीं हजारों यात्रियों की जान भी संकट में आ सकती है।

मुझे पद का कभी लालच नहीं रहा: कमलनाथ

मुझे प्रदेश के भविष्य की चिंता थी, मैं प्रदेश के नागरिकों को ऐसा प्रदेश नहीं सौंपना चाहता था, जिसमें सौदेबाजी की राजनीति हो इसलिए मैंने अपनी सरकार को बचाने व टिकाने के लिए कोई सौदा नहीं किया

भोपाल। मुझे कभी पद का लालच नहीं रहा, मुझे मध्यप्रदेश के भविष्य की चिंता थी, मैं प्रदेश के नागरिकों को ऐसा प्रदेश नहीं सौंपना चाहता था ,जिसमें सौदेबाजी की राजनीति हो इसलिए मैंने अपनी सरकार बचाने व टिकाने के लिए कोई सौदा नहीं किया। भाजपा ने प्रदेश में लोकतंत्र के खिलवाड़ के साथ-साथ ऐसी बिकाऊ राजनीति का खेल खेला कि उनके राज में पंचायत चुनाव की आवश्यकता भी नहीं ,बोली बोलो और सरपंच बना लो। उक्त संबोधन आज दतिया जिले के भांडेर में कांग्रेस प्रत्याशी फूल सिंह बरैया के समर्थन में आयोजित जनसभा में देते हुए पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कहा कि चुनाव तो 3 नवंबर को समाप्त हो जाएंगे, 1 नवंबर को झंडे-बैनर-पोस्टर भी उतर जाएंगे लेकिन प्रदेश का किसान यही रहेगा, युवा यही रहेगा। अब आप लोगों को यह तय करना है कि आप किसके हाथ में अब प्रदेश का भविष्य सौंपना चाहते हैं, कैसे प्रदेश का निर्माण आप करना चाहते हैं ? यह फैसला अब आपके हाथ में है।आप भले कांग्रेस का साथ ना दें ,कमलनाथ का साथ ना दे लेकिन सच्चाई का साथ जरूर दे।

इस अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए नाथ ने कहा कि कांग्रेस की संस्कृति विश्वास की ,जोड़ने की संस्कृति है।हम दिलों को जोड़ते हैं ,संबंध जोड़ते हैं ,रिश्ता जोड़ते हैं ,जाति-धर्म को जोड़ते हैं।पूरे विश्व में भारत देश ही ऐसा देश है जिसमें इतनी अनेकता है ,इतनी संस्कृति है ,इतनी भाषाएं ,इतनी जाति ,इतने धर्म है और यही कांग्रेस की संस्कृति है सबको जोड़ने की।

बाबासाहेब अंबेडकर ने ऐसा संविधान बनाया था जो सबकी रक्षा करें ,कमजोर वर्ग की भी रक्षा करें ,सभी धर्म ,सभी समुदायों की रक्षा करें लेकिन जिस प्रकार से उनके द्वारा बनाये गए संविधान के साथ भाजपा ने खिलवाड़ किया ,जिसके कारण आज प्रदेश पर उपचुनाव का बोझ आ पड़ा है। ऐसा उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि सौदेबाजी कर लो ,बिकाऊ बन जाओ और उप चुनाव की आवश्यकता आ पड़े लेकिन भाजपा यह जान ले कि छोटा सौदा छुप जाता है लेकिन बड़ा सौदा नहीं छुपता है।हमने वोट से सरकार बनाई और उन्होंने नोट से सरकार बनायी।

15 साल बाद प्रदेश में कांग्रेस की सरकार बनी थी।भाजपा ने मुझे ऐसा प्रदेश सौंपा , जिसमें कई चुनौतियां थी।हमारा प्रदेश किसानों की आत्महत्या से लेकर महिलाओं पर अत्याचार ,बेरोजगारी ,भ्रष्टाचार में देश में नंबर वन पर था।हमारे सामने कई चुनौतियां थी लेकिन इन 15 माह में अपने अपनी नीति और नियत का परिचय दिया।हमने 27 लाख किसानों का कर्ज माफ किया और हमारी सरकार आने पर हम बचे किसानों का भी कर्ज माफ करेंगे।हमारा खजाना खाली था लेकिन फिर भी हमने अपना वचन पूरा किया।मैं कमलनाथ हूँ, शिवराज नहीं।शिवराज जी की 15 साल की झूठी घोषणाओं की वास्तविकता सभी जानते हैं। उनकी हज़ारों घोषणाए आज भी अधूरी है। वे तो जेब में दो-दो नारियल लेकर चलते हैं ,जहां मौका मिलता है घोषणा करके नारियल फोड़ देते हैं लेकिन शिवराज जी आपका झूठ अब बहुत हो गया।मैंने सोचा था शिवराज जी हारने के बाद झूठ बोलना बंद कर देंगे लेकिन आज भी इतना झूठ बोलते है कि झूठ भी शर्मा जाता है। हमने माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई करी, मिलावटखोरों के खिलाफ अभियान चलाया, गौशाला बनायी, पिछड़े वर्ग को 27प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया ,किसानों का कर्ज माफ किया, 100 में 100 यूनिट बिजली प्रदान की, क्या यह मेरा गुनाह था, मेरी गलती थी?

प्रदेश में निवेश आता नहीं था क्योंकि प्रदेश में फैला भ्रष्टाचार और अव्यवस्थाओं के कारण निवेशकों के मन में विश्वास नहीं था।मैंने इस पहचान को बदलने का काम किया।शिवराज सरकार में जितने उद्योग लगते नहीं थे ,उससे ज्यादा बंद हो जाते थे। शिवराज जी को मै पहले भी चुनौती दे चुका हूं, आज भी चुनौती देता हूं।मुझसे 15 महीने का हिसाब मांगते हैं।आ जाये जनता के सामने , मै अपना हिसाब देने को तैयार हूँ वो अपने 15 वर्ष के शासनकाल का हिसाब सामने लेकर आ जाए। इन्हें जनता पर विश्वास नहीं है ,यह प्रशासन के माध्यम से चुनाव लड़ना चाहते हैं। मै प्रशासन को आगाह करना चाहता हूं कि यदि आप भाजपा का बिल्ला जेब में लेकर काम करेंगे तो एक माह बाद जनता को गवाह बनाकर आपसे हिसाब जरूर लूंगा।

धोखाधड़ी करने वाली कम्पनी और माफियाओं को बक्शा नहीं जाएगा : शिवराज

जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाली कम्पनी की 90 सम्पत्तियां कुर्क

कलेक्टर सीहोर ने पारित किया आदेश

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रदेश में किसी भी प्रकार के माफिया और जनता के साथ धोखाधड़ी करने वाली चिटफंड कम्पनियों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही के निर्देश दिये हैं। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा है कि मध्यप्रदेश की जनता के साथ धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। धोखाधड़ी करने वाली चिटफंड कम्पनियों को जड़ से उखाड़ा जाएगा और उनके विरूद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही भी की जाएगी, जिससे धोखाधड़ी करने वालों के मन में खौफ पैदा हो और प्रदेश की जनता धोखाधड़ी से बच सके। प्रदेश की जनता के साथ धोखाधड़ी करने वालों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान में सांई प्रसाद प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी की प्रदेशभर में 90 अचल सम्पत्तियां कुर्क की गई हैं। सीहोर जिले में लगभग 130 निवेशकों के करीब साढ़े तीन करोड़ रूपये की राशि उक्त कम्पनी में फंसे होने से कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सीहोर द्वारा सांई प्रसाद प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी के विरूद्ध सम्पत्ति कुर्की का आदेश जारी किया गया है।

सीहोर जिले के पुलिस थाना गोपालपुर के अपराध क्रमांक 17/2020 और थाना कोतवाली सीहोर में दर्ज अपराध क्रमांक 664/2016 के तहत पुलिस अधीक्षक सीहोर द्वारा जिला कलेक्टर को प्रतिवेदन प्रस्तुत कर सांई प्रसाद प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी में निवेशकों की राशि फंसे होने की सूचना दी गई। निवेशकों के धन वापसी एवं सुरक्षा की कोई व्यवस्था न होने से तीन अनावेदकों बालासाहब भापकर निवासी चिंचवाड पुणे, धर्मेन्द्र खाती निवासी सुनेड और समर सिंह मीणा निवासी गुलरपुरा नसरूल्लागंज की अचल सम्पत्ति कुर्क किये जाने की कार्यवाही के लिये लिखा गया।

कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सीहोर अजय गुप्ता द्वारा पुलिस अधीक्षक के प्रतिवेदन पर न्यायालयीन आदेश पारित करते हुए सांई प्रसाद प्रायवेट लिमिटेड कम्पनी के डायरेक्टर बाला साहब भापकर की मध्यप्रदेश के 11 जिलों में स्थित 90 सम्पत्तियों को राजसात कर कुर्क किये जाने के अंत कालिक आदेश पारित किया गया है। बाला साहब भापकर की जो सम्पत्तियां कुर्क की गई है, उसमें बालाघाट, ग्वालियर, बीना (सागर), सीहोर, हरदा और विदिशा जिले में एक-एक, आगर-मालवा जिले में 45, खरगौन जिले में 28, उज्जैन जिले में 5, भोपाल जिले में 4 और इंदौर जिले में 2 अचल सम्पत्तियां कुर्क की गई है। एक अन्य आदेश में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी सीहोर ने धर्मेन्द्र खाती निवासी सुनेड की ग्राम सुनेड में भूमि सर्वे नम्बर 106/2/1/1क, 108, 109 रकबा 1.274 हेक्टेयर, एक अल्टो कार और एक टीवीएस जुपीटर स्कूटी कुर्क करने के आदेश पारित किये हैं।

लहार पुलिस ने घटना के 24 घण्टे में दबोचा 307 का एक आरोपी

लहार। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में एबम अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन एवम एस.डी.ओ.पी लहार अवनीश बंसल के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत आज थाना प्रभारी लहार उपेंद्र छारी की अगुवाई में लहार थाना एस.आई आदिल खान ने बिगत तीन तारीक को लहार थाना क्षेत्र के ग्राम लालपुरा में हुई गोलीबारी का एक आरोपी घटना के 24 घण्टे में ही दबोच लिया लहार थाना एस.आई आदिल खान को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि आपके थाने में हत्या के प्रयास का एक आरोपी कही भागने की फिराक में लपवाह के पास खड़ा है मुखबिर की सूचना पर तुरंत तस्तीक करते हुए एक टीम गठित की गई जिसमें लहार थाना के सिंघम एस.आई सत्येंद्र सिंह कुशवाह एवम टीम के साथ मुखबिर के बताए स्थान पर दबिश दी गयी जैसे ही पुलिस मुखबिर के बताए स्थान पर पहुँची आरोपी ने भागने का प्रयास किया पर नाकामयाब रहा और उसे दबोच कर लहार थाने लाया गया और उससे पूंछतांछ की गई तो पूंछतांछ में उसने अपना नाम सरनाम उर्फ सन्ने पुत्र भोगीराम धानुक उम्र 40 बर्ष निबासी लालपुरा का होना बताया आरोपी के खिलाफ लहार थाने के अपराध क्र.325/20 धारा 307,294,506,34 में प्रकरण पंजीबद्ध है जिसे आज माननीय न्यायालय में पेश कर दाखिले हबालात किया गया लहार थाना पुलिस की इस कार्यबाही में थाना प्रभारी उपेंद्र छारी की टीम में एस.आई सत्येंद्र सिंह कुशवाहा, एस. आई आदिल खान,आरक्षक पंकज शर्मा,उग्रसेन गुर्जर,सुनील शर्मा, अनिल मिश्रा,शैलेन्द्र सिंह, बिसाल भदौरिया,अजय भारद्वाज एवम आरक्षक चालक धारा की सराहनीय भूमिका रही।

माध्यमिक शिक्षा मंडल की घोर लापरवाही

भोपाल। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश, भोपाल में एक प्रकरण में घोर लापरवाही उजागर हुई है। प्रकरण यह है कि कु. यामिनी शर्मा ने कक्षा 12 वीं में अकाउंट विषय के साथ बोर्ड परीक्षा दी थी, परीक्षा परिणाम में इन्हे लेखाकर्म विषय में पूरक दर्शा दिया गया। इसके बाद जाकरुक छात्रा ने कापी का मूल्यांकन एवं कापी खुलाने का मा.शि.मं. में आवेदन प्रस्तुत कराया, जिसमें छात्रा को जो कॉपी प्राप्त हुई वह चौकाने वाली थी, जिसका छात्रा ने अवलोकन किया जो उस में हस्तलिपी उसकी नहीं थी, रोल नम्बर में कांटछांट की गई है, जिस कक्ष में छात्रा परीक्षा हेतु बैठी थी वह कक्ष क्रमांक 19 था, लेकिन कापी में 21 दर्शाया गया। साथ ही लेखाकर्म विषय की परीक्षा लॉकडाउन के बाद 10 जून 2020 को आयोजित की गई थी लेकिन प्राप्त कॉपी में 10 फरवरी 2020 अंकित है। इसकी शिकायत छात्रा छात्रा के अविभावक द्वारा मा.शि.मं. के अध्यक्ष, सचिव, परीक्षा नियंत्रक को की। शिकायत पर सचिव मा.शि.मं द्वारा जॉच कराने पर यह पाया गया कि कु. यामिनी शर्मा द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण है ओर उसका वास्तविक परीक्षा परिणाम द्वितीय श्रेणी का है, जिसकी अंक सूची छात्रा के अध्ययन केन्द्र पर भेजी जाएगी।

जिला न्यायालय में पैरालीगल वालेंटियर्स की बैठक सम्पन्न

भिण्ड (नवप्रभात ब्यूरो)। जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड श्री गजेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में कोविड-19 की परिस्थितियों के संबंध में शासन के प्रोटोकॉल अनुसार दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए एडीआर सेंटर जिला न्यायालय परिसर भिण्ड में पैरालीगल वालेंटियर्स की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जिला न्यायाधीश, अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड की प्रेरणा से पैरालीगल वालेंटियर्स द्वारा अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस के उपलक्ष्य में महात्मा गांधी की समाज के निचले वर्ग के उत्थान की संकल्पना को निरन्तरित किये जाने हेतु समाज के कमजोर से कमजोर वर्ग को उनके अधिकारों से अवगत कराकर न्याय दिलाने का भरसक प्रयास किये जाने की शपथ ली गयी। इसके अतिरिक्त अध्यक्ष के मार्गदर्शन में लोक अदालतो, सुलह, मध्यस्थता के माध्यम से लोगों को विवाद सुलझाने के लिए किस प्रकार प्रेरित किया जा सकता है, इस संबंध में भी महत्वपूर्ण मार्गदर्शन दिया।

जहाँ धर्म का प्रभाव होगा वहां पाप ठहर नहीं सकता

लहार। क्षेत्र के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल रावतपुरा धाम के नजदीकी ग्राम बिजौरा में प्रसिद्ध हनुमानजी मंदिर पर श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञानयज्ञ कथा के दूसरे दिन कथा ब्यास स्वर सम्राट की उपाधि से सम्मानित सरल हृदय भगवताचार्य पण्डित रमाकांत जी ब्यास ने कहा कि कलयुग में जितना ज्यादा हो सके धर्म के साथ साथ भगवान का भजन करना चाहिए क्यों की धर्म के प्रभाव से पाप नही ठहरता है कलयुग में राम के नाम बिना हमारा घर व् आंगन सूना होता है राम के नाम के बिना सब जग सूना मन्दिर सूना इस युग में ईश्वर के प्रति आस्था का कोई पुजारी आकर ज्योति जलाए और कोई राम से मोय मिलाये यह मानव का शरीर में घर प्रभू का है इसलिए इस मानव रुपी घर में ईश्वर को समाहित करो तभी ब्यक्ति का कल्याण होगा,ईश्वर इस संसार में सभी ब्याधियो से छुटकारा दिलाता है, श्रीमद्भागवत ज्ञान यज्ञ में पारीक्षत के रूप में श्रीमती चंदकुमारी/उमाकांत रावत निबासी उरई है,व कार्यक्रम में मंच व्यबस्था अनुराग त्रिपाठी (अन्नू) एवम दीपू त्रिपाठी द्वारा सम्भाली जा रही है।

कलेक्टरों को दिया रासुका लगाने का अधिकार

भोपाल। सरकार ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को रासुका लगाने के लिए दो माह और अधिकार दिया है। सरकार के सचिव मोहम्मद शाहिद अब्बार ने एक आदेश जारी कर बताया कि सरकार को सूचना मिली कि कतिपय तत्व कानून-व्यवस्था बिगाड़ सकते हैं और राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव की स्थिति में बाधा उत्पन्न कर सकते हैं या इस दिशा में सक्रिय हैं। ऐसे में सरकार ने प्रदेश के सभी कलेक्टरों को राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम 1980 की धारा 3 की उपधारा 3 में ऐसे तत्वों के खिलाफ रासुका की कार्रवाई करने के लिए अधिकृत किया है। अब वे 1 अक्टूबर से 31 दिसंबर तक ऐसे तत्वों को रासुका में बंद कर सकेंगे। इधर भोपाल में पहले ही कई बदमाशों पर रासुका की कार्रवाई हो चुकी है। इसके अलावा तड़ीपार जैसी कार्रवाई कर कई गुंडों को पहले ही जेल पहुंचाया जा चुका है।

शस्त्र जमा करने की अंतिम तिथि अब 8 अक्टूबर

भिण्ड(नवप्रभात ब्यूरो)। कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह रावत ने उप निर्वाचन 2020 को दृष्टिगत रखते हुए शस्त्र जमा करने की अंतिम तारीख 5 अक्टूबर 2020 तारीख निश्चित की गई थी। अब शस्त्र जमा करने की तारीख में बढोत्तरी कर जिले के संबंधित थानों में शस्त्र धारक अपने शस्त्रो को 8 अक्टूबर 2020 तक जमा कराऐ।

मतदान दल कर्मियों का प्रथम प्रशिक्षण 7 से

भिण्ड (नवप्रभात ब्यूरो)। विधानसभा उप निर्वाचन 2020 को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष सम्पन्न कराने हेतु पीओ, पी-1, पी-2 एवं पी-3 का प्रशिक्षण दो पालियों में 7 अक्टूबर से 10 अक्टूबर 2020 तक दिया जावेगा। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह रावत ने जिले के सभी अनुविभागीय अधिकारियों को प्रथम प्रशिक्षण कराने के संबंध में पत्र जारी कर दिया गया है। दिनांक 7 एवं 8 अक्टूबर 2020 को पीओ एवं पी-1 का एवं 9 व 10 अक्टूबर 2020 को पी-2 एवं पी-3 प्रथम प्रशिक्षण प्रात:10 बजे से दोपहर 1 बजे तक एवं दोपहर बाद 2 बजे से सायं 5 बजे तक विधान सभा भिण्ड का बिहारी महाविधालय भिण्ड में, विधान सभा अटेर का विधावती महाविधालय भिण्ड में, विधान सभा मेहगांव का शासकीय कन्या उमावि मेहगांव में, विधानसभा लहार का शासकीय कन्या उमावि लहार में, विधानसभा गोहद का शासकीय महर्षि अरबिन्द महाविधालय गोहद में दिया जायेगा।

फ्लाईग स्क्वाइड टीम प्रमुखों में आंशिक संशोधन

भिण्ड (नवप्रभात ब्यूरो)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह रावत ने विधानसभा क्षेत्र 13-गोहद की फ्लाईग स्क्वाइड टीम प्रमुखो के आदेश में आंशिक संशोधन कर नये टीम प्रमुख नियुक्त किए है। जिसके अन्तर्गत विधानसभा क्षेत्र गोहद के थाना क्षेत्र मौ के लिए पशुपालन विभाग मौ के एव्हीएफ्ओ श्री बृजराज सिंह यादव को प्रात:8 बजे से सायं 8 बजे तक एवं सायं 8 बजे से प्रात:8 बजे तक जनपद पंचायत गोहद के उपयंत्री श्री जितेन्द्र सिंह तोमर एवं थाना क्षेत्र एण्डोरी के लिए प्रात:8 बजे से सायं 8 बजे तक जल संसाधन गोहद के उपयंत्री श्री राकेश सिंह भदौरिया तथा एडीईओ श्री गौतम सिंह परमार को सायं 8 बजे से प्रात: 8 बजे तक के लिए फ्लाईग स्क्वाइड प्रमुख नियुक्त किया गया है।

एसएसटी टीम प्रमुखों के आदेश में आंशिक संशोधन

भिण्ड(नवप्रभात ब्यूरो)। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन श्री वीरेन्द्र सिंह रावत ने विधानसभा क्षेत्र गोहद थाना क्षेत्र एण्डोरी के सीमावर्ती नाका सिहोनिया रोड भोनपुरा पर प्रात: 8 बजे से सायं 8 बजे तक कृषि विकास अधिकारी गोहद श्री बृजमोहन शर्मा एवं सायं 8 बजे से प्रात: 8 बजे तक जल संसाधन गोहद के उपयंत्री श्री राजेन्द्र कौशिक को टीम प्रमुख नियुक्त किया है। इसीप्रकार थाना क्षेत्र एण्डोरी के सीमावर्ती नाका वाराहेड पर प्रात: 8 बजे से सायं 8 बजे तक जनपद पंचायत गोहद के पीसीओ श्री गोदन सिंह सेमर एवं सायं 8 बजे से प्रात: 8 बजे तक जल संसाधन गोहद के उपयंत्री श्री आरएल अटारिया को टीम प्रमुख बनाया गया है।

कलेक्टर की अध्यक्षता में ईव्हीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन सम्पन्न

भिण्ड (नवप्रभात ब्यूरो)। विधानसभा उप निर्वाचन 2020 के तहत विधानसभा क्षेत्र मेहगांव एवं गोहद के अन्तर्गत ईव्हीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिंह रावत की अध्यक्षता में ई-दक्ष सेंटर कलेक्ट्रेटर परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री मनोज कुमार सिंह, उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री इकबाल मोहम्मद, विधानसभा मेहगांव अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफीसर श्री बृजबिहारी श्रीवास्तव एवं गोहद के अनुविभागीय अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफीसर श्री शुभम शर्मा, कोषालय अधिकारी श्री एचएन मिश्रा के अलावा विभिन्न राजनैतिक दलो के प्रतिनिधिगण उपस्थित थे। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री वीरेन्द्र सिह रावत की अध्यक्षता में ईव्हीएम का प्रथम रेण्डमाईजेशन के बारे में जिला सूचना एवं विज्ञान अधिकारी श्री राहुल मीणा के द्वारा समझाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर ने सभी राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों से कहा कि मा.उच्च न्यायालय के द्वारा आदेश पारित किया गया है। उक्त आदेश का सभी पालन सुनिश्चित करें। आदेश के उल्लंघन की दशा में संबंधित के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। आदेश की प्रति विभिन्न राजनैतिक दलो के प्रतिनिधियों को कराने की बात कहीं।

उपपंजीयक के साथ भृत्य ने की गाली गलौच

लहार। लहार में पदस्थ उपपंजीयक मनोज शिहारे जो अपने ऑफिस में सर्वर की दिक्कत की बजह से देर रात तक लोगो के काम निपटाने में लगे हुए थे तो वहीं न्यायालय लहार में पदस्थ भृत्य शिवप्रकाश तिवारी वहां जा पहुँचे ओर गाली गलौच करने लगे जब इस बात का बिरोध उपपंजीयक महोदय द्वारा किया गया तो बोले तू जिसको फोन लगाना है लगा ले में किसी को नही डरता ओर जान से मारने की धमकी दे डाली इस बात की शिकायत उपपंजीयक महोदय द्वारा अपर सत्र न्यायाधीश महोदय से करनी चाही तो बो कही बहार जाने की सूचना पर से लौटे ओर लहार एस. डी. एम को फोन पर सूचना देकर पुलिस को सूचित किया जिस पर लहार थाना पुलिस के एक ए.एस.आई एबम एक प्रधान आरक्षक वहां पहुँचे तो भी भृत्य महोदय का रबैया नही बदला और गाली गलौच करते रहे पुलिस द्वारा उपपंजीयक महोदय से बरिष्ठ अधिकारियों को बुलाकर मामला आपस मे सुलटाने की बात कहकर इतिश्री कर ली गयी जिससे उपपंजीयक महोदय को बहुत गहरा आघात पहुँचा ओर उन्होंने थाना प्रभारी लहार से लेकर सभी बरिष्ठ अधिकारियों को शिकायती आबेदन देकर कार्यबाही की मांग की अब देखना ये है कि क्या उपपंजीयक महोदय को बरिष्ठ अधिकारी न्याय दिला पाते है या यूँही भृत्य का जलबा कायम रहता है।

कोरोना संक्रमण के प्रति सजगता एवं सुरक्षा रखते हुए निष्पक्ष निर्भीक एवं शांतिपूर्ण उप निर्वाचन सम्पन्न कराएं : कमिश्नर

भिण्ड (नवप्रभात ब्यूरो)। चंबल संभागायुक्त आरके मिश्रा एवं चम्बल आईजी मनोज कुमार शर्मा की अध्यक्षता में जिले में विधानसभा मेहगांव एवं गोहद में आगामी समय में होने वाले उप निर्वाचन हेतु तैयारियों की समीक्षा बैठक जिला पंचायत भिण्ड के सभागार में आयोजित की गई।

बैठक में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी वीरेन्द्र सिंह रावत, पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव कंचन, अपर कलेक्टर अनिल कुमार चांदिल, सीईओ जिला पंचायत आईएस ठाकुर, एसडीएम भिण्ड एवं अटेर यूएस सिकरवार, मेहगांव बृजबिहारी श्रीवास्तव, गोहद सुभम शर्मा, लहार आरबी प्रजापति सहित सभी नोडल अधिकारी, पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में आयुक्त आरके मिश्रा ने उप निर्वाचन हेतु जिले की तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने लॉ एण्ड ऑडर के प्रति विशेष ध्यान रखने के निर्देश उपस्थित राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कोरोना संक्रमण को ध्यान में रखकर सभी तैयारियों को समय से पूर्ण करें। चंबल आयुक्त श्री मिश्रा ने मतदान कर्मियों का प्रशिक्षण ठीक ढंग से कराने के निर्देश दिए। उन्होंने मतदान केन्द्रों पर मिनिमम असोर्ड फैसलिटी सुनिश्चित कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने सीईओ जिला पंचायत को स्वीप, मतदाता जागरूकता अभियान के कार्यक्रमों में तेजी लाने के निर्देश दिए। जिससे ज्यादा से ज्यादा व्यक्तियों को मतदान के प्रति जागरूक किया जा सके। उन्होंने पोस्टल, बैलट, जिले में शस्त्र जमा की स्थिति सहित अन्य आवश्यक विषयो पर विस्तृत समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। अंत में उन्होंने उपस्थित अधिकारियों को कोरोना संक्रमण के प्रति सजगता एवं सुरक्षा रखते हुए निष्पक्ष, निर्भीक एवं शांतिपूर्ण उप निर्वाचन सम्पन्न कराने के निर्देश दिए।

आईजी चंबल श्री मनोज कुमार शर्मा ने समीक्षा बैठक में कहा कि सभी राजस्व एवं पुलिस अधिकारी समन्वय बनाकर कार्य करें। जिससे उन्हें बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा कि कोविड-19 का भी विशेष ध्यान रखें एवं संयुक्त रूप से मतदान केन्द्रों का भ्रमण समय रहते करें।

स्वामी मै. सुकृति प्रकाशन के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. श्रीमती प्रियदर्शिनी नागोरी द्वारा नवप्रभात प्रेस, पड़ाव-ग्वालियर-474002 से मुद्रित एवं नवप्रभात कार्यालय, पड़ाव, ग्वालियर-474002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- चंद्रमोहन नागोरी नवप्रभात
ग्वालियर आर.एन.आई. रजि. क्र. एम.पी. हिन्दी 1733/57, डाक पंजीकृत संख्या ग्वालियर/40020265/2020-22, फोन-2376264, 2456188, 4041375 e-mail: navprabhat@yahoo.com; navprabhat2@gmail.com